राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का दावा, पिता और चाचा को.....

पीएम मोदी ने भारतीय टीम को एशिया कप जीतने पर दी बधाई..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 129 | नई दिल्ली, बुधवार, 20 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पीएम मोदी ने नारी शक्ति वंदन बिल पेश किए जाने का एलान, बोले- यह तारीख इतिहास में अमर हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नए संसद भवन में पहले कानून को पेश करने का एलान किया उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश करने जा रही है। पीएम मोदी ने इसके लिए विपक्षी दलों से सहयोग मांगा और कहा कि 19 सितंबर का ये दिन इतिहास में अमर होने वाला दिन है। विधेयक के एलान पर क्या बोले प्रधानमंत्री? हर देश की विकास यात्रा में ऐसे मील के पत्थर आते हैं, जब वह गर्व से कहता है कि आज के दिन हम सभी ने नया इतिहास रचा है। ऐसे कुछ पल जीवन में प्राप्त होते हैं। नए सदन के प्रथम सत्र के प्रथम भाषण में मैं विश्वास और गर्व से कह रहा हूं कि आज का यह पल और आज का यह दिवस संवत्सरी और गणेश चतुर्थी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए इतिहास में नाम दर्ज करने वाला समय है। हम सभी के लिए यह पल गर्व का है। अनेक वर्षों से महिला आरक्षण के संबंध में बहुत चचाएं हुई हैं। बहुत वाद-विवाद हुए हैं। महिला आरक्षण को लेकर संसद में पहले भी कुछ प्रयास हुए हैं। 1996 में इससे जुड़ा विधेयक पहली बार पेश हुआ। अटलजी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया, लेकिन उसे पार कराने के लिए आंकड़े नहीं जुटा पाए और उस कारण से वह सपना अधूरा रह गया। पीएम ने कहा, महिलाओं को अधिकार देने, उन्हें शक्ति देने जैसे पवित्र कामों के लिए शायद ईश्वर ने मुझे चुना है। एक बार फिर हमारी सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है। कल ही कैबिनेट में महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी गई है। आज 19 सितंबर की यह तारीख इसीलिए इतिहास में अमृत्व को प्राप्त करने जा रही है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, नेतृत्व कर रही हैं तो बहुत आवश्यक है कि नीति निर्धारण में हमारी माताएं-बहनें, हमारी नारी शक्ति अधिकतम योगदान दें। योगदान ही नहीं, महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएं। आज इस ऐतिहासिक मौके पर नए संसद भवन में सदन की पहली कार्यवाही के अवसर पर देश के इस नए बदलाव का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, ₹देश की नारी शक्ति के लिए सभी सांसद मिलकर नए प्रवेश द्वार खोल दें इसका आरंभ हम इस महत्वपूर्ण निर्णय से करने जा रहे हैं। महिलाओं के नेतृत्व में विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार एक प्रमुख संविधान संशोधन विधेयक पेश कर रही है। इस उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी को विस्तार देना है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस माध्यम से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। मैं देश की माताओं, बहनों और बेटियों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं सभी माताओं, बहनों, बेटियों को आश्वस्त करता हूं कि हम इस विधेयक को अमल में लाने के लिए संकल्पित हैं। नारी शक्ति का किया गुणगान पीएम मोदी ने कहा, ₹स्पेस हो या स्पोर्ट्स हो, दुनिया महिलाओं की ताकत देख रही है। जी20 में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की चर्चा हुई। दुनिया इसका स्वागत कर रही है, स्वीकार कर रही है। दुनिया समझ रही है कि सिर्फ महिलाओं की विकास की बात पर्याप्त नहीं है। हमें मानव जाति की विकास यात्रा में नए पड़ावों को अगर प्राप्त करना है, राष्ट्र की विकास यात्रा में नई मंजिलों को पाना है तो महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बल दें। जी20 में भारत की बात को विश्व ने स्वीकार किया है। मोदी ने कहा, महिला सशक्तीकरण की हमारी हर योजना ने महिलाओं को नेतृत्व देने की दिशा में बहुत सार्थक कदम उठाए हैं। आर्थिक समावेश को ध्यान में रखते हुए जनधन योजना शुरू की। 50 करोड़ में अधिकतर महिलाएं खाताधारक बनीं। मुद्रा योजना में 10 लाख रुपये का कर्ज दिया जाता है, उसका सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं ने उठाया। प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्के घरों की ज्यादातर रजिस्ट्री महिलाओं के नाम हुई। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इस विधेयक को सदन के पटल पर रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, विधेयक कल यानी 20 सितंबर को लोकसभा से चर्चा के बाद पास हो सकता है। वहीं 21 सितंबर को विधेयक को राज्यसभा में पेश किया जाएगा। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रीमंडल ने इस संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,140
चांदी	73,500
संसेक्स	67,597
निफ्टी	20,133

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने नए संसद भवन को बताया अमृतकाल का ऊषाकाल, कहा- अतीत की कड़वाहट को भूलें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नए संसद भवन को आजादी के अमृतकाल का ह्यऊषा काल करार दिया और कहा कि जब हम नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं तो हमें अतीत की सभी कड़वाहटों को भूल जाना चाहिए। नए संसद भवन स्थित लोकसभा में अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संसद का नया भवन 140 करोड़ भारतवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा, यह अमृतकाल का ऊषाकाल है, भारत नए भवन में अपना भविष्य तय करने के लिए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, जब हम नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं तो हमें अतीत की सभी कड़वाहटों को भूल जाना चाहिए। आज गणेश चतुर्थी का शुभ दिन है, इस पावन दिवस पर हमारा यह शुभारंभ संकल्प से सिद्धि की ओर, एक नए विश्वास के साथ यात्रा को आरंभ करने जा रहा है। मोदी ने कहा कि विज्ञान जगत में चंद्रयान-3 की गगनचुंबी सफलता हर देशवासी को गर्व से भर देती है।

देश की प्रगति के लिए बड़े कैनवास पर काम करने की जरूरत : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

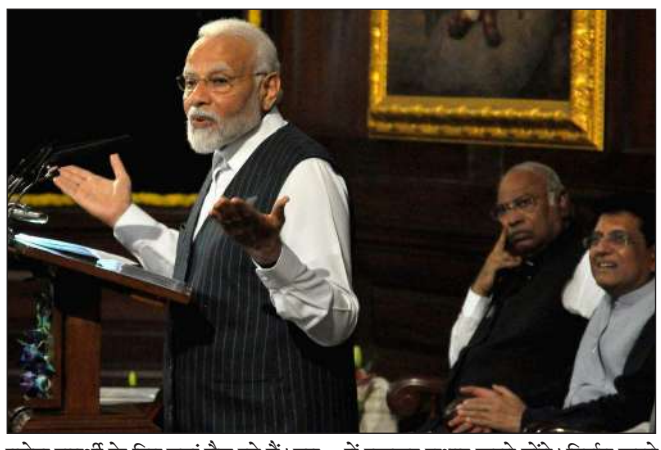

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संसद को अमृत काल के अगले 25 वर्ष में बड़े कैनवास पर मिलकर काम करना है और जनता की आकांक्षाओं के अनुसार नीतियों और कार्यक्रमों में सुधार लाकर देश की सर्वांगीण प्रगति को गति देनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले नये कानून बनाएं और पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि भारत इस समय दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कगार पर है। पूरी दुनिया हमें अपेक्षा से देख रही है। उनका कहना था कि असंतुलित विकास समृद्धि नहीं दे सकता इसलिए सर्वांगीण विकास की दिशा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। श्री मोदी ने मंगलवार को नये संसद भवन में कार्यवाही शुरू होने पहले पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित दोनों सदनों के विशेष संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए पुराने संसद भवन का नाम ह्यसंविधान सदन रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा, आज हम यहां से विदा लेकर संसद के नए भवन में बैठने वाले हैं और ये बहुत शुभ है कि गणेश चतुर्थी के दिन वहां बैठ रहे हैं। हम सब भाग्यवान है कि आज भारत उम्मीदों की उस ऊंचाई पर है जो शायद पिछले एक हजार साल में भी नहीं रही होगी। हम यहां से उठकर एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प और निश्चय के साथ नये संसद भवन में जा रहे हैं। यह क्षण भावुकता है लेकिन कर्तव्य पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करता है। संविधान सदन हमें दिशा देता रहेगा और हमें याद दिलाता रहेगा उन महान विभूतियों की जो संविधानसभा के सदस्य थे और जिन्होंने हमारा संविधान गढकर हमें दिया। श्री मोदी ने कहा समय की मांग है कि आत्म निर्भर भारत के संकल्प पूरा करना है उसमें दल आड़े नहीं आते हैं इसके लिए सिर्फ दिल चाहिए और वह दिल सिर्फ देश के लिए चाहिए। हमें प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर सुधार करने होंगे। निर्णय करते समय लोगों की आकांक्षा हमारी सोच में सबसे ऊपर होनी चाहिए। हमें अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत बनाना है। नई उम्मीदों के बीच संसद का यह सर्वोच्च दायित्व है कि वह जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नये कानून बनाए और पुराने पड़ चुके कानूनों को निरसन करे। प्रधानमंत्री ने कहा भारत आज विश्वमित्र के रूप में उभर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ग्लोबल साउथ (गरीब और विकासशील देशों) की आवाज बना। भारत नई ऊर्जा से भरा हुआ है। हमारी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी है। पूरी दुनिया मानती है कि हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने जा रहे हैं और दुनिया हमारी ओर उम्मीद की नजर लगाए है। संसद का केंद्रीय कक्ष हमें हमारे कर्तव्यों को पूरा करने कील प्रेरणा देता है। यह वही ऐतिहासिक स्थल है जहां हमारे संविधान ने मूर्तरूप ग्रहण किया। यही सदन है जहां अंग्रेजों ने सत्ता हमें सौंपी और इसी जगह संविधान सभा की बैठकें हुईं। श्री मोदी ने कहा, देश को आगे बढाने के लिए बड़ी सोच की आवश्यकता है। सोच बड़ी होगी तो चित्र भी बड़ा बनेगा क्योंकि छोटे कैनवास पर बड़ा चित्र नहीं बन सकता है। कैनवास बड़ा चाहिए तब ही बड़ा चित्र बनेगा क्योंकि कैनवास छोटा होगा तो कभी बड़ा चित्र नहीं बनाया जा सकता। इसी तरह से हमें अपनी सोच का कैनवास बढ़ाना होगा, तभी भारत तरक्की के पथ पर आगे बढ़ेगा। हमें आत्मनिर्भर भारत बनाने के लक्ष्य को सबसे पहले पूरा करना होगा। दुनियाभर में आज भारत के आत्मनिर्भर मॉडल की चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने लाल किले से भी कहा था-यही समय है, सही समय है। अगर हम एक के बाद एक घटनाओं को देखें तो उनमें से हर एक इस बात की गवाही देती है कि आज भारत एक नई चेतना और नई ऊर्जा के साथ जागृत हुआ है। भारत एक नई ऊर्जा से भर गया है। यही चेतना और ऊर्जा करोड़ों लोगों के सपनों को संकल्प में बदल सकती है और उन संकल्पों को हकीकत में बदल सकती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा ने मिलकर अब तक करीब-करीब चार हजार से अधिक कानून पास किए हैं। इसी क्रम में देश को एक और बड़ा सौभाग्य मिला है जब सदन में धारा 370 से देश को मुक्ति पाने का मौका मिला। ऐसी कई महत्वपूर्ण कामों में संसद की भूमिका अहम रही है। श्री मोदी ने कहा पुराने संसद भवन का यह सेंट्रल हॉल कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह रहा है। इसी केंद्रीय कक्ष में ही 1947 में अंग्रेजी हुकुमत ने सत्ता का हस्तांतरण किया। यह केंद्रीय कक्ष उस ऐतिहासिक लम्हें का भी गवाह रहा है। इसी हॉल में हमारे राष्ट्रीय गान और तिरंगे को अपनाया गया। यही नहीं 1952 के बाद से दुनिया के करीब 41 राष्ट्राध्यक्षों ने केंद्रीय कक्ष में आकर हमारे माननीय सांसदों को संबोधित किया है। हमारे राष्ट्रपति महोदयों के द्वारा 86 बार संबोधित किया गया है। उन्होंने विनिर्माण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, देश को निर्माण में कम से त्रुटि और कम से प्रदूषण पर ध्यान देना है और तय करना है कि हमें वैश्विक स्तर का विनिर्माण करना है। हमारा दायरा बढ गया है और अब हमें वैश्विक मंच पर खुद का स्थापित करना है। हमें क्षमता बढानी है और गुणवत्ता को भी उसी स्तर से मजबूती प्रदान कर देश को नई दिशा में ले जाना है। श्री मोदी ने कहा आज देश में 150 नर्सिंग कालेज एक साथ खुले हैं जो ऐतिहासिक कार्य है। यह पूरी दुनिया को सेवा देना का भी पुण्य कार्य है। सारी दुनिया को आज मेडिकल टीम की जरूरत है। हमें मेडिकल की दुनिया में अपना वर्चस्व स्थापित कर दुनिया को अपनी सेवा देनी है। देश की प्रगति के लिए राजनीतिक गुणाभाग की बजाय सबको मिलकर काम करना है।

महिला आरक्षण पर व्यापक सहमति बनाये सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए व्यापक स्तर पर सहमति बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि संघीय ढांचे को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। श्री खड़गे ने मंगलवार को नये संसद भवन में राज्यसभा की पहली बैठक में वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रस्तावित महिला आरक्षण कानून में कमजोर वर्ग की महिलाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों में महिलाओं की आवाज को दबाया जाता है। उनके इस वक्तव्य पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसका तीखा विरोध किया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि श्री खड़गे को अन्य दलों के बारे में बोलने का अधिकार नहीं है। विपक्ष के नेता महिलाओं में विभेद पैदा कर रहे हैं। वह महिलाओं का अपमान नहीं कर सकते हैं। इसके बाद सदन में शोर शराबा होने लगा और कांग्रेस के कुछ सदस्य आसन के समक्ष आ गये। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में मयार्दा बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण हैं और पूरे देश की महिलायें भी सदन की कार्यवाही देख रही हैं। श्री खड़गे ने महिला आरक्षण में अन्य पिछडा वर्ग की महिलाओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को आरक्षण स्वयं ही मिल जाएगा लेकिन ओबीसी महिलाओं का अधिकार खत्म होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी कानूनों का लाभ गरीब वर्गों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी लोग लोकतंत्र के साथ चलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी कार्यप्रणाली से संघीय ढ़ांचे को कमजोर कर रही है। राज्यों को वित्तीय संसाधन नहीं दिये जा रहे हैं और भेदभाव किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने जीएसटी के हिस्से का उदाहरण दिया। इसका शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान और श्रीमती सीतारमण ने कड़ा विरोध किया और उनके वक्तव्य को खारिज करते हुए कई उदाहरण दिये। इससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस भी हुई। इस पर श्री धनखड़ ने दोनों पक्षों से अपने अपने वक्तव्य के पक्ष में प्रमाणिक दस्तावेज सदन के पटल पर रखने के निर्देश दिये। श्री खड़गे ने कहा कि देश के विकास और निर्माण समाज के सभी वर्गों की भागीदारी है और प्रत्येक व्यक्ति इसमें सहभागी बनना चाहता है। सरकार को सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। सदन में विपक्ष के नेता के वक्तव्य के बाद सभापति ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

लोकसभा में महिला आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नये संसद भवन में पहले दिन लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के उद्देश्य से संविधान का 128 वां संशोधन करने वाला नारीशक्ति वंदन विधेयक 2023 पेश किये जाने की घोषणा की और संसद के दोनों सदनों के सांसदों से अपील की कि वे इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करके इसे और मजबूत बनायें। श्री मोदी ने दोपहर सवा एक बजे नये संसद भवन में लोकसभा के नये सदन में अपने उद्घाटन भाषण में ये ऐलान किया। प्रधानमंत्री के भाषण के बाद सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के नेता अधीररंजन चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किये और इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान का 128वां संशोधन करने वाला नारीशक्ति वंदन विधेयक 2023 पेश किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीति, नीति एवं शक्ति का इस्तेमाल समाज में प्रभावी बदलाव का बहुत बड़ा माध्यम होता है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं की ताकत बढ़ी है। जी-20 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने महिला नीत विकास की चर्चा की जिसे दुनिया स्वीकार कर रही है और समझ रही है। उन्होंने कहा कि महिला विकास की बात मात्र चर्चा नहीं है, यह राष्ट्र के विकास की नई मंजिलें, महिला नीति के विकास से ही हासिल होंगी। इसे जी-20 ने भी स्वीकार किया है। महिलाओं का आर्थिक समावेशन इसका एक बड़ा अंग है। उन्होंने भारत में आर्थिक सशक्तीकरण की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जनधन योजना, मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना, के लाभार्थियों में अधिकतर महिलाएं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर देश की विकास यात्रा में ऐसे मील के पत्थर आते हैं जिन्हें पीढ़ियां याद रखतीं हैं। आज के दिन हम सबने नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन गणेश चतुर्थी का दिन इतिहास में नाम दर्ज कराने वाला पल है। अनेक वर्षों से महिला आरक्षण के बारे में चर्चा और वाद विवाद होता रहा है। पहले भी 1996 में पहली बार यह विधेयक पेश किया गया था। बाद में पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भी ये विधेयक लाने का कई बार प्रयास किया गया। लेकिन उसे पारित करने के लिए जरूरी आंकड़े नहीं जुटा पाये। श्री मोदी ने कहा, ईश्वर ने ऐसे कई काम करने के लिए मुझे चुना है। एक बार फिर उनकी सरकार ने कल मंत्रिमंडल की बैठक में महिला आरक्षण विधेयक लाने को मंजूरी दी है। 19 सितंबर की तिथि अमरत्व को प्राप्त करने जा रही है। उन्होंने कहा, महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं हैं। ऐसे में बहुत आवश्यक है कि नीति निर्धारण में नारीशक्ति अधिक से अधिक भूमिका निभाये। आज के ऐतिहासिक मौके पर सदन की पहली कार्यवाही में, मैं देश में बदलाव का आह्वान करता हूं। सभी सांसदों से नारीशक्ति के लिए नये प्रवेश द्वार खोल दें। एक महत्वपूर्ण निर्णय में महिला नीत विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन करने जा रही है।

आदित्य-एल1 की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित चौथी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी : इसरो

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के पहले सूर्य मिशन के तहत सूरज के बाहरी वातावरण के अध्ययन के लिए भेजे गए 'आदित्य-एल1' यान की पृथ्वी की कक्षा परिवर्तन से संबंधित चौथी और आखिरी प्रक्रिया मंगलवार तड़के सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। इसी के साथ पृथ्वी की कक्षा में दो सितंबर से चक्कर लगा रहा 'आदित्य-एल1' ट्रांस-लैग्रेंजियन बिंदु-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा में दाखिल हो गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। इसरो ने बताया कि ट्रांस-लैग्रेंजियन बिंदु-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा में प्रवेश करने के साथ ही 'आदित्य-एल1' की लैग्रेंज बिंदु एल-1 के आसपास के निर्धारित क्षेत्र में पहुंचने की लगभग 110 दिन लंबी यात्रा शुरू हो गई। लैग्रेंजियन बिंदु पर सूर्य और पृथ्वी के बीच गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है, जिससे किसी उपग्रह को इस बिंदु पर रोकने में आसानी होती है। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु की तरफ रवाना! ट्रांस-लैग्रेंजियन बिंदु-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया (टीएल1आई) सफलतापूर्वक निष्पादित की गई है। अंतरिक्ष यान अब एक प्रक्षेप पथ पर है, जो उसे सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु पर ले जाएगा। इसे लगभग 110 दिनों के बाद एक प्रक्रिया के माध्यम से एल1 के आसपास की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसरो ने कहा कि यह लगातार पांचवीं बार है जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने किसी वस्तु को अंतरिक्ष में किसी अन्य खगोलीय पिंड या स्थान की तरफ सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है। 'आदित्य एल1' भारत की पहली अंतरिक्ष आधारित वेधशाला है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित पहले सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु (एल-1) में रहकर सूरज के बाहरी वातावरण का अध्ययन करेगी। इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी57) ने दो सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के दूसरे लॉन्च पैड से 'आदित्य एल1' का सफल प्रक्षेपण किया था।

तीन जिलों की अलग-अलग घटनाओं में किशोर सहित 7 लोग डूबे, 3 युवकों की लाश बरामद

पटना, एजेंसी

राज्य के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार को अलग-अलग घटनाओं में 7 लोग डूब गए जिनमें से 3 के शव बरामद कर लिए गए। जबकि गोताखोर 4 अन्य की तलाश कर रहे हैं। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और मुंगेर जिले में ये दुर्घटना हुई है। समस्तीपुर में एक साथ तीन युवकों की नदी में डूब कर मौत हो गई। ये युवक गांव के किसी व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे, जहां मोहनपुर ओपी क्षेत्र स्थित सरारी गंगा घाट पर स्नान के दौरान तीनों की डूबने से मौत हो गयी। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों युवकों के शव नदी से निकाले गए। घटना से मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। एक अन्य घटना में मुजफ्फरपुर सकरा थाना क्षेत्र के इटहा रसूल नगर में मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में तीन युवक डूब गए। सकरा थानाध्यक्ष राजू पाल के अनुसार तीनों युवकों की खोजबीन जारी है। तीसरी घटना मुंगेर जिले की है जहां मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शंकरपुर घाट के किनारे गंगा नदी में नहाने के लिए गया किशोर गहरे पानी में चला गया। उसे खोजने के लिए स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया है। उसकी पहचान शंकरपुर गांव निवासी 14 वर्षीय राजा के तौर पर हुई है। घाट पर लोगों की भारी भीड़ जमा है।

होमवर्क एक नया अध्याय जोड़ने की दहलीज पर खड़े हैं। मैं आप सभी को बधाई देता हूं.....

पुराने संसद भवन को विशेष सम्मान देकर , प्रधानमंत्री ने हमें 'होमवर्क' दे दिया : धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद के केंद्रीय कक्ष ने सात दशक से अमृतकाल तक का सुहाना तथा यादगर सफर तय किया है और अब इस भवन की विदाई का वक्त आया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराने संसद भवन को विशेष सम्मान देकर इसे संविधान सदन के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव करके उन्हें होम वर्क दे दिया है। श्री धनखड़ ने यह बात संसद के केंद्रीय कक्ष में विशेष सत्र के दौरान दोनों सदनों की आखिरी संयुक्त बैठक के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस विशेष समारोह को श्री धनखड़ के अलावा श्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, संसदयी कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल, राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी तथा सबसे वरिष्ठ सांसद मेनका गांधी ने संबोधित किया। राज्यसभा के सभापति ने कहा, आजाद भारत के सात दशक के अपने सफर में इस भवन ने कई नये प्रतिमान स्थापित किए हैं। इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा ने देश का संविधान बनाया जो दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। देश ने 75 साल में जो प्रगति की है यह भवन उसका गवाह है। देश आज प्रगति की तेज गति पर चल रहा है। संसद की नई इमारत, भारत मंडपम और यशोभूमि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाली नवीनतम बुनियादी ढांचा और उत्कृष्ट कृतियां हैं। यह दुनिया को बताता है कि हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ रहे हैं और भारत की इस गति पर पूरी दुनिया की निगाह है। यह गति अब रुकनी नहीं चाहिए। श्री धनखड़ ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर है और इस मौके पर हम अपने संसदीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय जोड़ने की दहलीज पर खड़े हैं। मैं आप सभी को बधाई देता हूं। हम सभी इस इतिहास को देखने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि हम इस पुराने संसद भवन को अलविदा कह रहे हैं और नए भवन में जा रहे हैं। प्रभावशाली ढंग से आयोजित जी20 के परिणामस्वरूप भारत की वैश्विक शक्ति का प्रदर्शन हुआ। श्री बिरला ने कहा, 75 वर्षों की इस यात्रा में हमने कई क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हम अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाए और देश के लोगों के जीवन में सुधार लाकर उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने का वक्त है। यह कार्य जनभागीदारी तथा सामूहिकता के साथ ही पूरे किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नये संसद भवन में हमें नई उम्मीद और नई आकांक्षाओं के साथ जाना चाहिए। श्री खड़गे ने कहा कि यह वही संसद भवन का केंद्रीय कक्ष है जो पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के आजादी के बाद का ऐतिहासिक भाषण का गवाह रहा है। पंडित नेहरू, सरदार पटेल, डॉ राजेंद्र प्रसाद तथा अम्बेडकर जैसी सख्शियत को याद करते हुए उन्होंने कहा यह सेंट्रल हाल संविधानसभा में हुए उनके भाषणों का गवाह है। उनका कहना था कि देश को आगे ले जाने के लिए सब पार्टी लाइन से हटकर देशहित में काम करेंगे तभी राष्ट्र का सही मायने में विकास होगा। उन्होंने कहा, हम नए भवन में जा रहे हैं और वहां हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाना है और देश को विकसित भारत के रूप में स्थापित करना है। श्री जोशी ने कहा मैं संसद की नई इमारत में कामकाज करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह नया संसद भवन नए और उभरते भारत का प्रतीक है, जो 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना के अनुसार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। श्री गोयल ने नए संसद भवन में प्रवेश को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा, यह क्षण हम सबके लिए यादगार रहेगा लेकिन हमारे सामने कई सारी चुनौतियां हैं हालांकि पिछले 10 वर्षों में हम इन चुनौतियों से निपटते हुए काफी आगे बढ़ चुके हैं। हम सबके सामने लक्ष्य बड़ा और कठिन है लेकिन मुश्किल नहीं है,इसलिए सब मिलकर काम करेंगे और इस लक्ष्य को हासिल करेंगे। लोकसभ में कांग्रेस के नेता श्री चौधरी ने कहा कि भारत की युवा आबादी को देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, भले ही हम खुद को विकासशील कहकर आगे बढने की बात करते हैं लेकिन हकीकत यह है कि हमारी प्रति व्यक्ति जीडीपी विकसित देशों की तुलना में बहुत पीछे है। इस आर्थिक विकास की चुनौती से निपटने के लिए विकास समर्थक सरकारी नीतियों, कम मुद्रास्फीति को बढ़ावा देने, ब्याज दरों को कम करने, बेरोजगारी को कम करने, कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने, क्रय शक्ति को बढ़ाने, मांग को प्रोत्साहित करने और स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्र को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसी केंद्रीय कक्ष में 389 दिग्गजों ने 2 वर्ष 11 माह तक संविधान की रूपरेखा तैयार करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और देश को 395 धाराओं वाला विशाल संविधान दिया। देश के समक्ष आज कई तरह की चुनौतियां मौजूद हैं, अगर हम सब मिलकर कोशिश करेंगे तो 2047 से पहले भी देश को विकसित राष्ट्र बना सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी की सांसद मेनका गांधी ने कहा कि दुनिया में सहानुभूति और दया से बड़ी कोई शक्ति नहीं है, क्योंकि वे किसी कम भाग्यशाली व्यक्ति के जीवन को बदल सकते हैं। दयालुता अपने स्वयं के प्रतिफल के रूप में कार्य करती हैं।उन्होंने कहा कि एक सांसद के रूप में उन्होंने अपने प्रयास से बदलाव लाने की कोशिश की है। उनका कहना था कि उन्होंने यह काम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के तौर पर भी किया और भाजपा सांसद के तौर पर भी यही काम कर रही हैं।

विवेक बने सेवा भारती जिला उपाध्यक्ष

जसपुर, एजेंसी। सेवा भारती की बैठक में विभाग सेवा प्रमुख अरविंद राव ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया। विवेक जैन को जिला उपाध्यक्ष, शुभम पांडेय को सह मंत्री, मुकेश पांडेय को युवा भारती जिला संयोजक और मुकेश यादव, सुरेश व हर्षित तिवारी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। राव ने जिले में सेवा भारती के चल रहे कार्यों की समीक्षा कर सेवा कार्य बढ़ाने पर जोर दिया। जिला मंत्री भूपेंद्र चौहान ने नगर की कार्यकारिणी का विस्तार कर राजेंद्र बंसल उपाध्यक्ष, नरोत्तम सिंह उप मंत्री, यशपाल शर्मा कोषाध्यक्ष, तरुण कम्बोज युवा भारती संयोजक, नारायण सिंह व गौरव अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया। खंड कार्यकारिणी में सौरव राजपूत अध्यक्ष, प्रमोद सैनी मंत्री, नवीन ठाकुर कोषाध्यक्ष, विकास कुमार युवा भारती संयोजक मनोनीत किया गया। विभाग सेवा प्रमुख अरविंद राव ने सेवा नर सेवा नारायण की तर्ज पर कार्य करने, प्रत्येक महीने बैठक कर संचालित कार्यों की समीक्षा करने का निर्देश दिया। वहां जितेंद्र कुमार, कमलेश कुमार, अनिल चौहान, सुभाष गुप्ता, मुकेश यादव, राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

रक्तदान से बचाई जा सकती है कई लोगों की जान

ऋषिकेश, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़े के तहत भानियावाला के एक वेडिंग प्वाइंट में भाजपाइयों ने रक्तदान किया। जिसमें 20 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम शुरू करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डेंगू महामारी में रक्तदान का विशेष महत्व है। प्लेटलेट्स आदि की कमी को पूरा करने में रक्तदान से मदद मिलती है। क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने कहा कि डोईवाला में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विधानसभा कार्यक्रम संयोजक विनय कंडवाल और जिलाध्यक्ष भाजयुमो अंकित बिजल्वाण के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। परिवर्तन चैरिटेबल ब्लड बैंक के डॉ संदीप चौधरी ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। शिविर में जिला सहप्रभारी नलिन भट्ट, जिला अध्यक्ष रविंद्र राणा, महामंत्री राजेंद्र तड़ियाल, विक्रम नेगी, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, मनीष नैथानी, मनमोहन नौटियाल, सभासद ईश्वर रौथाण, संदीप नेगी हिमांशु भट्ट, नितिन कोठारी आदि मौजूद रहे।

लाखों रुपये के डस्टबिन को ही बना दिया कूड़ा

ऋषिकेश, एजेंसी। जी-20 के तहत लाखों रुपये के बजट से नगर निगम ने क्षेत्र में कूड़ेदान लगाए गए थे। लेकिन निगम प्रशासन की लापरवाही के चलते यह कूड़ादान ही खुद कूड़ा बन गए हैं। जी-20 बजट से नगर निगम क्षेत्र के त्रिवेणीघाट सहित अन्य क्षेत्रों में कूड़ेदान लगाए गए थे। लेकिन लगभग दो महीनों के भीतर ही यह कूड़ेदान एक के बाद एक टूट गए। अब कूड़े को एकत्रित रखने वाले यह कूड़ादान स्वयं कूड़े का ढेर बन गए हैं। जिससे इनके रखरखाव का जिम्मेदार नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम प्रशासन की लापरवाही के चलते लाखों रुपये के बजट से क्षेत्र में लगाए गए डस्टबिन कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। लोगों का कहना है कि जी-20 बजट के कार्यों में जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को ठिकाने लगाया गया है। नगर निगम प्रशासन वैसे तो बजट का रोना रोता है, लेकिन जी-20 बजट में किए गए कार्यों का निगम प्रशासन सही रखरखाव नहीं कर सका। वहीं शहर की सफाई व्यवस्था भी किसी से छुपी नहीं है। ऐसे में स्वच्छ शहर की रैंकिंग में अव्वल आने का नगर निगम ऋषिकेश का सपना असफल होते नजर आ रहा है। लोगों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को पलीता लगा रहा है।

गंगा घाट से सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। हरकी पैड़ी क्षेत्र से हरियाणा के यात्री का बैग चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसके कब्जे से चोरी का बैग व अन्य सामान बरामद हुआ। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, सुभाष चंद पुत्र सरदारा निवासी रोहतक हरियाणा ने शिकायत दी थी कि 16 सितंबर को हर की पैड़ी पर स्नान करने के दौरान उनका बैग चोरी हो गया। जिसमें जरूरी सामान था। कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला ने बताया कि आरोपी मंजीत सिंह निवासी शिव बस्ती कालोनी झज्जर हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया गया।

मोबाइल फोन चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। रानीपुर पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाले गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के चार फोन बरामद हुए हैं। चारों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, रविवार को प्रमोद निवासी ग्राम नगला चतुरी थाना बहोश जिला कासगंज यूपी ने शिकायत दी थी। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी चोरी की शिकायत की थी। कोतवाली प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि आरोपी बंटी निवासी गली नंबर नौ नाजपुरा थाना कोतवाली मुजफ्फरनगर हाल पान मार्केट रोशनाबाद, नितीश कुमार निवासी ग्राम ताजपुर कल्लू थाना चांदपुर जिला अमरोहा हाल जमालपुर खुर्द निकट रामवाटिका रानीपुर, सुनील उर्फ नितिश निवासी ग्राम भौराहा थाना पानापुर जिला छपरा बिहार हाल जमालपुर खुर्द पानी की टंकी के पास रानीपुर, सुमंत कुमार निवासी ग्राम धर्मपुर थाना मंढावरा जिला छपरा बिहार हाल जमालपुर खुर्द पानी की टंकी के पास रानीपुर को जय गणेश इंजीनियरिंग इंडस्ट्री के पास स्थित यूकेलिप्टिस के बाग से गिरफ्तार कर लिया गया है।

सड़कों की दशा सुधारो सरकार

हल्द्वानी, एजेंसी। सड़कों की बदहाल हालत, आवारा पशुओं की समस्या, बिजली, पानी की दिक्कतों को लेकर व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल महानगर हल्द्वानी इकाई और हल्द्वानी ग्रामीण के पदाधिकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कहा कि हल्द्वानी कुमाऊं का प्रवेश द्वार होने के साथ ही प्रमुख व्यवसायिक शहर भी है। यहां की बदहाल सड़कों के गड्ढों में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, दूसरी ओर बिजली कटौती और पानी की समस्या भी बनी हुई है। अधिकारी केवल अतिक्रमण और चालान तक सीमित हैं।

ज्ञापन देने वालों में देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर, प्रदेश प्रभारी जगमोहन चिलवाल, महानगर अध्यक्ष अजय कृष्ण गोयल, महामंत्री नेत्र बल्लभ जोशी, उपाध्यक्ष माधो सिंह देवपा, ग्रामीण अध्यक्ष हर्ष जलाल, हरीश चंद्र पांडेय, बृजमोहन सिजवाली, राकेश वर्मा, आफताब हुसैन, संतोष गौड़, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक हेम भट्ट शामिल रहे।

सड़कों की खराब हालत, आए दिन दुर्घटना, एक शिक्षक की मौत और अधिकारियों की अनदेखी से आहत समाजसेवी योगेश जोशी ने अपने खर्च से सड़कों के गड्ढे भरवाने का बीड़ा उठाया। सोमवार को उन्होंने दो ट्रालियों में खोचड़ और मिट्टी भरकर आठ मजदूरों के साथ लालडांठ से इसकी शुरुआत की।

बाल किशन देवकी जोशी निस्वार्थ जन सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश जोशी ने करीब 70 गड्ढों में भरान करवाया। कहा कि मुख्य मार्गों से गुजरने वाले प्रशासन और विभागीय अधिकारियों की अनदेखी जनता पर भारी पड़ रही है।

शिशु को जन्म देने के बाद तबीयत बिगड़ी, मां की मौत

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। जिले के दूरस्थ ब्लॉक ओखलकांडा में बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं ने एक और जान ले ली। सोमवार को ओखलकांडा की ग्राम पंचायत ल्वाड़-डोबा के तोक अदगढ़ा में एक महिला ने घर में बच्ची को जन्म दिया। बच्ची को जन्म देने के आधे घंटे बाद महिला की तबीयत बिगड़ने से जान चली गई। अब स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक शिशु के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए गांव को रवाना हो गए हैं। मंगलवार को डॉक्टरों की टीम भी गांव पहुंचेगी।

प्रधान अंजू मटियाली ने बताया कि सोमवार सुबह आशा देवी (23) पत्नी जगदीश चंद्र ने प्रसव पीड़ा होने पर घर में एक बच्ची को जन्म दिया। आधे घंटे बाद आशा की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि परिजनों को आशा को अस्पताल ले जाने का समय तक नहीं मिला। समाजसेवी प्रकाश मटियाली ने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को तीन किलोमीटर पैदल आवाजाही करनी पड़ती है।

जंगलात से 71 आउटसोर्स कर्मियों को हटाया

हल्द्वानी, एजेंसी। फॉरेस्ट ट्रेनिंग अकादमी और अंतरराष्ट्रीय चिड़ियाघर में तैनात आउटसोर्स के माध्यम से वन कर्मियों को हटा दिया गया है। इनमें चौकीदार से लेकर लिपिक समेत अन्य पदों पर कार्यरत कर्मी हैं। इन कर्मियों को काफी समय से वेतन भी नहीं मिला था।

वन विभाग के कार्यालयों में आउटसोर्स और उपनल के माध्यम से कर्मियों को रखा गया था। इसमें कंप्यूटर आपरेटर, लिपिक, चौकीदार, ड्राइवर, श्रमिक समेत अन्य पदों पर रखा गया था। तकनीकी कारणों से कर्मियों को वेतन महीनों से नहीं मिल पा रहा है। इसको लेकर बीते दिनों कर्मियों ने तिकोनिया स्थित डीएफओ कार्यालय में धरना भी दिया था। अब एफटीए में कार्यरत कर्मियों को हटा दिया गया। कर्मियों का कहना है कि उन्हें मौखिक रूप से काम पर न आने को कहा गया है। यह कर्मी अकादमी के गेट पर बैठे रहे। जो कर्मी हटाए गए हैं, उसमें हर तरह के कर्मी शामिल हैं। कर्मी रमेश कहते हैं कि ड्राइवर के तौर पर वर्ष-2015 से काम कर रहे थे, अब हटा दिय गया है। नारायण सिंह कहते हैं कि माली के तौर पर काम कर परिवार का पेट पाल रहे थे, अब नौकरी से हटा दिया गया है। बलवंत दानू और शिवेंद्र कहते हैं कि काफी समय से वेतन नहीं मिला था, अब नौकरी से भी हटा दिया गया है। अब उनके सामने परिवार की जिम्मेदारी पूरी करने की चिंता है। इस संबंध में एफटीए निदेशक डॉ. तेजस्विनी पाटिल कहती हैं कि शासन ने जेम के माध्यम से सर्विस प्रोवाइडर की व्यवस्था लागू की है, इसके माध्यम से व्यवस्था होनी है। जो अभी तक आउटसोर्स के कर्मी थे, उनके वेतन के लिए राशि भी आवंटित नहीं हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय जू के निदेशक संदीप कुमार से पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हुआ। नेशनल हेल्थ मिशन के तहत जिले में कार्यरत करीब पांच सौ कर्मियों को लंबित वेतन मिल पाया है। इन कर्मियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला था, इसके कारण आर्थिक दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। सीएमओ डॉ. भागीरथी जोशी ने बताया कि कर्मियों का वेतन जारी कर दिया गया है। नगर निगम में करीब 1200 सफाई कर्मी कार्यरत हैं। इन कर्मियों को एक महीने के वेतन का इंतजार है। सामान्य तौर पर महीने की दस तारीख तक वेतन आ जाता है, पर अभी तक वेतन नहीं मिल सका है।

जेडे हत्याकांड में शामिल सजायाफ्ता दीपक सिसौदिया गिरफ्तार

हल्द्वानी, एजेंसी। मुंबई के खोजी पत्रकार जेडे की हत्या में सजायाफ्ता कैदी दीपक सिसौदिया जनवरी 2022 में फरार हो गया था। सोमवार को एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे मुंबई भेजा जाएगा।

दीपक सिसौदिया मूलत- हल्द्वानी का रहने वाला है। छोटा राजन गैंग के साथ उसके संबंध हैं। मुंबई कोर्ट ने उसे महाराष्ट्र के चर्चित खोजी पत्रकार जेडे की हत्या में शामिल होने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तब से वह महाराष्ट्र की अमरावती सेंट्रल जेल में बंद था। दीपक ने शूटरों को हथियार उपलब्ध करवाए थे।

जनवरी 2022 में उसे 45 दिन की पैरोल पर रिहा किया गया था, तब से वह फरार हो गया था। इधर जब पुलिस के तमाम प्रयास के बाद भी उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सका तो बीती जुलाई में उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया।

एसटीएफ कुमाऊं के अनुसार, पड़ताल में चला था कि दीपक नेपाल में छुपा है। वह चोरी-छिपे हल्द्वानी में अपने परिवार से मिलने आता है तो कभी उसका परिवार उससे मिलने नेपाल जाता है। दीपक की तबियत खराब चल रही है। उसका एक पैर पूरी तरह से खराब है, उसकी जगह नकली पैर लगाया गया है। साथ उसे हार्ट अटैक भी आ चुका है। इस वजह से वह कुछ काम नहीं कर रहा था। नेपाल के एक होटल में रुका हुआ था।

मुखबिर की सूचना के आधार पर सोमवार सुबह उसे बनबसा रेलवे स्टेशन के पास से दबोच लिया। बनबसा पुलिस को एक रात पहले ही सूचना मिल गई थी कि दीपक कार से नेपाल से बनबसा आएगा।

भक्तों ने मां नंदा देवी से लिया आशीर्वाद

चौखुटिया (अल्मोड़ा), एजेंसी। तहसील क्षेत्र के मुख्य ड्योडी टेडागांव सहित विभिन्न ड्योडियों में पिछले मंगलवार से चल रहे नंदा देवी पूजा के सभी देव डंगरिये, ग्रामीण कलशयात्रा, बाजे-गाजे के साथ सोमवार को मां नंदा के प्रतीक कदली वृक्ष लेने छिताड़ पहुंचे।

कदली वृक्ष को तड़ागताल के जाबर मंदिर ले जाया गया जहां मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रातभर मेला लगा। मां नंदी देवी से महिलाओं ने आशीर्वाद लिया। मेले के मुख्य संयोजक कुबेर सिंह कठायत ने बताया कि मेले का समापन और मूर्ति विसर्जन मंगलवार को होगा। भंडारे में लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे।

बताया कि इससे पहले रविवार को बगड़ी में रातभर जागरण हुआ। देवता अवतरण के लिए गरुड़ के कत्यूर से गोविंद राम सहित सात जगरिये पहुंचे थे। कदली वृक्ष विदाई के समय राउमावि छिताड के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

घर में घुसकर बुजुर्ग को लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा, एजेंसी। मदद मांगने के बहाने घर में घुसकर बुजुर्ग को लूटने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूट का सामान भी बरामद किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

नगर के कुंजनपुर निवासी हेम चंद्र जोशी बीते शुक्रवार रात अपने घर पर सोए थे। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने दरवाजा खटखटाते हुए मदद मांगी। दरवाजा खोलते ही उसके साथ दो अन्य लोग भीतर घुसे और उन्हें धमकाते हुए फोन, रुपयों से भरा पर्स छीनकर भाग गए। घटना के बाद पीड़ित के कोतवाली में तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से सोमवार को आरोपी अंशुल कुमार (22) निवासी भ्यारखोला, अवधेश टम्टा (25) निवासी टम्टा मोहल्ला, आलोक कुमार (21) निवासी नरसिंहबाड़ी को करबला के पास से गिरफ्तार किया।

एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने बताया कि तीनों को जेल भेज दिया है। टीम में एसआई दिनेश सिंह परिहार, महिला एसआई पूनम रावत, कांस्टेबल नंदन राम, खुशाल राम, केशव भौत शामिल रहे।

एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी, लूट, नशे का सामान तस्करी करने पर नौ मुकदमे दर्ज हैं।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा में उमड़े श्रद्धालु

चौखुटिया, एजेंसी। विकासखंड के भटकोट में नवनिर्मित जगन्नाथ मन्दिर से भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में दूरदराज से पहुंचे श्रद्धालु शामिल हुए। लोगों ने घरों की छतों से भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। रथ यात्रा का समापन अगनेरी में विशाल भंडारे के साथ हुआ।

रविवार को इस्कान की ओर से आयोजित रथयात्रा का शुभारंभ नारियल तोड़कर हुआ। रथयात्रा हरे राम, हरे राम, रामा रामा हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्णा कृष्णा हरे हरे की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। रथ यात्रा चांदीखेत, चौखुटिया बाजार होते हुए करीब चार किमी चलकर अगनेरी मंदिर पहुंची।

रथ को दो मोटी रस्सियों से खींचा गया।

भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए लोगों में होड़ मची रही। देश के विभिन्न हिस्सों से आए संत हारमोनियम, मृदंग, करताल के अलावा शंख आदि बजा रहे थे। यात्रा के मुख्य संयोजक संत गोविंद दास प्रभु रहे। इस मौके पर ललित तडियाल, भगवत सिंह रौतेला, दीप पंत, बहादुर सिंह, भगवान सिंह, राम सिंह, सुंदर सिंह, योगेश, गोपाल सिंह, भगवत ठाकुर, गणेश चंद्र, सीमा टढियाल, गीता कांडपाल, बसंती देवी, हंसी, राधा देवी, गोविंद सिंह तडियाल, गिरधर बिष्ट आदि मौजूद थे। यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा का श्रृंगार किया गया। इसके बाद देसी घी से बनाए गए बेसन के लड्डू, जलेबी, रसगुल्ला, खीर, पनीर आदि 56 भोग लगाया गया। जगन्नाथ यात्रा के मुख्य संयोजक संत गोविंद दास के अलावा पश्चिम बंगाल से श्यामसुंदर दास, गौरा गुणमनी, दीनबंधु, वयसम्भुपायन, वृंदावन से सुचिता, मोहन सौरभ, अभिराम प्रभु, कृष्ण सुदामा प्रभु, रमन राधा दास, परशुराम दास, दीनबंधु, कुंज बिहारी, संत प्रभु गोविंद दास, श्याम सुंदर दास, अनिरुद्ध दास, सुदामा दास, पीतांबर दास आदि संत पहुंचे।

नैनीताल के प्रख्यात फोटोग्राफर और पर्वतारोही अमित साह का निधन, चित्रकारों में शोक की लहर

नैनीताल, एजेंसी। अमित साह प्रख्यात फोटोग्राफर के साथ ही पर्वतारोही और ट्रैवलर भी थे। उन्होंने एस्ट्रो ट्रेल को नई पहचान दी थी।

नैनीताल के प्रख्यात फोटोग्राफर अमित साह का 43 वर्ष की उम्र में असामयिक निधन हो गया। बताया जा रहा है कि देर रात उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। लोगों का कहना है कि उनका निधन हार्ट अटैक के कारण हुआ है। उनके निधन की खबर से चित्रकारों में शोक की लहर है। साह प्रख्यात फोटोग्राफर के साथ ही पर्वतारोही और ट्रैवलर भी थे। उन्होंने एस्ट्रो ट्रेल को नई पहचान दी थी। अमित साह जाने माने यू ट्यूबर भी थे। उनकी एक ही पोस्ट पर चार मिलियन तक व्यूज आते थे। फेसबुक, इंस्टाग्राम उनके हजारों फॉलोवर्स थे। देश से विदेश तक अमित साह की फोटोग्राफी के चर्चे थे। राज्य के तमाम विभागों के कैलेंडर में भी उनके चित्रों का प्रकाशन हुआ है। उनकी खींची हुई तस्वीरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जगह मिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2019 में उनके द्वारा 2017 में खींची गई फोटो को इंटरनेशनल माउंटेन डे के अवसर पर बनाये गए स्पेशल पोस्टर में भी जगह दी गई थी।

मशरूम उत्पादन कर स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहे चंद्रमोहन

ऋषिकेश, एजेंसी। यमकेश्वर ब्लॉक अंतर्गत कुनांऊ गांव के चंद्रमोहन सिंह नेगी मशरूम को उत्पादन कर स्वरोजगार को बढ़ावा देने में जुटे हुए हैं। कोरोनाकाल से वह मशरूम का उत्पादन कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने कई स्थानीय युवाओं को इसका प्रशिक्षण दिया है। चंद्रमोहन प्रति माह 15 से 20 हजार रुपये कमा रहे हैं।

कुनांऊ गांव निवासी चंद्र मोहन सिंह नेगी ने बताया कि कोरोना काल में उन्होंने मशरुम का उत्पादन शुरू किया। मशरूम उत्पादन का काम अब लाभप्रद साबित हो रहा है। करीब चार वर्ष पहले उन्होंने मशरूम की एक छोटी इकाई से अपनी शुरुआत की। जिसके अच्छे परिणाम से उत्साहित होकर इसी काम में रम गए। वर्तमान में वह अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व के सहयोग से उन्होंने करीब दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया है।

इस वर्ष भी उनसे विभिन्न गांवों के लोगों की ओर से मशरूम प्रशिक्षण, मशरूम उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए संपर्क किया गया है। मशरूम उत्पादन का कार्य कम लागत, कम जोखिम और अधिक मुनाफे का कार्य है। यह छोटे किसानों के लिए अत्यंत ही लाभदायक है।

ग्रामीण डाकघरों में मिलेगी 5जी सुविधा

रुद्रपुर, एजेंसी। डाक विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों को हाईटेक करने की कवायद की जा रही है। इसी क्रम में विभाग की दर्पण 2.0 योजना के तहत ग्रामीण डाकघरों से अपग्रेड कर 5जी सुविधा से जोड़ा जाएगा। इससे ग्रामीण डाकघरों में बेहतर ढंग से कार्य हो सकेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के डाकघर में लगे हैंड हेल्ड रूरल इन्फॉरमेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी (आरआईसीटी) उपकरणों को अपग्रेड किया जा रहा है। योजना के तहत आरआईसीटी उपकरणों को टैबलेट से जोड़ा जाएगा। अभी ग्रामीण डाकघरों के आरआईटी उपकरण 3जी नेटवर्क पर चलते हैं। आरआईसीटी मशीन से डाकघर में डाक जमा करना, बुक करने, डाक रिसीव करने के काम किए जाते हैं। छोटी स्क्रीन वाली आरआईसीटी मशीन में 3जी नेटवर्क से चलने के कारण कई बार यह हैंग हो जाती है। इससे संबंधित कार्यों में देरी होती है। सहायक पोस्ट मास्टर संदीप राणा ने बताया कि इस योजना के तहत ग्रामीण डाकघर 5जी से लैस होंगे। डाकघर के कर्मचारियों को बड़ी स्क्रीन में तेजी से काम करने में सुविधा होगी। डिजिटल एडवांसमेंट ऑफ रूरल पोस्ट ऑफिस फॉर न्यू इंडिया (दर्पण) योजना के तहत सभी ग्रामीण डाकघरों को तकनीकी सुविधा लेस करना है। इसके तहत सभी ग्रामीण डाकघरों को आरआईसीटी मशीन उपलब्ध कराई गई थी । दर्पण 2 0 के तहत आरआईसीटी मशीन को टैबलेट सुविधा से जोड़ा जाएगा, जिनका संचालन 5जी नेटवर्क से किया जाएगा।

नेपाल से प्रत्यर्पण संधि न होने का फायदा उठा रहे अपराधी

रुद्रपुर, एजेंसी। मित्र राष्ट्र नेपाल की खुली सीमाएं होने के बावजूद प्रत्यर्पण संधि न होने का फायदा अपराधी उठा रहे हैं। बढ़े अपराध करके बाद अथवा पुलिस से बचने के लिए कई अपराधी नेपाल को अपनी शरणस्थली बना रहे हैं। मुंबई में वर्ष 2011 में पत्रकार जे डे की हत्या में उम्रकैद का सजायाफ्ता कैदी हल्द्वानी निवासी दीपक सिसोदिया अपनी पैरोल से फरार होकर नेपाल में छुप गया था। तब से कई एजेंसियां उसकी तलाश कर रही थी। छोटा राजन गिरोह से जुड़े दीपक की गिरफ्तारी के लिए उत्तराखंड पुलिस पिछले एक साल से प्रयास कर रही थी, लेकिन नेपाल में छिपे होने के कारण उसकी गिरफ्तारी संभव नहीं हो पा रही थी। एसटीएफ के अधिकारियों का कहना था कि नेपाल की सीमा खुली हैं, लेकिन वर्दी में नेपाल जाकर अपराधी को पकड़ना नहीं है।

उन्होंने कहा कि नेपाल भले ही भारत का मित्र राष्ट्र है, लेकिन दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं हैं। इस कारण अपराधी के नेपाल में छिपे के बावजूद मित्र राष्ट्र अपराधी को भारत को नहीं सौंप सकता है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि वह नेपाल से चोरी-छिपे हल्द्वानी आता है। रविवार रात दीपक के चंपावत जिले के नेपाल सीमा से सटे बनबसा आने की सूचना मिलने पर रुद्रपुर एसटीएफ की टीम पहुंची थी। टीम ने बनबसा रेलवे स्टेशन के पास से धर दबोचा। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल के मुताबिक, दीपक को मुंबई की कोर्ट ने पत्रकार जे डे की हत्या शामिल होने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वह महाराष्ट्र की अमरावती सेंट्रल जेल में बंद था।

251 लोगों को थमाया बेदखली का नोटिस

पंतनगर/ शांतिपुरी, एजेंसी। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद नगला से गोल गेट और आनंदपुर मोड़ में सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण पर बेदखली की कार्रवाई शुरू हो गई है। पंतनगर विवि 33 और लोनिवि ने 218 लोगों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस थमाकर 30 दिन की मोहलत दी है।

नगला बाईपास से आनंदपुर मोड़ तक पंतनगर विवि, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, रेलवे और राजमार्ग की भूमि पर बसे लोगों के मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका विचाराधीन है। इसमें न्यायालय ने अब तक की गई कार्रवाई से अवगत कराते हुए 27 सितंबर को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए है। शनिवार को लोक निर्माण विभाग की टीम ने 43 लोगों को बेदखली नोटिस दिए थे।

सोमवार की सुबह पंतनगर विवि फार्म के सहायक सुरक्षाधिकारी मदन मेहरा, परिसंपत्ति अधिकारी आदि ने विवि की भूमि पर बसे 33 लोगों को नोटिस दिए। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग की ओर से भी 175 लोगों को नोटिस दिए गए। जो लोग मौके पर नहीं मिले, उनके भवन या दुकान पर नोटिस चस्पा कर दिए गए हैं। सहायक सुरक्षाधिकारी मदन मेहरा ने बताया कि लोगों को नोटिस देकर 30 दिन में जगह खाली करने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम बरी में सरकारी अभिलेखों में 40 एकड़ झील के नाम पर दर्ज जमीन पर कब्जा लेने की प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। सोमवार को राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने गांव में मुनादी और नोटिस चस्पा करवा दिए हैं। मंगलवार आज जमीन का कब्जा लिया जाएगा। एसडीएम कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि बरी गांव में 12.5 हेक्टेयर जमीन अभिलेखों में झील के नाम पर दर्ज है। इस जमीन पर कई लोगों का कब्जा है। बताया कि कब्जे को मुक्त करवाने की कार्रवाई में आज टीम ने गांव में मुनादी करवा दी है। मुनादी के अलावा गांव के विभिन्न स्थानों पर नाटिस चस्पा कर दिए हैं।

अवैध खनन रोकने के लिए जीपीएस सिस्टम का इस्तेमाल : डॉ रामानंद

बाढ प्रभावित पीड़ित परिवारों को उपलब्ध कराई गई सहायता राशि : शाहनवाज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ रामानंद यादव ने कहा कि अवैध खनन रोकने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में कई तरह के कार्य किए जा रहे हैं। मंगलवार को राजद प्रदेश कार्यालय में आयोजित सुनवाई कार्यक्रम के दौरान मीडिया से मुखातिब मंत्री डॉ रामानंद यादव ने कहा कि अक्टूबर से जब बालू उठाव का कार्य शुरू किया जायेगा तब बंदोबस्तीधारी को गाड़ी क्षमता के अनुसार औवर लोडिंग रोकने के लिए बालू माप-तौल मशीन से तौलकर दी जायेगी, इससे अवैध खनन रोकने की दिशा मे उठाया गया सरकार का मजबूत कदम है। साथ ही जीपीएस सिस्टम के माध्यम से बालू उठाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे कोईलवर पुल पर जाम की समस्या से निपटने मे सहायता मिल सके। इन्होंने कहा कि बिना चालान और ओवरलोडिंग की गाड़ी को पकड़े जाने पर 25 प्रतिशत फाईन तो होगा ही, साथ ही साथ एक महीने के अंदर इस प्रकार के वाहन की नीलामी भी होगी। जिस स्थान पर अवैध खनन और ओवर लोडिंग वाली गाड़ी पकड़ी जाएगी, वहां पदस्थापित खनन विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी को बिना कारण बताओ नोटिस दिये ही उन्हे निलंबित किया जायेगा। इसके लिए खनन विभाग की ओर से लगातार औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मंत्री ने यह भी बताया कि स्थानीय थाना और पुलिस पदाधिकारी की संलिप्तता होने पर खनन विभाग की ओर से उन पर कार्रवाई के लिए बिहार के डीजीपी को लिखा जाएगा। साथ ही जहां से भी शिकायतें मिलेंगी उसकी जांच करायी जायेगी। और जो भी इस मामले में दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी,क्योंकि सरकार किसी भी स्थिति या परिस्थिति में अवैध खनन को रोकने के प्रति गंभीर है। आपदा प्रबंधन मंत्री मो शाहनवाज आलम ने कहा कि सहरसा एवं सुपौल के बाढ प्रभावितों के बीच 38,500 करोड रुपए की सहायता राशि दी गई है। प्रति परिवार 7 हजार की दर से (जीआर)अनुग्रहिक राहत राशि लाभुको के खाते में ट्रांसफर की जा रही है। जबकि पहले सहायता राशि जीआर 6 हजार रुपये प्रति व्यक्ति दिया जाता था। मंत्री ने आगे बताया कि बाढ राहत शिविरों में आवासित प्रत्येक बाढ़ प्रभावित को वस्त्र और स्टील के बर्तन उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से 1 हजार प्रति व्यक्ति उपलब्ध कराई जा रही है। पहले यह राशि 600 प्रति व्यक्ति दिया जाता था। कहा कि बिहार में महागठबंधन सरकार बाढ़ प्रभावित पीड़ितों के बीच आपदा राशि और आपदा के प्रबंधन में मजबूती के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रतिवेदन मंत्री द्वय के समक्ष रखा जिसे सुनकर कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित विभाग और जिला के पदाधिकारियों को दी गई। इन्होंने आगे बताया कि अगले सप्ताह मंगलवार 26 सितंबर को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री ललित कुमार यादव एवं श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम सुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। इस अवसर पर राजद प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, प्रदेश महासचिव भाई अरुण, प्रमोद कुमार राम सहित डा उमेश यादव भी मंत्री द्वय के सुनवाई कार्यक्रम में शामिल रहे।

बुनियादी समस्याओं पर चर्चा करने से घबराती है भाजपा : जमा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बोलें- भाजपा का हकीकत जनता के सामने हुआ उजागर

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। मंगलवार को जनता दलयू मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करने के क्रम में मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय केवल जाति-धर्म की राजनीति में आम जनता को भटकाए रखना चाहती है। देश के प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि 9 वर्षों की कार्यकाल में उन्होंने अपने कितने चुनावी वादों को पूरा किया है। जनता से संबंधित बुनियादी समस्याओं पर भाजपा चर्चा करने से घबराती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का हकीकत अब जनता के सामने उजागर हो चुका है, हाल के दिनों में देशभर के विभिन्न हिस्सों में हुए उपचुनाव का परिणाम भाजपा मुक्त भारत बनने की ओर स्पष्ट इशारे कर रहा है। पत्रकारों द्वारा महिला आरक्षण बिल से संबंधित पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीयत पर पूरे देश को संदेह है। हालांकि सदन में बिल पेश होने के बाद ही इस विषय में विस्तृत रूप से कुछ भी कहना उचित होगा लेकिन यह निश्चित है कि मोदी सरकार हर निर्णय अपनी राजनीतिक स्वार्थ को ध्यान में रखकर लेती है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में जो काम किए हैं, वह सिर्फ देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में आज मिसाल के तौर पर देखे जाते हैं। हमारे नेता बगैर किसी राजनीतिक नफा-नुकसान तवज्जो देते हुए सिर्फ जनकल्याण के इरादे से हर काम को करते हैं और यही हमारे नेता की असली पहचान है। जनसुनवाई कार्यक्रम में विधानपार्षद संजय कुमार सिंह गांधी जी एवं प्रदेश महासचिव लोकप्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

बिहार में महिलाओं को मिले आरक्षण से प्रेरित है केंद्र का महिला आरक्षण बिल: राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद सरकार के महिला आरक्षण बिल को बिहार में बिहार में महिलाओं को मिले आरक्षण से प्रेरित बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा है कि महिला आरक्षण बिल लाकर केंद्र सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बिहार जो आज करता है, कल पूरा देश उसे अपनाता है। भले ही अपने राजनीतिक स्वार्थों के कारण केंद्र के नेता बिहार के खिलाफ दुष्प्रचार करते रहे, लेकिन अंदर से उन्हें भी पता है कि महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण के लिए बिहार सरकार द्वारा किये गये कार्य पूरे देश के सामने एक नजीर हैं। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ही थी जिसने 2005 में सत्ता संभालने के तुरंत बाद महिलाओं की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताते हुए 2006 में ही उन्हें पंचायत व नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार दे दिया था। बिहार उस समय ऐसा कदम उठाने वाला देश का पहला राज्य था। तब से लेकर आज तक बिहार सरकार ने महिलाओं की शिक्षा से लेकर रोजगार तक के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाये हैं जिन्होंने उनका जीवन बदल दिया है। यही वजह है कि आज बिहार की महिलाएं हर क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कारण ही बिहार देश का पहला राज्य बना जहां महिलाओं को सरकारी नौकरी में सशक्त हिस्सेदारी दिलाने के लिए 35 फीसदी का आरक्षण दिया गया। सरकार ने महिलाओं के लिए शिक्षा विभाग की नौकरियों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान भी किया है। वहीं सरकारी दफ्तरों में पोस्टिंग में भी महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसी के परिणाम स्वरूप आज राज्य में करीब 2 लाख से अधिक महिलाएं शिक्षक के रूप में काम कर रही हैं, वहीं 29,175 महिलाएं पुलिस विभाग में तैनात हैं। गौरतलब हो कि महिला पुलिस की यह संख्या देश के किसी भी राज्य से ज्यादा है। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिलाओं के जन्म से लेकर शिक्षा तक भी विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री बालिका साइकिल व पोशाक योजना लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में गेम चेंजर योजना साबित हुई। इससे स्कूलों में लड़कियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। आज स्कूल जाने वाली लड़कियों की संख्या लड़कों के बराबर हो चुकी है। लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बिहार में इंटरमीडिएट पास अविवाहित लड़कियों को 25 हजार रुपये और स्नातक पास लड़कियों को 50 हजार रुपये दिए जाने का प्रावधान किया है। इसके अलावा मेडिकल, इंजीनियरिंग और प्रस्तावित स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में नामांकन में 33 प्रतिशत सीट लड़कियों के लिए कर दिया गया है। ऐसा करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त सरकार महिलाओं की उद्यमिता को निखारने के लिए भी प्रयासरत है। सरकार की महिला उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये तक की मदद की जा रही है, जिसमें से पांच लाख अनुदान के रूप में मिलेगा और बाकी पांच लाख लोन होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त ग्रामीण महिलाओं को समाजिक तौर पर सशक्त करने के लिए चलायी जा रही जीविका योजना के तहत अभी तक कुल 10.45 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है, वहीं एक करोड़ 30 लाख परिवारों की महिलाओं को इन समूहों से जोड़ा जा चुका है।

चिराग ने संसद में महिला आरक्षण बिल पेश होने पर दी बधाई

पटना। लोक जनशक्ति अध्यक्ष चिराग पासवान पहले देश की तमाम देता हूं। लम्बे समय से लगा कर रखे हुए थे कि कब इस संसद में पारित पर ये विश्वास हमारे देश पर था। जितनी बार सदन तरफ से अपनी बातों को रखा जब जीवित थे। हर बार हम लोगों ने विभिन्न रिजर्वेशन बिल का जिक्र किया और मुझे खुशी है कि आज एक सशक्त रूप में नारी शक्ति वंदना के रूप में इस बिल को प्रस्तुत किया गया है। जरूर इस पर चर्चा हो पक्ष विपक्ष अपनी तरफ से तमाम बातों को रखें पर अंतोगत्वा उम्मीद करता हो के सर्व समिति से यह बिल पारित हो ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। इस आशा की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दिया। पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय ने कहा कि सबसे महिलाओं को बधाई हम लोगों इसकी उम्मीद महिलाओं का अधिकार होगा। लम्बा समय लगा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटल पर मैंने पार्टी के मेरे नेता रामविलास पासवान जी

आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया जाना ऐतिहासिक : मंगल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने नए संसद भवन के श्रीगणेश के प्रथम दिन एवं लोकसभा के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल पेश किए जाने पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। श्री पांडेय ने कहा कि ये दिन यादगार और ऐतिहासिक है। हर देश की विकास यात्रा में ऐसे आयाम आते हैं, जब हमें गर्व की अनुभूति होती है। ये विधेयक नारी सशक्तिकरण की दिशा में नई क्रांति लाएगी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने पीएम मोदी के नेतृत्व में लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। पीएम ने इस बिल को लाकर महिलाओं के प्रति आदर व सम्मान के साथ ही राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की है। मगर कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दलों का लोकसभा में हंगामा निंदनीय है। श्री पांडेय ने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर संसद में पहले भी प्रयास हुए हैं। जो सार्थक परिणाम में नहीं बदल पाए। मगर पीएम मोदी के प्रयासों से मुझे उम्मीद है कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिलेगा। जब यह बिल कानून बनेगा तो राष्ट्र की महिलाओं की ताकत और बढ़ जाएगी। मुझे पूर्ण आशा व विश्वास है कि यह विधेयक सबकी सहमति से पारित हो जाएगा। आज केंद्र की कुशल नीतियों की वजह से महिला हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में नीति निर्माण में भी महिलाओं की भूमिका होनी चाहिए। जो हमारे पीएम की दूरगामी सोच है। ये महिलाओं के लिए इतिहास बनाने का वक्त है। ऐसे मौकों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। श्री पांडेय ने कहा कि विधेयक को देशभर में व्यापक समर्थन मिल रहा है। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ये एक सार्थक पहल है। आज केंद्र की सरकार लड़कियों के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, भाग्यश्री योजना समेत कई महत्वपूर्ण योजनाएं उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित कर रही है।

महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल है बिहार : जदयू

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीख ले बीजेपी

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक राहुल शर्मा और प्रदेश प्रवक्ता डॉ भारती मेहता ने केंद्र सरकार की तरफ से संसद में महिला आरक्षण बिल पेश किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के मामले में बिहार पूरे देश में रोल मॉडल है और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को बिहार से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार को हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीख लेनी चाहिए थी और काफी पहले ही इस बिल को पेश किया जाना चाहिए था। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की नींद आज नौ सालों बाद खुली है, जबकि वहीं बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने शुरू से ही महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई ठोस काम किए हैं। उन्होंने कहा कि ये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोशिशों का ही फल है कि उनकी चलाई योजनों से राज्य में महिलाएं सशक्त हुईं और साल दर साल महिला वोटरों की तादाद विधानसभा के साथ साथ लोकसभा चुनाव में पुरुष मतदाताओं के मुकाबले बढ़ती गई। वहीं, उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की नौकरियों के साथ प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में नीतीश कुमार की सरकार ने महिलाओं को एक तिहाई तक आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि आज राज्य में महिलाओं को पुलिस में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। जहां बाद में पिछड़ी जातियों के महिलाओं के लिये आरक्षण जोड़कर 38 प्रतिशत कर दिया गया। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि आज महिला पुलिस बलों की 26 फीसदी से अधिक भागीदारी के साथ बिहार महिला पुलिस के मामले में देश में अव्वल है। जदयू प्रवक्ताओं ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोशिशों का ही परिणाम है कि आज गांव-गांव में महिलाएं जीविका की मदद से आर्थिक तौर पर सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आज बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जीविका राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके आर्थिक एवं सामाजिक विकास का नजीर बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आज इस परियोजना से करीब 1 करोड़ 30 लाख ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हुई हैं और स्वयं सहायता समूह बनाकर सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश में जहां आज जीविका की एक लाख ही स्वयं सहायता समूह हैं, वहीं बिहार में कुल 10 लाख 45 हजार स्वयं सहायता समूह काम कर रही है। दोनों पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा आज बीजेपी को महिला आरक्षण की याद आयी है जबकि साल 2014 के लोकसभा चुनाव में उसने महिला सशक्तिकरण से जुड़े चुनावी मेनिफेस्टो के 23 बिंदुओं में से महिला आरक्षण बिल को पहला स्थान दिया था। पार्टी प्रवक्ताओं ने बीजेपी से सवाल पूछते हुए कहा कि आज नौ सालों तक केंद्र सरकार इस बिल को दबाकर क्यों बैठी थी? उन्होंने कहा कि अब जबकि साल 2024 का लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, तब बीजेपी को महिला आरक्षण बिल की याद आयी है?

महिलाओं को आरक्षण देना सशक्त लोकतंत्र की पहचान : रणबीर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोकसभा में केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पेश किए जाने पर पूर्व विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन ने केंद्र सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि जिस देश में महिलाओं का विकास सीमित हो, वहां का लोकतंत्र सशक्त हो ही नहीं सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जिन्होंने संसद में महिला आरक्षण को मूर्त रूप दिया है। यह एक क्रांतिकारी कदम होगा, जो भारतीय लोकतंत्र के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। डॉ. नंदन ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने की व्यवस्था पहले ही हो जानी चाहिए थी लेकिन इसमें कई लोग और नेता बाधक रहे हैं। लेकिन माननीय नीतीश कुमार जी नें हमेशा से इस बिल का समर्थन किया है। हमारे नेता मान्यवर नीतीश कुमार जी ने संसद में महिला आरक्षण को हमेशा अपना समर्थन दिया है। यही नहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास में निकायों में 50 फीसदी महिला आरक्षण देने के साथ सरकारी नौकरियों में भी महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि यह एक और बेहतरीन उदाहरण है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे नेता नीतीश कुमार के विचार एक ही तराजू में हैं। दोनों की सोच इस बात को लेकर स्पष्ट है कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के हर तबके में समानता होनी चाहिए। लैंगिक अनुपात भी एकदम बराबर होना चाहिए क्योंकि आधी आबादी को पीछे छोड़ हम कभी आगे बढ़ ही नहीं सकते। मेरा तो यह निजी व स्पष्ट मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे नेता नीतीश कुमार अगर एक साथ हों तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने में अधिक देर लग ही नहीं सकता। डॉ. नंदन ने कहा कि निश्चित तौर पर लोकसभा में जो नारी शक्ति वंदन अधिनियम पेश गया है, उस पर विस्तृत चर्चा होगी और सभी उसे सर्वसम्मति से पारित करेंगे। जो जानकारियां मिल रही हैं, उसके अनुरुप लोकसभा में अभी महिला सांसदों की संख्या 82 है, जो नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के बाद 181 हो जाएगी। इससे एक बड़ा बदलाव आएगा।

श्री दादीजी सेवा समिति का स्थापना दिवस एवं गणेश पूजन धूम धाम से मना

पटना। बैंक रोड स्थित श्री दादीजी मंदिर में मंगलवार को श्री दादीजी सेवा समिति का 34 वां स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर दादीजी मंदिर को खूब अच्छी तरह देशी विदेशी फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर गणेशजी की पूजन की गयी तथा 108 किलो लड्डू का भोग चढ़ाया गया। मुख्य यजमान के रूप में अमर अग्रवाल एवं शकुन्तला अग्रवाल ने पूजा अर्चना की। मौके पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिलायें एवं पुरुषों ने गणेश वंदना की। भक्तजन भक्ति में नाचते झूमते गा रहे थे। गजानन कर दो बेड़ा पार, आज हम तुम्हे मनाते हैं ! तुम्हे मनाते हैं गजानन तुम्हे मनाते हैं !! जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ! माता जाकी पार्वती पिता महादेवा !! गाईये गणपति जग वंदन शंकर सुमन भवानी के नंदन। मौके पर दादीजी सेवा समिति के मुख्य संस्थापक अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि 34 वर्ष पूर्व 1989 में दादीजी सेवा समिति की स्थापना एक बहुत ही छोटे रूप में की गयी थी जो भक्तों के सहयोग से आज वट वृक्ष की तरह बढ़ गया है और समाज में सेवा का कार्य कर रहा है। मौके पर महिला समिति की शकुंतला अग्रवाल, सरिता बंका , सरिता चौधरी, सरोज बंका, प्रेम लता गोयल, पूनम मोर, खुशबू बंका, इन्दिरा खंडेलवाल आदि ने मुख्य रूप से भजन संध्या में भाग लिया। एम पी जैन ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में अक्षय अग्रवाल, सूर्य नारायण, रमेश मोदी, रौशन सर्राफ, दिगम्बर अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, नरेन्द्र शर्मा, शंकर शर्मा, रमेश अग्रवाल, सहित अन्य लोग लगे हुए थे।

बारहवें दिन भी एएनएम का हड़ताल जारी

पटना। संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा के संयोजिका अर्चना कुमारी ने कहा कि गर्दनीबाग मे अनिश्चित कालीन हड़ताल मे शामिल होने के लिए बिहार के विभिन्न जिलों से सैकड़ो एएनएम पटना पहुंची और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की । अनिश्चितकालीन हड़ताल का मुख्य केंद्र गर्दनीबाग, पटना में महासंघ (गोप गुट) के सम्मानित अध्यक्ष रामबली प्रसाद, पीएमसीएच कर्मचारी यूनियन के महासचिव कृष्णनंदन सिंह सहित अन्य कई संघ - महासंघ के नेताओं ने हड़ताली एएनएम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2018 में एएनएम नियमावली गठित होने के पश्चात हजारों नियुक्तियां हुई है तथा उसी नियमावली के अनुसार वर्ष 2022 में विज्ञापन संख्या 7 / 2022 बिहार तकनीकी चयन आयोग के माध्यम से 10709 पदों पर अठट की वैकेंसी निकाली गई और उस आवेदन का स्क्रूटनी भी की गयी तथा अभ्यर्थियों से सूची प्रकाशित कर आपत्ति भी मांगे गए । लेकिन अचानक राज्य सरकार द्वारा मई 2023 में वर्ष 2018 से गठित पूर्व की नियमावली को रद्द कर नई नियमावली

फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़े जाने के खिलाफ 21 को महाधरना

समाहरणालय में ही धरना पर बैठ गए माले विधायक दल के नेता

पटना। पटना शहर के फुटपाथ दुकानदारों पर लगातार चल रहे बुलडोजर के खिलाफ आज भाकपा-माले विधायक दल के नेता का. महबूब आलम के आवास पर एक बड़ी बैठक हुई। बैठक में सैकड़ो की तादाद में फुटपाथ दुकानदार जुटे और फिर वहां से पटना के डीएम से मुलाकात करने पहुंचे। डीएम की अनुपस्थिति के कारण महबूब आलम समाहरणालय में ही धरना पर बैठ गए। बाद में एडीएम के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया। माले विधायक दल के नेता महबूब आलम ने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों की सुरक्षा व उनके लिए स्थायी वेंडिंग जोन बनाने का कानून इस देश में बना हुआ है। 2014 में केंद्र की सरकार और 2017 में राज्य सरकार ने ऐसा ही कानून बनाया था, लेकिन फुटपाथ दुकानदारों के लिए वेडिंग जोन बनाने की बात छोड़ ही दी जाए, उलटे प्रशासन का डंडा हमेशा चलता रहता है। यह कहां से न्यायोचित है। स्मार्ट सिटी और सौंदर्यीकरण के नाम पर गरीबों की रोजी-रोटी पर यह हमला हमें मंजूर नहीं है। पुलिस आती है और बिना किसी पूर्व सूचना के फुटपाथ दुकानदारों का सामान तहस-नहस कर देती है। स्टेशन रोड की बात हो या फिर वीरचंद पटेल पथ की, हर जगह की स्थिति एक सी है। उन्होंने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों की सुरक्षा व उनके लिए स्थायी वेंडिंग जोन के निर्माण के सवाल पर आगामी 21 सितंबर को पटना में विशाल धरना दिया जाएगा। यह धरना जीपीओ गोलबंर पर होगा। मांगें पूरी होने तक धारावाहिक आंदोलन चलता रहेगा। बैठक में महबूब आलम के अलावा पार्टी के नगर सचिव अभ्युदय, ऐक्टू नेता रणविजय कुमार, जितेन्द्र कुमार, शहजादे आलम, मुर्तजा अली, विनय कुमार, मो. सुहैल, चंद्रकला देवी, शकील समस्तीपुरी, माहताब, अकबर समेत सैकड़ों फुटपाथ दुकानदार उपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता मो. शहाबुद्दीन ने की।

महिला आरक्षण का संकल्प प्रधानमंत्री ने पूरा किया : नित्यानंद

पटना। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा संसद में पेश महिला आरक्षण बिल को ऐतिहासिक बताया है। कहा कि देश के नए संसद भवन में सदन की कार्रवाई के पहले दिन महिला आरक्षण से जुड़ा ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनयम विधेयक लोकसभा में सरकार द्वारा पेश किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल का भारत एक नए पड़ाव की तरफ बढ़ चुका है। इस विधेयक के सदन से पारित होने के बाद महिला सशक्तीकरण और प्रतिनिधित्व से जुड़े दशकों से लंबित विषय का समाधान होगा। इससे लोकसभा तथा दिल्ली समेत राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण संभव होगा। इसमें एससी-एसटी कोटे के अंतर्गत भी 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के साथी दलों की नीयत कभी साफ नहीं रही। उनके लिए यह मात्र चुनावी वोटबैंक का साधन मात्र रही। उन्होंने इसे दशकों तक अटकाए रखा। जब-जब यह विधेयक सदन में आया राष्ट्रीय जनता दल, जेडीयू, एनसीपी तथा सपा जैसे दलों ने खुलकर इसका विरोध किया। लालू प्रसाद यादव और सपा के नेता महिला आरक्षण के बिल के खिलाफ जहर उगलते थे। लालू यादव ने तो महिला आरक्षण बिल को गंभीर खतरा और राजनीतिक भूल ही बता दिया था। वहीं नीतीश कुमार जी की पार्टी की सोच ये थी कि छोटे बाल वाली महिलाएं विधायिका पर हावी हो जाएंगी। ऐसी विकृत मानसिकता से भरी हुई राजद-जदयू जैसी महिला विरोधी पार्टियां कभी भी नारी उत्थान नहीं कर सकती हैं। दशकों से महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने वाले कांग्रेस सहित तमाम घमंडिया दल अब ये झूठ फैलाने में जुट गए हैं कि ह्लयह बिल हमारा है।ह्व जबकि, बिल तो अभी आया भी नहीं था। लेकिन, इस घमंडिया गठबंधन के शरद पवार की एनसीपी से लेकर समाजवादी पार्टी तक, सभी ने खुलकर महिला आरक्षण और महिलाओं के सामाजिक विकास का सर्वदा ही जमकर विरोध किया है। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं सामाजिक, राजनीतिक सशक्तिकरण से जुड़े इस बिल को लेकर आई है तो घमंडिया गठबंधन झूठा श्रेय लेने निकल पड़ा है। आज पूरे देश ने देखा कि अगर इंडी एलायंस को महिला आरक्षण बिल से खुशी होती तो जब बिल सदन में पेश किया गया, वे इसका स्वागत करते। लेकिन विपक्ष ने बिल का जिक्र आते ही हंगामा शुरू कर दिया। देश की आधी आबादी के प्रति दोयम दर्जे की सोच रखने वाला घमंडिया गठबंधन अब अपने को महिलाओं का हितैषी दिखाने का ढोंग कर रहा है। सच्चाई तो ये है कि 1998 में अटल बिहारी वाजपेई जी की एनडीए सरकार ने महिला आरक्षण बिल पेश किया था और उस समय इन घमंडिया दलों ने इसका कड़ा विरोध किया था। लेकिन, हमेशा की तरह आज भी कांग्रेस सरीखे दलों की हमेशा खुद की झूठी तारीफ और पीठ थपथपाने की आदत गई नहीं है। जबकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में मोदी सरकार ने नारी शक्ति के सपनों को नई उड़ान दी है और महिला आरक्षण विधेयक भी उसी दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होने जा रहा है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में इस ऐतिहासिक कदम का स्वागत और माननीय प्रधानमंत्री जी का इस निर्णय के लिए बार-बार अभिनंदन।

मोदी सरकार ने पिछड़ा विरोधी चरित्र उजागर किया : शिवानंद

पटना। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। कहा कि महिला आरक्षण के भीतर पिछड़ी जाति की महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं करके मोदी सरकार ने अपना पिछड़ा विरोधी चरित्र ही उजागर किया है। श्री तिवारी ने आगे कहा कि राष्ट्रीय जनता दल ने कभी महिला आरक्षण का विरोध नहीं किया है। कहा कि हम हमेशा सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी का समर्थक रहे हैं। इस मामले में हमारा रुख शुरू से ही एक रहा है। हम सिर्फ.महिलाओं के आरक्षण के भीतर पिछड़ी जाति के महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते हैं। इसके पूर्व भी जब महिलाओं के आरक्षण का मामला आया है हमने इसी संशोधन के साथ उसके समर्थन का एलान किया है। लेकिन जब हम लोक सभा के चुनाव में जाने वाले हैं उस समय अचानक संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण के बिल को पेश करने का मकसद क्या है ! वह भी जब इस आरक्षण को अभी लागू नहीं किया जा सकता है ! ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री जी अचानक महिलाओं के मामले में संवेदनशील हो गये हैं। अभी हाल में हमने महिला पहलवानों के मामले में मोदी सरकार की संवेदनहीनता को देखा है। दरअसल यह विपक्षी एकता इंडिया के गठन की वजह से बेचैनी है। इसलिए संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण के सहारे मोदी जी लोकसभा चुनाव की वैतरणी पार करना चाहते हैं।

महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने से कौन रोक रहा है? : माले

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा माले ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि मोदी सरकार चाहती है कि हम मान लें कि वह महिला आरक्षण लागू करने के प्रति इतनी गंभीर है कि इस के लिए उसने संसद का विशेष सत्र बुलाया है। लेकिन जो बिल लाया गया है उससे सरकार की नीयत का खुलासा हो गया है, यह बिल जनगणना पूरी होने और उसके बाद डिलिमिटेशन की प्रक्रिया चलाने के बाद ही लागू होगा. इसे तत्काल लागू करने से हमें कौन रोक रहा है? मोदी सरकार भारत के इतिहास की एकमात्र ऐसी सरकार है जो दस साल बाद होने वाली जनगणना को करने में फेल हुई है। कोविड के बावजूद दुनिया में इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित देशों ने - चीन, अमेरिका और ब्रिटेन समेत - अपने यहां जनगणना का कार्य पूरा कर लिया है, बस मोदी के राज में भारत

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 20 सितंबर, 2023

1968 के शहीद सरकारी कर्मचारियों की याद में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कन्वेंशन किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

19 सितम्बर 1968 आंदोलन के शहीद सरकारी कर्मचारियों की याद में व अपने आन्दोलन को आगे बढ़ाने के लिए जॉइंट प्लेटफार्म का एक्शन नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस दिल्ली की तरफ से कलावती सरन चिल्ड्रन अस्पताल में अध्यक्ष मंडल नरेश त्यागी एस एस नेगी (विजय कुमार अध्यक्ष), देवेंद्र सिंह अध्यक्ष, विपत्तिराम, रणधीर राणा, सुशील कुमार, दिनेश कुमार, सुजाता मखीजा, प्रखर मिश्रा विक्रम उमरवाल, राजीव लोचन, शकुंतला, उमेश कुमार, बलदेव सिंह, तथा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हरीश त्यागी के मार्गदर्शन में कर्मचारी कन्वेंशन किया गया। इसमें दिल्ली व केंद्र सरकार के हस्पतालों की लगभग 15 यूनियनों ने शहीद कर्मचारियों व उनके बलिदान को याद करते हुए। 8वें वेतन आयोग को गठित करने, सरकारी अस्पतालों/संस्थानों का निजीकरण और निगमीकरण तथा ठेके पर कर्मचारियों की बड़ी संख्या भर्ती, चार लेबर कोड खत्म करने और लागू करने सहित 10 सूत्री मांग पत्र पर कर्मचारी के संघर्ष व बलिदान को सभी के सामने रखा। उन्होंने कहा 19 सितंबर को देशभर के सरकारी कर्मचारियों को अपनी 8 सूत्री मांगों को लेकर एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर जाना पड़ा था। देश के कई भागों में आंदोलनकारी सरकारी कर्मचारियों पर लाठी-गोली चलाई गई जिसमें सैकड़ों घायल और 10 कर्मचारी शहीद हो गए थे। दिल्ली में भी आई पी भवन पर पुलिस की गोलाबारी से 2 कर्मचारी शहीद हुए थे। ध्यान रहे ये संघर्ष आज भी उन्ही मांगो से सीख लेकर/हर वर्ष इस दिवस को मनाता रहा है। कर्मचारी कन्वेंशन को संबोधित करते हुए सरकारी कर्मचारी संगठनों के महासंघ के कायकारी अध्यक्ष एस एस नेगी ने कहा की 1968 का सरकारी कर्मचारियों का यह आंदोलन हमें आज भी न केवल प्रेरणा देता है बल्कि इससे बहुत कुछ सीख देता है। अभी सरकारी कर्मचारियों के ऊपर सरकार की तरफ से बहुत बड़ा हमला किया जा रहा है। सरकारी क्षेत्र को संकुचित किया जा रहा है। कर्मचारियों के अधिकार छीने जा रहे हैं, जैसेकि पेंशन का हक छीना गया। अब रोजगारों पर भी बहुत बड़ा हमला किया जा रहा है, कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारिओ को पक्का करने की प्रक्रिया को लागू करना चाहते ही नहीं है बल्कि उनकी नौकरी ही खत्म करने वाले नियम को लागू करने जा रहे है। 29 श्रमिक कानूनों को बदल कर 4 लेबर कोड को लागु किया जा रहा हैं इनके लागू होने से कर्मचारियों को कोई श्रम कानून का संरक्षण नही मिलेग। कर्मचारी की स्थिति बंधवा मजदूर से भी बदतर हालत में होगी। अभी हमे इसके खिलाफ मिल कर आंदोलन करने की जरुरत है। कर्मचारी कन्वेंशन में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हरीश त्यागी ने पारित प्रस्ताव पर स्वास्थ्य कर्मचारियों को संबोधित किया। और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों और लागू करने और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी पक्के (नियमित) करने तथा 8वे वेतन आयोग को गठित करने के साथ 10सूत्री मांगो पर अक्टूबर, नवम्बर, दिसंबर समय समय पर प्रोग्राम लिए जायेंगे। कर्मचारी कन्वेंशन में भारत वीर महासचिव द्वारा मंच संचालित किया और पारित सभी प्रस्ताव का सभी साथियों ने समर्थन किया व अन्य उपस्थित नेता कलावती अस्पताल से चन्दरपाल, बिसंबर दयाल अमर रावत रेलवे यूनियन, एम.सी.डी/बालेश, कॉन्ट्रक्चुअल हैल्थ एंप्लाइज यूनियन

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दिल्ली पुलिसकर्मी की मौत, एक अन्य घायल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात 54 वर्षीय दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतक की पहचान गंगासरन के रूप में हुई है और वह घटना के समय पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर था। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम को पुलिस कर्मियों के एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर, पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान पाया गया कि सब-इंस्पेक्ट (एसआई) गंगासरन और असिस्टेंट सब-इंस्पेक्ट (एएसआई) अजय तोमर (ड्राइवर) इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ईआरवी) जिप्सी में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे।

अधिकारी ने कहा, सुबह करीब 5:30 बजे, उन्होंने रुटीन चेक के लिए एनएच 9 पर एक बोलेरो पिकअप को रोका। एसआई गंगासरन जिप्सी से बाहर निकल गए, जबकि एएसआई तोमर जिप्सी के अंदर ही रहे और वे बोलेरो पिकअप की जांच करने के लिए आगे बढ़े। बोलेरो का ड्राइवर राम गोपाल भी इंस्पेक्शन के लिए अपनी कार से बाहर निकला। अचानक गाजियाबाद से सराय काले खां की ओर आ रही तेज रफ्तार होंडा अमेज कार ने दिल्ली के नांगलोई के चंचल पार्क निवासी गंगासरन और रामगोपाल को पीछे से टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा, एएसआई तोमर ने गंगासरन और रामगोपाल दोनों को एलबीएस अस्पताल पहुंचाया। दुर्भाग्य से, इलाज के दौरान गंगासरन की मौत हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी और पांच बच्चे हैं। अधिकारी ने कहा, बोलेरो चालक रामगोपाल को सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

अधिकारी ने कहा, क्राइम टीम ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और पांडव नगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 279, 337, 304 ए के तहत मामला दर्ज किया।

दक्षिणी दिल्ली में एक व्यक्ति ने घर में खुद को मारी गोली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दक्षिणी दिल्ली में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने आवास पर खुद को गोली मार ली। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान बी-ब्लॉक, संगम विहार निवासी और मध्य प्रदेश के भिंड के मूल निवासी राजेश तोमर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात 01:23 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल आई कि एक शख्स ने खुद को गोली मार ली है। पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पहुंचने पर, उन्हें तोमर का शव मिला जिसके सिर पर गोली का घाव था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने तीन जिंदा कारतूस वाली एक देशी पिस्तौल के साथ एक खाली कारतूस बरामद किया। पूछताछ पर पता चला कि मृतक छह वर्षों से इस पते पर अपने साथी और उसके तीन बच्चों के साथ रह रहा था। अधिकारी ने कहा, केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है, लेकिन इस चरम कदम के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली में अज्ञात हमलावरों ने की दुकान पर फायरिंग

नई दिल्ली। उत्तरपूर्वी दिल्ली में तीन अज्ञात व्यक्तियों ने एक दुकान पर कई राउंड गोलियां चलाईं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात 9:53 बजे न्यू उस्मानपुर थाने में पुलिस कंट्रोल रूम को ब्रह्मपुरी, न्यू उस्मानपुर में मुख्य सड़क पर एक दुकान पर फायरिंग की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि रात करीब 09:45 बजे तीन युवक मोटरसाइकिल पर आए। दो लड़के उतरे और उनमें से एक ने तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय टिर्की ने कहा, दुकान पर दो गोलियां चलाई गईं और एक हवा में चलाई गई। दुकान खुली थी लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। दुकान के बाहर लगे शीशे को निशाना बनाकर गोलियां चलाई गईं। डीसीपी ने कहा, दुकान के मालिक और कर्मचारियों की जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान करने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया जा रहा है और घटना के पीछे के कारण का पता लगाया जा रहा है।

मामले की स्थिति जांचने के लिए आरोपियों के आवेदन को अभियोजन पक्ष ने बताया निरर्थक

नई दिल्ली। 2020 से जुड़े दिल्ली दंगों के पीछे कथित साजिश से संबंधित एक मामले में जांच की स्थिति जानने के लिए दायर आरोपियों के आवदेन को अभियोजन पक्ष ने तुच्छ और अनुमानपूर्ण करार दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत आरोपी देवांगना कलिता, नताशा नरवाल, आसिफ तन्हा, मीरान हैदर और अतहर खान द्वारा दायर आदेन पर सुनवाई कर रहे थे। किसी भी प्रावधान का खुलासा करने में रहा विफल विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक आवदेन कानून में किसी भी प्रावधान का खुलासा करने में विफल रहा है, जो उनकी प्राथनाओं की अनुमति दे सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदन एकदम से बेकार थे, क्योंकि वे आपराधिक प्रक्रिया संहिता के दायर से बाहर थे।

जांच स्थिति के बारे में मीरान हैदर ने पुलिस से ली जानकारी अभियुक्तों द्वारा आवेदनों में उद्धृत निर्णयों पर विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि कोई निर्णय इस तरह से आवेदन पर विचार करने की शक्ति नहीं देता है, न ही सीआरपीसी से परे जाने की कोई शक्ति देता है। इससे पहले सोमवार को दायर अपने आवेदन में मीरान हैदर ने दिल्ली पुलिस से जानना चाहा था कि क्या मामले में जांच पूरी हो गई है, जबकि खान ने जांच पूरी होने तक आरोपों पर बहस टालने या स्थगित करने की मांग की थी।

नोएडा में मेट्रो के आगे कूदी लड़की, दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल रेफर

नोएडा के कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र में सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर आज दोपहर दिल्ली जाने वाली मेट्रो के सामने एक लड़की कूद गयी।

जानकारी के मुताबिक, लड़की को घायल अवस्था में इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया था, जहां से उसको सफदरगंज अस्पताल, दिल्ली रेफर कर दिया गया है। घायल युवती के स्वजन मौके पर मौजूद है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की जांच कर युवती के आत्महत्या करने के प्रयास की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि लड़की बरौला की रहने वाली है।

सेक्टर 52 मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदा युवक, मौके पर हुई मौत, 15 दिन में तीसरी घटना से मचा हड़कंप

मिनी बस की टक्कर से ट्रक चालक की मौत उधर, कोतवाली फेज-तीन क्षेत्र में एक मिनी बस चालक ने पैदल जा रहे ट्रक चालक को टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुलंदशहर के राकेश कुमार ने बताया कि भाई राजकुमार ट्रक चलाते थे। रविवार रात करीब सवा 11 बजे ट्रांसपोर्ट कंपनी में गाड़ी चलाने के लिए पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात मिनी बस के चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। अत्यंत गंभीर हालत में राजकुमार को उपचार के लिए सेक्टर-71 स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर सोमवार दोपहर डेढ़ बजे के करीब उनकी मौत हो गई।

नोएडा में मेट्रो ट्रेन के आगे कूदी युवती, एक हाथ कटा

नोएडा। नोएडा में एक युवती ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना नोएडा के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन में मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। इस घटना में युवती का एक हाथ कट गया। उसे सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे दिल्ली के एक हायर सेंटर में रेफर किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आसपास जानकारी मिली कि एक युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर मेट्रो के आगे कूद गई है। युवती की पहचान अनीता (19) के रूप में हुई है। युवती बरौला की रहने वाली बताई जा रही है। युवती के पास से मिले सामान की तलाशी ली गई है जिसमें सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती के पिता परमानंद प्राइवेट जॉब करते हैं। युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर कूदी। जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के जवानों ने युवती को ट्रैक से हटाया। लोकल पुलिस को सूचना दी और युवती को जिला अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान ट्रेन से टकराने की वजह से युवती का एक हाथ कट गया। इसके बाद मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया। करीब 10 से 15 मिनट तक मेट्रो सेवा बाधित रही।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी के 24वीं मंजिल से गिरकर 12वीं के छात्र की मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा की हाई राइज सोसाइटी के 24वें फ्लोर से गिरकर एक 12वीं के छात्र की मौत हो गई। यह मामला हादसा है या सुसाइड इन दोनों एंगल पर फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, छात्र के पिता आईएमटी दुबई में प्रोफेसर हैं, जबकि मां वकील हैं। घटना बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सौंदर्यम सोसाइटी में हुई। मृतक छात्र की उम्र 17 साल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बिसरख थाना इलाके में मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे गौर सौंदर्यम हाउसिंग सोसायटी के सुपरवाइजर ने सूचना दी कि सोसाइटी में एक किशोर 24वीं मंजिल से गिर गया है और उसकी मौत हो गई है।

सूचना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। परिजनों से बातचीत करने पर पता चला कि मृतक का नाम प्रणव था। वह गाजियाबाद के जयपुरिया स्कूल में कक्षा-12 में पढ़ाई कर रहा था। यहां वह अपनी मां और बहन के साथ रह रहा था। पिता डॉ. अमन श्रीवास्तव आईएमटी दुबई में प्रोफेसर हैं। मां दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट में एडवोकेट हैं। बहन बीटेक की छात्रा है। ये लोग मूल रूप से गोरखपुर के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, प्रणव के परिवार के लोगों ने बताया कि वो अपने दोस्तों से मिलने के लिए अक्सर देर रात को घर वालों को बिना बताए चोरी छिपे जाया करता था। जिसके लिए वह बालकनी का इस्तेमाल करता था। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि रात वह अपने दोस्तों से मिलकर बालकनी के रास्ते ही वापस आ रहा होगा तभी उसका पैर फिसल गया होगा और वो 24वीं मंजिल से नीचे आ गिरा।हालांकि इसके लिए भी सोसाइटी के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं ताकि छात्र की मौत से पर्दा उठ सके। बिसरख थाना प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि 17 वर्षीय लड़के प्रणव की सोसाइटी की 24वीं मंजिल से गिरने से मौत हुई है। अभी तक परिजनों की तरफ से कोई भी शिकायत नहीं मिली है। अगर शिकायत मिलती है तो उसके हिसाब से भी कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली और छठ पर घर जाने वाले परेशान, ट्रेनों में नहीं मिल रहा कंफर्म टिकट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दशहरा, दीपावली और छठ पर घर जाने वालों को किसी भी ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। पूर्व दिशा की तरफ जाने वाली ट्रेनों में अधिक भीड़ है। इस दिशा लगभग सभी ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची है। इस स्थिति में त्योहार विशेष ट्रेनें ही एक मात्र सहारा है। उम्मीद है जल्द रेलवे विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा करेगा। दशहरा के समय दिल्ली से कोलकाता व रांची जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में जगह नहीं है। 14 से 19 अक्टूबर तक रांची राजधानी, रांची सुपरफास्ट व झारखंड एक्सप्रेस वातानुकूलित (एसी) श्रेणी में कुछ सीटें बची हुई हैं, लेकिन 20 अक्टूबर के बाद किसी ट्रेन में जगह नहीं है। स्लीपर क्लास में तो 10 अक्टूबर के बाद ही अधिकांश ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची है। यात्रीगण ध्यान दें! अगरतला तेजस राजधानी के मार्ग में हुआ बदलाव; नए रूट पर इस तारीख से चलेगी ट्रेन संसद सत्र जारी रहने तक समय से संचालित की जाएं ट्रेनें, रेलवे बोर्ड ने अधिकारियों को दिए निर्देश

बिहार जाने वाले ध्यान दें

दीपावली व छठ के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को ज्यादा परेशानी है। पटना जाने वाली किसी भी ट्रेन में 10 नवंबर से 18 नवंबर तक जगह नहीं है। राजधानी हो या मेल एक्सप्रेस सभी में यात्रियों को प्रतीक्षा सूची का टिकट लेना पड़ रहा है। नवंबर के पहले सप्ताह में अगरतला तेजस राजधानी, मगध एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस में एसी श्रेणी में कुछ सीटें खाली हैं, लेकिन उसके बाद इन ट्रेनों में भी कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। यही हाल मुजफ्फरपुर, भागलपुर सहित बिहार के अन्य शहरों में जाने वाली ट्रेनों का है। दीपावली के दिन भी इस दिशा की ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची है।

जल्द विशेष ट्रेनें चलाने की होगी घोषणा

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अलग-अलग रूट की ट्रेनों में भीड़ की समीक्षा की जा रही है। इसके अनुसार जल्द त्योहार विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की जाएगी। दीपावली व छठ के समय यात्रियों की ज्यादा भीड़ होती है। उसे ध्यान में रखकर ज्यादा संख्या में विशेष ट्रेनें चलाने के साथ ही रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त व्यवस्था की जाती है।

दक्षिणी दिल्ली में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दक्षिणी दिल्ली में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी दी। उसने बताया की आत्महत्या का कारण तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के भिंड जिले के मूल निवासी राजेश तोमर (40) के रूप में हुई और वह वर्तमान में संगम विहार के बी-ब्लॉक में रह रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को करीब एक बजकर 23 मिनट पर पुलिस को फोन पर सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली है।

अधिकारी के अनुसार, घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम को व्यक्ति का खून से लथपथ शव मिला, जिसके सिर पर गोली लगी थी। मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया और उसने वहां से एक तमंचा, खाली कारतूस सहित तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, तोमर पिछले छह साल से इस इलाके में अपनी लिव-इन पार्टनर और उसके तीन बच्चों के साथ रह रहा था।

पुलिस ने कहा, सीआरपीसी (दंड प्रक्रिया संहिता) की धारा 174 के तहत जांच जारी है और तिगरी पुलिस थाने में शस्त्र अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पांडव नगर में तेज रफ्तार कार ने पुलिसकर्मी को कुचला, मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में एक तेज रफ्तार कार ने मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस के एक 54 वर्षीय उपनिरीक्षक को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक पिक-अप वाहन का चालक भी उक्त कार की चपेट में आ गया और उसे गंभीर अव स्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन पर सूचना मिली कि एक पुलिसकर्मी सड़क हादसे का शिकार हो गया है। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक गंगाशरण और सहायक उपनिरीक्षक अजय तोमर एक जिप्सी से गश्त लगा रहे थे। जिप्सी तोमर चला रहे थे। अधिकारी के अनुसार, सुबह साढ़े पांच बजे के आसपास दोनों ने एक पिक-अप वाहन को जांच के लिए रोका, जिसके बाद गंगाशरण जिप्सी से, जबकि पिक-अप वाहन का चालक रामगोपाल अपने वाहन से बाहर आए। अधिकारी के मुताबिक, गंगाशरण और रामगोपाल सड़क पर खड़े थे, तभी गाजियाबाद की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक तोमर पिक-अप वाहन के चालक के सहायक राजकुमार की मदद से गंगाशरण और रामगोपाल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले गए, जहां गंगाशरण ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी के अनुसार, गंगाशरण के परिवार में उनकी पत्नी और पांच बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि बाहरी दिल्ली के नांगलोई में रहने वाले रामगोपाल को आगे के उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

आप नेता आतिशी ने भाजपा के महिला बेवकूफ बनाओ बिल का पर्दाफाश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

2024 के चुनाव से पहले महिला वोट के लिए भाजपा महिलाओं के लिए आरक्षण का जुमला लेकर आई है। भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर एक ऐसा बिल लेकर आई है जो 2027-28 से पहले लागू ही नहीं हो सकता। भाजपा के इस जुमले की पोल खोलते हर आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने इसे महिला बेवकूफ बनाओ बिल करार दिया। इस बाबत प्रेस-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साझा करते हुए आतिशी ने कहा कि, महिला आरक्षण के नाम पर मोदी जी और भाजपा 2024 के चुनाव से पहले महिला बेवकूफ बनाओ बिल लेकर आ रही है। बिल के प्रावधानों के अनुसार पहले जनगणना और फिर परिसीमन के बाद ही लागू होगा आरक्षण यानि कि 2024 के चुनाव में महिलाओं को नहीं मिलने वाला आरक्षण। ऐसे में भाजपा जिस महिला आरक्षण बिल का ढिंढोरा पीट रही है, 2027-28 से पहले उसका क्रियान्वयन नहीं होने वाला है। बिल के प्रावधानों से साफ है कि 2024 के चुनाव से पहले वोट माँगने के लिए भाजपा देश की महिलाओं को बेबकूफ बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि, अगर मोदी जी की नियत साफ है तो 2024 के चुनाव में ही महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं देते है, जनगणना और परिसीमन का इंतजार क्यों कर रहे है। यदि मोदी जी को महिलाओं की फि क्र है तो 2024 चुनाव में लोकसभा की 543 सीटों पर लागू हो बिल अन्यथा महिलाओं को बेवकूफ न बनाए। उन्होंने कहा कि, मोदी जी को महिलाओं की बेहतरी को लेकर कोई चिंता नहीं है। भाजपा बृजभूषण वाली, महिला विरोधी पार्टी है और देश की महिलाएँ इनके जुमले में फँसने वाली नहीं है।

आप नेता आतिशी ने कहा कि, कल रात मीडिया के माध्यम से खबर मिली की देश की संसद में महिला आरक्षण बिल लाया जा रहा है और इसे कैबिनेट से मंजूरी भी मिल गई है। ऐसे में अब संसद में, विधान सभाओं में महिलाओं को एक तिहाई समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि, आम आदमी पार्टी ने इस बिल का स्वागत किया और कहा कि हम संसद में भी और विधानसभाओं में भी महिलाओं के आरक्षण का स्वागत करते है। लेकिन जबतक हम बिल व उसके प्रावधानों को नहीं देखते तब तक इसपर टिप्पणी नहीं कर सकते है।

उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, आज कुछ समय पहले महिला आरक्षण का ये 128 वाँ संविधान संशोधन बिल पब्लिक डोमेन में आया। जब हमने इस बिल के हर हिस्से को सावधानीपूर्वक पढ़ा तो पाया कि ये महिला आरक्षण बिल नहीं, ये तो 2024 के चुनाव से पहले महिला बेवकूफ बनाओ बिल है। आतिशी ने कहा कि, ये बिल महिला बेबकूफ बनाओ बिल इसलिए है क्योंकि इस बिल के सेक्शन-5 के अनुसार 2024 के चुनाव में महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने वाला है। ये बिल जब पास होगा तो उसके बाद जो जनगणना होगी और उसके आधार पर परिसीमन होगा, उस परिसीमन के आधार पर महिलाओं को आरक्षण दिया जायेगा। ऐसे में इस बिल के क्रियान्वयन में कई साल लग जाएँगे। उन्होंने कहा कि, जनगणना होने में कम से कम एक साल का समय लगता है। उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। अब एमसीडी जैसे छोटे चुनाव के लिए परिसीमन करने में जब चुनाव आयोग को जब 6 महीने का समय लग गया तो पूरे देश में परिसीमन करना होगा तो किसी भी परिसीमन कमिटी को कम से कम 2-3 साल का समय लग जायेगा।

साथ ही संविधान के 91वे संशोधन के अनुसार 2026 से पहले राष्ट्रीय स्तर पर परिसीमन नहीं किया जा सकता है। यानि की जिस महिला आरक्षण बिल का इतना ढिंढोरा पीटा जा रहा है उसका जल्द से जल्द भी क्रियान्वयन किया गया तो वो 2027-28 में होगा, 2024 में नहीं। आतिशी ने कहा कि, इस बिल के प्रावधानों को पढ़कर ये साफ है कि 2024 के चुनाव से पहले देश की महिलाओं को बेबकूफ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अगर मोदी जी और भाजपा की नियत होती कि वो महिलाओं को वास्तविक रूप में आरक्षण देना चाहते है तो 2024 के चुनावों में ही दे देते। क्यों उन्होंने ऐसा कहा कि पहले हम जनगणना और उसके बाद परिसीमन का इंतजार करेंगे उसके बाद आरक्षण देंगे। वो आज जितनी भी सीटें है उसमे ही एक तिहाई पर महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि, ये सिर्फ.और सिर्फ. महिलाओं को बेबकूफ बनाने का तरीका है इसलिए इस बिल का नाम महिला बेबकूफ बनाओ बिल होना चाहिए। आतिशी ने कहा कि, ये साफ है कि मोदी जी को महिलाओं की बेहतरी को लेकर कोई चिंता नहीं है। भाजपा बृजभूषण की पार्टी है, महिला विरोधी पार्टी है और इसलिए क्योंकि अब लोकसभा के चुनाव आ रहे है, इन्हें वोट माँगने जाना है इसलिए अब महिलाओं को बेबकूफ बनाने का प्रयास कर रहे है।

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा प्रयोगात्मक आधार पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों को निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है:–

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	ठहराव	प्रभावी तिथि
19037 बान्द्रा(टर्मि.)–बरौनी अवध एक्सप्रेस	महिदपुर रोड	28.02.2024 तक
19038 बरौनी–बान्द्रा(टर्मि.) अवध एक्सप्रेस	महिदपुर रोड	28.02.2024 तक
19165 अहमदाबाद–दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस	बबीना	20.09.2023
19166 दरभंगा–अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस	बबीना	20.09.2023
19167 अहमदाबाद–वाराणसी सिटी साबरमती एक्सप्रेस	चिरगाँव	21.09.2023
19168 वाराणसी सिटी–अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस	चिरगाँव	21.09.2023
12581 बनारस–नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस	टूण्डला	24.09.2023
12582 नई दिल्ली–बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस	टूण्डला	24.09.2023
12875 पुरी–आनन्द विहार (टर्मि.) नीलांचल एक्सप्रेस	टूण्डला	24.09.2023
12876 आनन्द विहार (टर्मि.)–पुरी नीलांचल एक्सप्रेस	टूण्डला	24.09.2023
18477/18478 पुरी–योगनगरी ऋषिकेश–पुरी उत्कल एक्सप्रेस	ब्रजराजनगर	अगले आदेश तक
18477/18478 पुरी–योगनगरी ऋषिकेश–पुरी उत्कल एक्सप्रेस	बेलपाहाड़	अगले आदेश तक
18477/18478 पुरी–योगनगरी ऋषिकेश–पुरी उत्कल एक्सप्रेस	चंदिया रोड	अगले आदेश तक
15159/15160 छपरा–दुर्ग–छपरा सारनाथ एक्सप्रेस	उमरिया	अगले आदेश तक
20807/20808 विशाखपट्णम–अमृतसर–विशाखपट्णम हीराकुंड एक्सप्रेस	बुढ़ार	अगले आदेश तक
15159/15160 छपरा–दुर्ग–छपरा सारनाथ एक्सप्रेस	जैतहरी	अगले आदेश तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

रेलमदद वेबसाईट दर्खें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं.139 पर हमें फॉलो करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव G20 उत्तर रेलवे आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

2918/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

संक्षिप्त खबरें

महावीरी मेला के सफल संचालन को लेकर थानाध्यक्ष को किया गया सम्मानित

इसुआपुर । इसुआपुर में महावीरी अखाड़ा मेला के सफल समापन में थानाध्यक्ष मिहिर कुमार तथा अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए सराहनीय प्रयास के आलोक में अखाड़े के प्रतिनिधियों द्वारा थाने में जाकर थानाध्यक्ष तथा अन्य पुलिस कर्मियों को पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। कमेटी के सदस्य नागेंद्र सिंह ने कहा थानाध्यक्ष महोदय ने अखाड़े मेले के सफल समापन में जो सहयोग दिया है और जिस तरह से महावीरी अखाड़े पूजा के शांतिपूर्ण संपन्न कराने में अपनी भूमिका निभाई है, उसके लिए महावीरी अखाड़ा कमिटी द्वारा सम्मानित किया जाता है। वहीं इसुआपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अजमल रहमानी को भी पगड़ी देकर सम्मानित किया गया।कमेटी द्वारा सम्मानित किए जाने पर थानाध्यक्ष और मुखिया प्रतिनिधि ने कमेटी के प्रति आभार प्रगट किया। प्रतिनिधि मंडल में नागेंद्र सिंह, बद्रीनारायण सिंह, पप्पू सिंह,ढोलन सिंह ,झलटू सिंह,मुकुल सिंह, सुरेंद्र सिंह ,प्रमोद गुप्ता,जयप्रकाश महतो सहित अन्य लोग शामिल थे।

उप विकास आयुक्त द्वारा किया गया विस्तृत समीक्षा

छपरा नगर। मंगलवार को उप विकास आयुक्त, सारण श्रीमती प्रियंका रानी के द्वारा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सारण के सभागार में आयोजित जिला एंबुलेंस संचालन समिति की बैठक में सांसद पंचायत एम्बुलेंस सेवा के तहत संचालित होने वाले एम्बुलेंस के परिचालन की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में बताया गया कि एम्बुलेंस का संचालन, लेखा-जोखा, अकाउंट, देख-रेख, इंश्योरेंस इत्यादि की पूरी व्यवस्था पंचायत स्तर पर संबंधित पंचायत सचिव के द्वारा सुनिश्चित किया जाना है। एम्बुलेंस के उपयोग के लिए निर्धारित शुल्क, मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया ताकि एम्बुलेंस के परिचालन हेतु रोड टैक्स, इंश्योरेंस आदि के साथ-साथ चालक की उपलब्धता बनी रहे। एम्बुलेंस के संचालन से संबंधित विवरण, आय एवं व्यय की अलग-अलग पंजी तथा आवश्यकतानुसार अलग-अलग बैंक खाता का संधारण करने का निदेश दिया गया। एम्बुलेंस में जीपीएस का अधिष्ठापन एवं उसका आवश्यक रख-रखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

कुलपति ने महाविद्यालय का किया औचक निरीक्षण

छपरा कार्यालय। अपने कार्यकाल के पूर्ण होने के एक दिन पहले जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर फारूक अली ने विश्वविद्यालय के संबध्द महाविद्यालय एसएमडी डिग्री महाविद्यालय,नेचुआ जलालपुर ,गोपालगंज का औचक निरीक्षण किया। कुलपति ने कहा कि वे कभी एसएमडी डिग्री महाविद्यालय नहीं जा सके थे और यदि आज भी नहीं जाते तो उनकी यात्रा अधूरी रह जाती। मंगलवार को कुलपति पहले हिन्दी विभाग में गये।श्री दिनकर दूबे हिन्दी साहित्य का इतिहास पढा रहे थे।अशोक कुमार पांडेय,कृष्ण कुमार पाण्डेय,लिपिक और अजय कुमार सिंह सहायक लिपिक उपस्थित थे। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन भी कुलपति हाईकोर्ट से सीधे महाविद्यालय में निरीक्षण करने गये। महाविद्यालय में कुलपति ने गर्ल्स कामनरूम और अंबेडकर छात्रावास की बहुत सराहना किये।प्राचार्य डॉ. प्रेमचंद्र पांडेय से मोबाइल पर बात किये। महाविद्यालय के कैम्पस को कुलपति ने कहा कि कैम्पस बहुत ही मनोरम है। कहा कि यूजीसी का महिला छात्रावास भी बनकर तैयार है।

समीक्षात्मक बैठक में उप विकास आयुक्त ने दिए कई आवश्यक निर्देश

छपरा नगर। मंगलवार को प्रियंका रानी उप विकास आयुक्त, सारण की अध्यक्षता में डेंगू के मामलों एवं रोकथाम हेतु प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं पंचायत सचिव के साथ जि0ग्रा0वि0अभि0, सारण के सभागार में समीक्षा की गयी। बैठक में सिविल सर्जन, सारण / जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रखण्डवार डेंगू के मरीजों के वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।जिन क्षेत्रों में डेंगू के मरीज पाये जा रहे है, वहाँ फागिंग करने का निदेश दिया गया। जल जमाव वाले स्थानों पर लार्वा नाशक दवा छिड़काव करने का निदेश दिया गया। डेंगू से बचाव हेतु जल जमाव नहीं होने मच्छरदानी का प्रयोग इत्यादि संदेश आम लोगों तक पहुँचा कर जन जागरूकता फैलाने का निदेश दिया गया।

पितृपक्ष सड़क संबंधित कार्य मे सड़को की प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने का निर्देश : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष मेला 2023 के सफल आयोजन के अवसर पर मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों को जोन में बाँटते हुए सभी जोन के पदाधिकारियों के साथ जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित करते हुए कई आवयश्क निर्देश दिए गए हैं। सफाई संबंधित कार्य मे सड़कों की सफाई, नालियों की सफाई एवं मरामति, तालाबो, वेदियों की सफाई, शौचालय की साफ सफाई, मेन हाल की स्थिति एवं घाट की सफाई की जांच करने का निर्देश दिया गया है।प्रकाश व्यवस्था संबंधित कार्य मे स्ट्रीट लाइट की स्थिति, हाई मास्क लाइट की स्थिति, कोई क्षेत्र ज्यादा अंधेरा है या नहीं, कोई ट्रांसफार्मर खराब है या नही, निर्बाध बिजली आपूर्ति, पुराने जर्जर तारों एवं बिजली पोल की स्थिति की जांच करवाने का निर्देश दिए हैं।

जलापूर्ति संबंधित कार्यो में क्षेत्र स्थित चापाकल की स्थिति, मरम्मत इत्यादि की कार्य, पुराने टूटे पाइप की मरम्मती, टैंकरों से जल आपूर्ति की व्यवस्था, पेयजल की आपूर्ति संबंधित जांच करने का निर्देश दिए हैं। सड़क संबंधित कार्य मे सड़को की स्थिति जहाँ कही गढ़ा है तो उसकी प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने का निर्देश दिए हैं। यातायात संबंधित कार्य मे यातायात की कोई समस्या है या नही, किस रास्ते में रनवे करना है कि रास्ते से वाहन को प्रवेश करना है इत्यादि की पूरी अच्छी तरीके से जांच करने का निर्देश दिए हैं। आवासन स्थल के संबंध में निर्देश दिया कि सफाई की व्यवस्था, टॉयलेट की स्थिति, पेयजल की स्थिति, खिड़की दरवाजे बिजली की व्यवस्था, पर्यपत रोशनी की व्यवस्था इत्यादि की जांच करवाने को कहा है।इसके अलावा उन्होंने पुलिस आवासन, पुलिस शिविर, वॉच टावर, सीसीटीवी अतिष्ठापन, बस स्टैंड, वाहन पार्किंग, कंट्रोल रूम पॉइंट्स, बैरियर अधिष्ठापन, आपदा एवं भीड़ भाड़ नियंत्रण संबंधित कार्य की पूरी व्यवस्था का जांच करवाने को कहा, ताकि किसी स्तर पर भी यात्रियों को कोई कठिनाई न हो सके। जिला पदाधिकारी ने सभी जोन के पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी संबंधित पदाधिकारी को एक प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है।जिसके आलोक में अपने जोन में पडने वाले सभी मूलभूत सुविधाएं जो यात्रियों को दी जा रही है।उसकी पूरी अच्छी तरीके से जांच करेंगे। आपके क्षेत्र के पड़ने वाले जोन के पूरे परिधि का अच्छे तरीके से व्यवस्थाओं का पूरी जिम्मेदारी के साथ अनुपालन कराएंगे। हर छोटी से छोटी चीज पर नजर रखेंगे यदि व्यवस्था में कहीं कोई गड़बड़ी है तो उसे तुरंत संबंधित विभाग से संपर्क कर ठीक कराएंगे। जिस तिथि में जिस वेदी स्थल पर तर्पण करने में भीड़ होती है उस तिथि में उस वेदी स्थल पर अतिरिक्त सभी व्यवस्थाएं रखी जाएगी। विशेष कर ट्रैफिक व्यवस्था को हर हाल में दुरुस्त रखी जाएगी। सभी जोन के पदाधिकारी विशेष कर देवघाट एवं सीता कुंड में प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं।

तीर्थ यात्रियों को फोटोग्राफर द्वारा कोई ह्रास नहीं किया जाए, इसकी पूरी निगरानी रखेंग।पूरी डिसिप्लिन के साथ फोटोग्राफर यात्रियों का आवश्यकता अनुसार फोटोग्राफी का काम करेंगे। कहीं से अतिरिक्त शुल्क या कोई अन्य शोषण करने संबंधित सूचना एवं शिकायत मिलने पर संबंध फोटोग्राफर पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि देवघाट एवं सीता कुंड के समीप एक जगह को चिन्हित करें जिससे उसे जगह पर नाई को रखा जा सके और नाई,यत्र तत्र गंदगी ना फैलाएं इसे सुनिश्चित कराया जाए। सभी जोन का अलग-अलग दायित्व एवं महत्व है। उसे पूरी अच्छे से अनुपालन करना होगा। हर जोन में पुलिस शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है संबंधित अधिकारियों का दायित्व होगा कि यदि किसी तीर्थ यात्रियों को चिकित्सक की आवश्यकता है और पुलिस की आवश्यकता है तो उसे तुरंत संबंधित स्थान पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। हर हाल में यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार रहे इसे सुनिश्चित करवाना होगा। सभी अधिकारी अपना रिस्पांस सिस्टम को दुरुस्त रखें क्विक रिस्पांस करें। इसके बाद डीएम ने विभिन्न अवसान स्थलों का घूम कर निरीक्षण किया है जिसमें मुख्य रूप से जिला स्कूल , हरिदास सेमिनरी एवं गया म्यूजियम में जाकर अवसान क्षमता के अनुसार क्या-क्या तैयारी की गई है इसका जायजा लिया है।

इनर व्हील गया सिटी की तरफ से तीज मिलन का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। तीज सुहाग का प्रतीक है। सुहागन महिलाएं इस अवसर पर अखण्ड व्रत रखती हैं। इस आयोजन को लेकर "इनर व्हील गया सिटी" की तरफ से तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। भारत में अनेक त्योहार हमेशा से मनाया जाता है। उनमें से तीज भी एक व्रत है जो भाद्र मास के शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। महिलाएं अपने पति की दीघार्यु होने की कामना करती है। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की संपादक कंचन कुमार ने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। आगे उन्होंने कहा कि उनके क्लब में तीज मिलन का कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सभी महिलाएं सुंदर-सुंदर परिधानों में सज धजकर सोलह श्रृंगार करके आई थी, इसमें नृत्य संगीत और गेम भी हुआ जिसमें क्लब की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

देश के प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के मौके पर सेवा पखवाड़ा आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला अतिथि गृह में भाजपा के प्रदेश प्रेस पैनलिस्ट अरविन्द सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर केन्द्र सरकार के अहम योजना आयुष्मान भारत योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी । बता दूं कि भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा चला रही है । जो 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा पखवाड़ा में भाजपा द्वारा गरीब लोगों का आयुषमान कार्ड बनवाया जाएगा जिसे गति पकड़ाने के लिए रणनीति बना ली गई है ।

बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 3 लाख 60 हजार आयुष्यमान कार्ड बनाने का लक्ष्य था लेकिन बिहार सरकार में बैठे तानाशाहों ने उस पर जोर नहीं दे रही है । ये निकम्मी सरकार गरीब गुरबों कि हक को मारना चाहती है जिसे केन्द्र में बैठे नरेन्द्र मोदी की सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी । स्वास्थ्य सेवाओं में भाजपा द्वारा आयुष्मान कार्ड से क्रांति लाई गई है। आयुष्मान कार्ड से 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज होता है। इतना ही नहीं भाजपा द्वारा हर वर्ग के लिए योजनाएं चलाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया गया । उन्होंने बताया कि नेशनल हेल्थ अथॉरिटी की ओर से तैयार प्लेस्टोर से लाभार्थी द्वारा आयुष्मान एप को डाउनलोड करना होगा। इसके बाद आधार नंबर देना होगा। इसके बाद संबंधित लाभार्थी से उसके बारे में जो जानकारी मांगी जाएगी, उसे एप पर चरणबद्ध तरीके से दर्ज करना होगा। कार्ड बनने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मोबाइल पर एक मैसेज भी आएगा। कार्ड बनाने संबंधी कोई भी जानकारी टोल फ्री नंबर 14555 पर ली जा सकती है। साथ ही इससे जुड़ी शिकायत भी दर्ज करवाई जा सकेगी। एप के मदद से कार्ड बनाने के बाद उसे कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर प्रिंट भी कराया जा सकता है। अब आयुष्मान कार्ड बनाना और आसान हो गया । गांव गांव में भाजपा कार्यकर्त्ता गरीबों को आयुष्यमान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करेंगे और जितना हो सकेगा ज्यादा से ज्यादा बनावाएंगे ।

हमने तय किया है कि इस अवसर पर हम आयुष्मान भवः अभियान चलाएंगे और इसके तहत हम आरोग्य लक्ष्य सेवा का प्रचार-प्रसार करेंगे। हमने ये भी तय किया है कि सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत इन सभी सेंटरों पर आयुष्मान मेला लगेगा और इसमें सभी गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का उपचार होगा। हम देश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाएंगे। 17 सितंबर से शुरू हुए इस अभियान में आयुष्मान भारत योजना के पात्रहित लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय पासवान, जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार, जिला प्रवक्ता जीतेश सिंह उपस्थित रहे ।

सड़क दुर्घटना में एक मिस्त्री की हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। डोरीगंज थानाक्षेत्र के एन एच --19 पर माधुरी पेट्रोल पम्प के सामने मंगलवार की सुबह करीब 8-30बजे भीषण हादसा हो गया।जिसमे एक ग्रीस गन मिस्त्री की मौत मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान रौजा निवासी महादेव प्रसाद का 40वर्षीय पुत्र धर्मात्मा प्रसाद के रूप मे की गई।

घटना के संबंध मे स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक 10 चक्का नम्बर वस्र52-ळ8285 जो छपरा की ओर से आ रही थी ऐसा लग रहा था मानो चालक नशे की हालत मे हो कई वाहनों मे टक्कर मारते हुए धर्मात्मा प्रसाद जो सड़क के किनारे गाड़ी में ग्रीस मार रहा था उसको रौंदकर हुए एक अन्य ट्रक जो खड़ी थी उसमे टक्कर मार दी । घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा ट्रक चालक को पकड़ कर डोरीगंज थाना पुलिस को सुपुर्द की गई । घटना के बाद डोरीगंज थाना पुलिस द्वारा मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल ,छपरा भेजा गया । इस संबंध में डोरीगंज थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं ट्रक चालक द्वारा थानाध्यक्ष को दिए गए ब्यान में बताया कि गाड़ी की ब्रेक फेल हो गयी थी जिसके कारण यह घटना हो गई।

अभियान चलाकर सभी लंबित नीलाम पत्र वादों को निष्पादित करना सुनिश्चित किया जाय : समाहर्त्ता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगर ।समाहर्त्ता अमन समीर के द्वारा बताया गया कि जिले में लगभग 36000 नीलाम पत्र वाद लंबित है। जिसमें लगभग 466 करोड़ की राशि सन्निहित है, जो काफी अधिक है। समाहर्त्ता ने कहा कि आयुक्त महोदय से प्राप्त निदेश के आलोक में लंबित नीलाम पत्र वाद का निष्पादन अभियान चलाकर किया जाना है। हर हाल में संपूर्ण राशि की वसूली करने का निदेश प्राप्त हुआ है। बताया गया कि एक विशेष अभियान के अंतर्गत सभी लंबित वादों को निष्पादित करने की कार्रवाई निश्चित की जाएगी। इसके लिए आवश्यक निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दे दिया गया है। समाहर्त्ता के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला नीलाम पत्र शाखा को निदेश दिया गया कि नवपदस्थापित पदाधिकारियों को नीलाम पत्र पदाधिकारी की शक्ति प्रदत्त करने हेतु प्रस्ताव आयुक्त, सारण प्रमण्डल को अविलंब प्रेषित करना सुनिश्चित करें। 22 सितंबर तक निश्चित रूप से सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी को विहित प्रपत्र के माध्यम से शत-प्रतिशत सर्टिफिकेट डिफॉल्टर को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया गया है।

27. सितंबर तक निश्चित रूप से सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी चौकीदार, पंचायत रोजगार सेवक, आवास सहायक आदि के माध्यम से संबंधित को नोटिस का तामिला कराकर तामिला प्रतिवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। दिनांक 28.09.2023 से दिनांक 04.10.2023 तक सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी संबंधित वादों की सुनवाई करते हुए यह आकलन करना सुनिश्चित करेंगे कि निर्धारित समयावधि में कितने उपस्थित हुए तथा कितने अनुपस्थित रहे। दिनांक 04.10.2023 के पश्चात दिनांक 10.10.2023 तक सभी नीलाम पदाधिकारी सभी अनुपस्थित डिफॉल्टर को विहित प्रपत्र में बॉडी वारंट निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे। दिनांक 10. अक्टूबर तक प्रभारी पदाधिकारी, जिला नीलाम पत्र शाखा प्रत्येक नीलाम पत्र पदाधिकारी से निर्गत किये गये प्रमुख 5-5 बॉडी वारंट पूर्ण विवरणी के साथ प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा प्राप्त सभी वारंटों को थानावार समेकित कर समाहर्त्ता सारण एवं पुलिस अधीक्षक को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। दिनांक 11 अक्टूबर को समाहर्त्ता एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की जायेगी तथा उक्त बैठक में संबंधित वारंटियों को नीलाम पत्र पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित कराने का निदेश सबंधित थानाध्यक्षों को दिया जायेगा। 17. अक्तूबर तक अभियान चलाकर थाना के माध्यम से सभी संबंधित ऊ्रं४'३ी१ को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जायेगी तथा गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों का उनके नाम, पता के साथ पूर्ण विवरणी समाचार पत्रों में प्रकाशित करायी जायेगी ताकि अन्य डिफॉल्टर पर इसका प्रभाव पड़ सके। प्रभारी पदाधिकारी, जिला नीलाम पत्र शाखा गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों की पूर्ण विवरणी प्राप्त कर उसे समेकित करते हुए जिला सूचना एवं जन-संपर्क पदाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ताकि उसे सभी दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा सके। इस तरह के अभियान प्रत्येक तीन माह पर संचालित कराना सुनिश्चित करेंगे। इस तरह के अभियान प्रत्येक तीन माह पर संचालित किया जायेगा ताकि संपूर्ण राशि की वसूली की कार्रवाई की जा सके। सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी नियमित रूप से प्रत्येक शुक्रवार को 12 बजे से 1 बजे तक लंबित नीलाम पत्र वादों की सुनवाई करना सुनिश्चित करेंगे। डिफॉल्टर से बसूल की गयी राशि के जमा होने के उपरान्त संबंधित बैंकों द्वारा दिये जानेवाले बकाया न्यायालय फीस की राशि की भी बैठक में समीक्षा की जायेगी ताकि लंबित बादों का पूर्ण रूप से निष्पादन हो सके।

उजियार टोला में डायरिया पीड़ित इलाकों का भाकपा-माले नेताओं का टीम ने किया दौरा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा शहर के वार्ड नंबर 4 उजियार टोला में पिछले 5 दिनों से जारी डायरिया प्रकोप इलाकों का भाकपा-माले नेताओं का टीम ने किया दौरा !इस टीम में भाकपा-माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम,राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी,जिला कमेटी सदस्य अमित कुमार बंटी,नगर कमेटी सदस्य बबलू गुप्ता शामिल थे !इस दौरान भाकपा-माले नेताओं ने उजियार टोला मोहल्ले में सभी डायरिया पीड़ित परिवारों से मुलाकात की !इस दौरान माले नेताओं ने कहा कि नगर निगम और जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण डायरिया का पिछले 5 दिनों से प्रकोप जारी है इस प्रकोप का डर इस कदर है की दर्जनों लोग मुहल्ला छोड़कर किसी दूसरे गंतव्य स्थान पर चले गए हैं अभी तक इस इलाके में तीन लोगों की मौत हुई है और 50 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है !आगे भाकपा-माले नेताओं ने कहा कि स्वच्छता अभियान की दुहाई देने वाली केंद्र की मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री का संसदीय क्षेत्र आरा में गंदगी के चलते डायरिया के प्रकोप जारी है आगे माले नेताओं ने कहा कि उजियार टोला में शौचालय नहीं होने और समय पर साफ-सफाई नहीं होने के चलते इस इलाके में डायरिया का प्रकोप जारी है !स्थानीय सांसद आर के सिंह के निर्देश पर गयी आरा सदर अस्पताल का मेडिकल कैंप में समुचित इलाज की व्यवस्था नहीं है वहां न तो स्लाइन और न ही कोई बेड और नहीं कोई समुचित दवा भी है!

आगे भाकपा-माले नेताओं ने कहा डायरिया प्रकोप से मृत परिवारों को आपदा प्रबंधन विभाग से पांच लाख रुपए मुआवजा देने,शहर के स्लम एरिया में डायरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सभी इलाकों में स्पेशल साफ-सफाई,डीडीटी का छिड़काव करने इन इलाकों में मेडिकल जांच की व्यवस्था करने की मांग की है!

जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी ने दिए महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगर। मंगलवार को जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति के बैठक समाहरणालय सभागार में 11:00 बजे पूर्वाह्न से आहूत की गई ।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी सारण ने जानकारी दी की जिला में उर्वरक की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है तथा सभी प्रकार के उर्वरक निर्धारित मूल्य पर कृषकों को आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराया जा रहा है। उर्वरक का निर्धारित मूल्य इस प्रकार है-यूरिया नीम कोटेड 266 रुपए 50 पैसे 45 किलो प्रति बोरा, डी ए पी 1350 रुपए 50 किलो प्रति बोरा, एम ओ पी 1700 रुपए 50 किलो प्रति बोरा, एन पी के(12:32:16) 1470 रुपए 50 किलो प्रति बोरा, एन पी 1550 रुपए 50 किलो प्रति बोरा, ए पी एस 1250 रुपए 50 किलो प्रति बोरा,ए पी एस इफको 1250 रुपए 50 किलो प्रति बोरा, एस एस पी 645 रुपए 50 किलो प्रति बोरा। जानकारी दी गई की इफको के द्वारा जिला में कुल मांग का 20 से 22% तक उर्वरक की आपूर्ति की जाती है ।

इस मात्रा को बढ़ाने हेतु अनुरोध पत्र लिखने का निर्देश जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा दिया गया। उर्वरक के कालाबाजारी को रोकने हेतु कृषि विभाग के पदाधिकारी के द्वारा जिला स्तरीय गठित टीम के द्वारा निरंतर जांच एवं छापामारी किये जाने की जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा दी गई। जिला में मिट्टी की जांच रिपोर्ट के अनुसार अच्छी फसल हेतु खाद देने की अनुशंसा करने का निर्देश जिला पदाधिकारी के द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में माननीय विधायक अमनौर श्री कृष्ण कुमार मंटू, जिला परिषद अध्यक्ष जय मित्रा देवी, उप विकास आयुक्त सारण श्रीमती प्रियंका रानी, जिला कृषि पदाधिकारी, माननीय विधायकों के प्रतिनिधि गण एवं उर्वरक निगरानी समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

महापंचायत बुलाकर ग्रामीणों ने गांव के बीच स्थापित भारत पेट्रोलियम गैस के बॉटलिंग प्लांट हटाने का किया मांग

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर(सारण) प्रखंड के धरहरा खुर्द पंचायत के खोरीपाकड़ खर्ग गाँव के बीच भारत पेट्रोलियम गैस के बॉटलिंग प्लांट के बिरुद्ध ग्रामीण हुए एकजूट।गांव के ब्रह्म स्थान के परिसर में सोमवार की संध्या ग्रामीणों ने एक महापंचायत बुलाई।

जिसमे गांव के जनप्रतिनिधियों से लेकर सैकड़ो आम लोग शामिल हुए।बैठक की अध्यक्षता सरपँच प्रतिनिधि मनोज सिंह ने किया।ग्रामीणों का आरोप है की छल से गांव के बीच अनैतिक रूप से भारत पेट्रोलियम गैस के बोटलिंग प्लांट स्थापित कर दिया गया।जिससे गाँव में हमेशा दहशत में लोग जीने को मजबूर है। जिस तरह 14 सितंबर की रात मे गैस प्लांट मे आग लगी पुरे गाँव मे आफरा तफरी का माहौल बन गया था।कई लोग घरों के छत से कूद गए तो कई लोग भय से चीत्कार मार कर रो रहे थे। गाँव के सभी बच्चों से लेकर वृद्ध तक गाँव छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे थे. वही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुँच कर आग पर काबू पाया।ग्रामीणों ने एक स्वर में गैस प्लांट को गांव से हटाने की माँग किया।कई बार प्लांट के बिरुद्ध अधिकारियों के पास आवेदन लिखा पर कोई परिणाम नही निकला।जिससे आक्रोशित होकर गाँव के लोंगो ने एक महापंचायत बुलाकर गैस प्लांट को हटाने के लिए एक बड़ी आंदोलन खड़ा करने का निर्णय लिया।अब सवाल यह उठता है की गाँव के बीच मे गैस प्लांट लगाने की अनुमति प्रशासन तथा सरकार के द्वारा कैसे दिया गया. जबकि किसी भी तरह का प्लांट गाँव के बीचोबीच नहीं लगता है. गाँव के बीचोबीच इस गैस प्लांट का बनना प्रशासन पर सवाल खड़ा करता है. जबकि गाँव के लोंगो ने बताया की शुरू मे गाँव के लोंगो को यह कहकर गुमराह किया गया की यहाँ बिस्कुट एवं अगरबत्ती की फैक्ट्री लग रही है।इस मौके पर मुख्य रूप से राजद प्रखण्ड अध्यक्ष मुन्ना चौहान,जाप नेता मनीष सिंह विशाल, पूर्व जिला पार्षद अमरेंद्र बैठा उर्फ मुन्ना,,हरिंद्र ठाकुर,मानबोध सिंह,विजेश कुमार,दीपक तांती,सुरेश महतो, सुरजीत कुमार सिंह,संजय सिंह समेत सैकड़ो ग्रामीण शामिल थे।

दुगोला मे उमड़ी दर्शकों की भीड़

जलालपुर। प्रखंड के देवरिया ग्राम में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सोमवार की रात्रि मे दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ीगोपालगंज से आए अरविंद सिंह इंजीनियर और छपरा के अजीत हलचल के बीच संगीत का जबर्दस्त दंगल देखने को मिलोभोजपुरी के कई लोकप्रिय गीतों को दोनों ने अपने टीम के साथ गाकर लोगों को झुमायो सुबह तक चले इस कार्यक्रम में लोग संगीत का आनंद लेते रहेदोनो गायको के बीच खूब कटाक्ष चलोस्थानीय प्रखंड सहित पड़ोसी प्रखंडो के हजारो दर्शक कार्यक्रम के गवाह बनेइसके पहले कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मांझी विधानसभा के प्रत्याशी रहे डब्ल्यू सिंह ने कियोपूजा समिति के सदस्यों ने उन्हे अंग वस्त्र देकर सम्मानित कियोकार्यक्रम के सफल आयोजन मे सुदामा शर्मा, योगेन्द्र शर्मा, रविशंकर शर्मा, छोटू शर्मा , बिट्टू शर्मा सहित क ई अन्य शामिल थे।

महिला आरक्षण बिल महिलाओं के उन्नति के लिए यह सकारात्मक कदम : काजोल पूर्वे, समाजसेविका

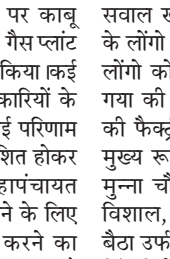

पटना/ मधुबनी। संसद का पांच दिवसीय विशेष सत्र सोमवार (18 सितंबर) से शुरू हो गया. संसद के इस विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार की ओर से 8 विधेयक पेश किए जाने हैं. इस बीच चर्चा है कि संसद के विशेष सत्र में ही मोदी सरकार महिला आरक्षण विधेयक ला सकती है. सूत्रों के मुताबिक, सोमवार की शाम को हुई मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी दे दी गई है. केंद्र सरकार सदन में महिला आरक्षण बिल लाई गई है। संसद के विशेष सत्र से पहले रविवार (17 सितंबर) को हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के ज्यादातर नेताओं ने महिला आरक्षण बिल लाने की वकालत की थी. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मोदी सरकार की ओर से आज महिला आरक्षण बिल पेश कर सकती है। यह बिल अगर सदन में पास हो जाती है तो यह बिल निश्चित रूप से महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया बहुत ही साहसिक कदम होगा। इस बिल से न केवल उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित होगी बल्कि देश के अन्य संवैधानिक अधिकारों व सरकारी सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। वही काजल पूर्व ने कहा की हमे खुशी है केंद की मोदी सरकार महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए यह सकारात्मक कदम उठा रही है वे इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री का हुआ पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। वैश्य महासभा के प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र कुमार साह के नेतृत्व में वैश्य समाज द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का पुतला दहन म्युनिसिपल चौक किया गया। धर्मेंद्र कुमार साह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा वै

सम्पादकीय

कांग्रेस ने आरक्षण का दांव चला

कांग्रेस पार्टी ने हैदराबाद की कार्य समिति की बैठक में आरक्षण का दांव चला है। सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण का बिल लाया जाए और उसे कानून बनाया जाए। इससे पहले कार्य समिति की बैठक के पहले दिन यानी शनिवार को कांग्रेस ने आरक्षण को लेकर एक प्रस्ताव मंजूर किया, जिसमें आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग की गई है। इस बीच एक और दिलचस्प खबर यह है कि पुणे में संघ के सभी संगठनों की समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें संघ ने महिलाओं की भूमिका बढ़ाने की बात कही।तभी यह सवाल है कि क्या संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल आने जा रहा है? ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को इसका अंदाजा है कि सरकार महिला आरक्षण बिल ला सकती है। इसलिए पहले ही सोनिया गांधी ने यह दांव चल दिया। अब अगर सरकार बिल लाती है तो उसका श्रेय कांग्रेस को भी मिलेगा। कांग्रेस यह भी कह रही है कि मनमोहन सिंह की सरकार ने 2011 में महिला आरक्षण का बिल राज्यसभा से पास कराया था। उसी बिल को सरकार लोकसभा से पास करा सकती है। लेकिन यह संभव है कि अगर महिला बिल आए तो उसमें आरक्षण के भीतर ओबीसी, एससी, एसटी के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। इसके लिए बिल को बदलना होगा और अगर बिल बदला जाएगा तो उसे दोनों सदनों से पास कराना होगा। बहरहाल, जो हो लेकिन इस बात की संभावना बढ़ गई है कि महिला आरक्षण का बिल विशेष सत्र में आ सकता है। कांग्रेस ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने का दांव भी चल दिया है ताकि अगर सरकार ओबीसी जातियों के वर्गीकरण पर आई जस्टिस रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा कराती है या उसके आधार पर आरक्षण के भीतर आरक्षण का प्रावधान करती है तो कांग्रेस उसका भी श्रेय ले सके।

सनातन, एशिया और भारत

प्रमोद भार्गव

पृथ्वी के जिस भाग को आज हम एशिया कहते हैं, वह नाम ज्यादा पुराना नहीं है। भारतीयों के अतीत के इतिहास की प्रामाणिकता सिद्ध करने वाले वाल्मीकि रामायण और महाभारत में उल्लेखित है कि स्वयंभू मनु के पुत्र प्रियव्रत ने समग्र पृथ्वी को सात भागों में विभाजित कर दिया था, जिसे जम्बूद्वीप नाम दिया। इन सात भू-खंडों को जम्बूद्वीप, प्लावष, पुश्कर, क्रोंच, षक, षाल्मली तथा कुष नाम दिए। जम्बूद्वीप अन्य द्वीप के केंद्र में था और बड़ा भी था, इसलिए इस समूचे भू-भाग को जम्बूद्वीप कहा जाने लगा। वर्तमान में यही एषिया है। एषिया नाम इस भू-खंड को यूनानी नाविकों ने दिया। ग्रीक धातु असु का अर्थ होता है सूर्योदय। इन यूनानियों ने जम्बूद्वीप अर्थात बृहत्तर भारत वर्श को पूर्व अर्थात सूर्योदय होने वाली दिषा में पाया और एषिया कहकर पुकारने लगे।

संपूर्ण एषिया अनेक दृश्टियों से अपने में एक इकाई है। इसके प्रायः सभी देषों के आचार-विचार, रहन-सहन, पूजा-पद्धतियां और धर्म में बहुत कुछ समानता है। धर्म इस युग में आचरण का पर्याय था। इसका आदि स्रोत भारत और यहां से गए वे लोग हैं, जो जम्बूद्वीप में जाकर बस गए थे। यही मूल भारतीय आर्य थे, जो न केवल एषिया बल्कि यूरोप भी पहुंचे थे। उस कालखंड में यूरोप को हरिदेष कहा जाता था। इन्हीं लोगों ने यहां भारतीय सभ्यता और संस्कृति के मूल्य स्थापित किए। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि एक समय भारत की जनसंख्या बहुत अधिक बढ़ गई थी, इसलिए जो मूल भारतीय आर्य पालायन कर यहां पहुंचे थे, उन्होंने उपनिवेष स्थापित कर अपनी सत्ता भी स्थापित की। यहां बसने वाली सभी संतानें मनु-षतरूपा और ऋशि कष्यप और उनकी दो पत्नियों दिति एवं अदिति की थीं। इनमें अदिति की कोख से उत्पन्न संतानें देव कहलाईं, जबकि दिति से पैदा संतानें असुर कहलाईं।

किंतु समय परिवर्तन और जलवायु की भिन्नता के चलते इन दूरांचलों में बसने वाले लोगों के वर्णों तथा षरीरजन्य कद-कांठी में बदलाव आते गए। यातायात की कमियों के चलते इन लोगों का भारत आना कम हो गया। अंततः भारत के ये मूल निवासी उसी परिवेष की जलवायु में ढलते चले गए। रहन-सहन और वाणी में परिवर्तन आ जाने से ये प्रवासी भारतीय विदेषी माने जाने लगे। मनु के अनुसार क्रिया लोप हो जाने से ही पौण्ड्र, औण्ड्र, द्रविड, कम्बोज, यवन, षक, वल्लभ, किरात, दरद, खस आदि जातियां बन गईं। इन्हीं में से जो ज्यादा पथ-भ्रश्ट हो गए, उन्हें म्लेच्छ कहा जाने लगा। किंतु इतिहास साक्षी है कि तत्पष्चात भी इन देषों से हमारा कौटुम्बिक और सांस्कृतिक संबंध बहुत लंबे समय तक बने रहे। इसीलिए वर्तमान में हम देख रहे हैं, जहां भी पुरातात्विक उत्खनन होते हैं, वहां हिंदू, संस्कृति और सभ्यता के चिन्हों के साथ हिंदू देवी-देवताओं के मंदिरों के अवषेश भी मिल जाते हैं। अतएव हम कह सकते हैं कि जिन देषों के आज जो वर्तमान नाम हैं, उन्हीं के प्राचीन नाम संस्कृतनिश्ठ हैं। जैसे बर्मा-ब्रह्मदेष, थाईलैंड-ष्यामदेष, इंडोचाइना-चंपा, कम्बोडिया-कंबुज (यह वही देष है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर अंगोरवाट है।) मलाया-मलय, इंडोनेषिया-द्वीपों का भारत, जावा-यवद्वीप, सुमात्रा-सुवर्णद्वीप, बोर्निया-वरुणद्वीप, बाली-बाली, अफगानिस्तान-गांधार, ईरान-आयार्ना, ईराक-सूमेरू, टर्की-कपादेष, अरब-और्ब और सीलोन-श्रीलंका हैं।

दुनिया में जहां भी सनातन संस्कृति सभ्यता और आर्यों के इतिहास के प्रमाण व जनश्रुतियां विद्यमान थीं, उन्हें वेदव्यास ने एकत्रित करके एक विस्तृत कथा का रूप देकर माहाभारत जैसा बड़ा और महान ग्रंथ रच दिया। वेद व्यास ने ही ऋृग्वेद की ऋृचाओं और मंत्रों को संकलित ग्रंथ में पिरोने का काम किया था। इन दोनों ग्रंथों का ही प्रदेय है कि भारतीय संस्कृति और इतिहास उपजीव्यों के रूप में बारम्बार दुनिया की विभिन्न भाशाओं में लिखे जाते रहे, परिणामतः मूल भारतीय आर्यों की गौरव गाथा अक्षुण्ण बनी रही। इस सिलसिले में रविन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने लेख भारतवर्श में इतिहास की धारा में लिखा है कि वेद व्यास ने आर्य-समाज में बिखरी हुई जनश्रुतियों को एक किया। केवल जनश्रुति ही नहीं आर्य-समाज में प्रचलित समस्त विष्वास, तर्क-विर्तक और नैतिक मूल्यों को एकत्रित करके जातीय समग्रता की एक विराट मूर्ति को स्थापित किया। इसी को उन्होंने नाम दिया महाभारत। इस नाम में ही तत्कालीन आर्य जाति की ऐक्य-उपलब्धि का प्रयास विषेश रूप से प्रकाषित है। आधुनिक पाष्चात्य संज्ञा के अनुसार महाभारत को हम इतिहास न कहें। यह किसी व्यक्ति विषेश द्वारा रचित इतिहास नहीं है, बल्कि यह एक जाति का स्वरचित, स्वाभाविक इति-वृत्तांत है। यदि कोई बुद्धिमान व्यक्ति इन सब जनश्रुतियों को आग में गलाकर, उन्हें संषलिश्ट करके उनमें एक तथ्यमूलक इतिहास की रचना करता तो आर्य-समाज के इतिहास का सत्य स्वरूप हम देख ही नहीं पाते। उस समय आर्य-जाति का इतिहास आर्यों के स्मृति-पटल पर जिन रेखाओं से अंकित था, उनमें से कुछ स्पश्ट थीं, कुछ लुप्त, कुछ सुसंगत थीं, तो कुछ परस्पर विरोधी। महाभारत में इन सभी की प्रतिलिपियां एकत्रित और सुरक्षित हैं। लेकिन महाभारत में केवल जनश्रुतियों का ही बिना सोचे-समझे संकलन किया गया हो, ऐसी बात नहीं है। अतिषी कांच के एक ओर व्याप्त सूर्यलोक होता है और दूसरी ओर केंद्रित किरणें। इसी तरह महाभारत की एक ओर व्यापक जनश्रुति राषि है और दूसरी ओर उन सबकी ध्रुवीकृत ज्योति। यह ज्योति है भगवद्गीता। ज्ञान, कर्म और भक्ति का इसमें जो योग है, वही भारतीय इतिहास का चरम तत्व है।

तय है, इसी हिंदू, संस्कृति और सभ्यता की परिणति में भारतीय राश्ट्र का रूप-वैचित्र्य और रस-गांभीर्य मिला, जो आज भी विद्यमान हैं। भगवान राम ने इसी सांस्कृतिक एकरूपता को बनाए रखने की दृश्टि से उत्तर से दक्षिण भारत की यात्रा कर उन सब विरोधी व विधर्मी षक्तियों का खात्मा किया, जो भारत राश्ट्र को नियंत्रण में लेना चाहती थीं। इसी दृश्टि से भगवान कृश्ण ने पष्चिम से पूरब की यात्रा कर सनातन संस्कृति व धर्म के वैभव को सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र तक विस्तृत किया। इसलिए हमारे राश्ट्र की अवधारणा वह नहीं है, जो पश्चिमी विद्वान हम पर थोपते रहे हैं। अतएव हम राश्ट्र षब्द का अर्थ अंग्रेजी भाषा के शब्द नेषन से नहीं समझ सकते ? जैसे कि हम धर्म षब्द को अंग्रेजी के षब्द रिलीजन से नहीं समझ पा रहे हैं। दरअसल राश्ट्र शब्द संस्कृत के अलावा किसी अन्य भाशा में उस अर्थ में नहीं है, जो हमारे व्याकरण से निकले षब्द-रूप में प्रस्तुत है। राश्ट्र का संधि-विग्रह राज और त्र का अर्थ है। राज का अर्थ है प्रकाशित होना और त्र का अर्थ है रक्षण करना। अर्थात जो प्रकाशित हो रहा है और उसकी रक्षा भी हो रही है, वह राश्ट्र है। ऋशि-मनीषियों ने इस स्वभाव वाले राष्ट्र का नाम रखा भारत जो एक तरह से राश्ट्र के ही अर्थ का पर्यायवाची है। अर्थात भा का अर्थ है प्रकाष यानी जहां प्रकाष में यानी ज्ञान की साधना में निरंतर लगे रहने वाले लोग दुनिया में मिलते हैं, वही भारत है। रत यानी सतत या साधना में लगे रहने वाले लोगों की जो सनातन परंपरा है, वह भारत की विलक्षणता है और यही भारत राष्ट्र है। यह भारत इसी परिभाशा के अनुरूप भारत बना रहे, इस हेतु ऐसी नीतियां आवष्यक हैं, जो इसके संस्कार में एकरूपता का संचार करती रहें। वैदिक आर्य और जनता शासकों से ऐसे नीतिगत उपाय करने की उम्मीद रखते थे, जिससे समतामूलक राज-व्यवस्था के साथ शासक न्याय और असंचयी भाव के प्रति प्रतिबद्ध बने रहें।

भारत एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

इतिहास का यह खंडकाल भारत के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण काल कहा जा सकता है क्योंकि एक तो भारत पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है तो वहीं भविष्य को लेकर भी भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भव्य सम्भावनाएं व्यक्त करते हुए केवल यह दशक ही नहीं बल्कि यह शताब्दी ही भारत की बता रहे हैं। 1980 के दशक के मध्य, वर्ष 1985 में, भारत विश्व की 10 सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था, अमेरिका, सोवियत यूनियन, जापान, पश्चिमी जर्मनी, फ्रान्स, यूनाइटेड किंगडम, इटली, कनाडा, चीन और भारत। परंतु अगले दो दशकों से भी अधिक समय तक भारत उक्त सूची में से बाहर हो गया। फिर वर्ष 2014 आते आते भारत एक बार पुनः विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। इसके बाद से तो भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज रफ्तार पकड़ ली है और वर्ष 2022 में भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब तो भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आर्थिक क्षेत्र में भारत के विकास की कहानी को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों की सफल कहानी भी कहा जा सकता है।

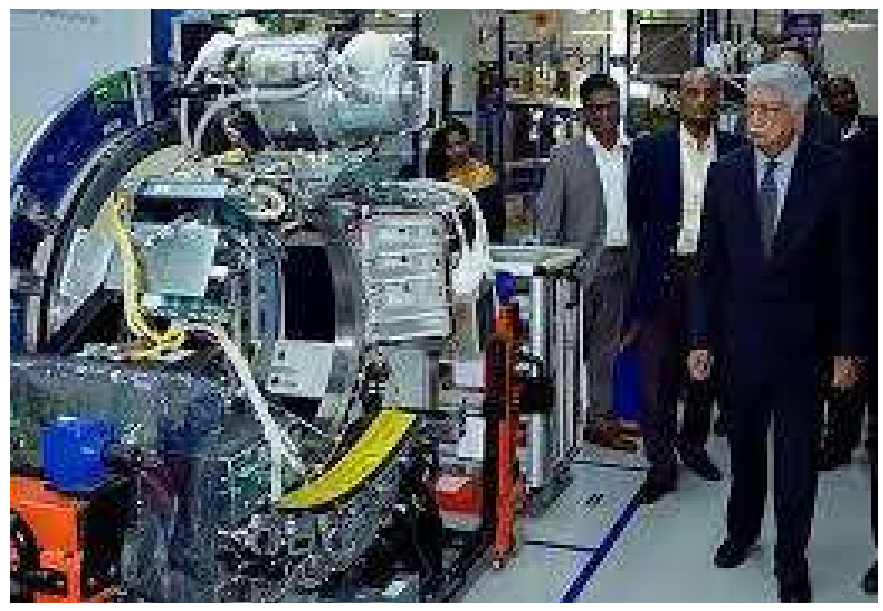

प्रहलाद सबनानी
विख्यात अर्थशास्त्री

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत आज अपने स्वर्णिम काल में प्रवेश कर गया है। जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत आज विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है और भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश कहा जा रहा है। जबकि, भारत की तुलना में विश्व के कई अन्य विकसित देशों जैसे, जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका, फ्रान्स, इटली, ब्रिटेन, आदि में बुजुर्ग आबादी की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इतिहास का यह खंडकाल भारत के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण काल कहा जा सकता है क्योंकि एक तो भारत पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है तो वहीं भविष्य को लेकर भी भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भव्य सम्भावनाएं व्यक्त करते हुए केवल यह दशक ही नहीं बल्कि यह शताब्दी ही भारत की बता रहे हैं। 1980 के दशक के मध्य, वर्ष 1985 में, भारत विश्व की 10 सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था, अमेरिका, सोवियत यूनियन, जापान, पश्चिमी जर्मनी, फ्रान्स, यूनाइटेड किंगडम, इटली, कनाडा, चीन और भारत। परंतु अगले दो दशकों से भी अधिक समय तक भारत उक्त सूची में से बाहर हो गया। फिर वर्ष 2014 आते आते भारत एक बार पुनः विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। इसके बाद से तो भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज रफ्तार पकड़ ली है और वर्ष 2022 में भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब तो भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आर्थिक क्षेत्र में भारत के विकास की कहानी को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों की सफल कहानी भी कहा जा सकता है। वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत के बढ़ते महत्व के चलते विभिन्न देश एवं वैश्विक संस्थान भारत की आवाज को अब गम्भीरता से लेने लगे हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति, परम्पराओं एवं मयार्दाओं का पालन करते हुए भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अतुलनीय प्रगति की है। आज भारत, विश्व की सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पिछले 9 वर्षों के दौरान 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ा है। वैश्विक स्तर पर जहां सकल घरेलू उत्पाद 3 से 3.5 प्रतिशत के बीच बढ़ रहा है वहीं भारत में यह 7 प्रतिशत से अधिक की गति से आगे बढ़ रहा है और यह आर्थिक विकास दर आगे आने वाले लम्बे समय तक बने रहने की भरपूर सम्भावना है क्योंकि भारत के पास बहुत बड़ी मात्रा में युवा, सक्षम एवं शिक्षित आबादी है, जो भारत के लिए एक ह्यपावर हाउसह्न बनकर उभर रही है। भारत के पास मजबूत बैंकिंग व्यवस्था है, जो उद्यमियों को पूंजी उपलब्ध कराने में हमेशा आगे रहती है। सरकारी क्षेत्र के बैकों सहित निजी क्षेत्र के बैंकों में भी गैरनिष्पादन कारी आस्तियों को बहुत कम स्तर पर लाया गया है एवं इन लगभग सभी बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी बैंकों के समतुल्य पहुंच गया है।

भारत में हाल ही के समय में आधारभूत ढांचा खड़ा करने के लिए अभूतपूर्व कार्य सम्पन्न हुआ है। सड़क मार्ग, रेल यातायात, समुद्रीय मार्ग से यातायात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आधारभूत ढांचा में हुए जबरदस्त सुधार के चलते कई बहुराष्ट्रीय विदेशी कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयां भारत में स्थापित करने की ओर लालायित हो रही हैं। परिवहन सम्बंधी आधारभूत ढांचे के साथ ही संचार सम्बंधी आधारभूत ढांचे में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। आज इंटरनेट की सुविधाएं भारत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच गई हैं एवं ग्रामों में निवासरत नागरिकों के पास भी स्मार्ट फोन उपलब्ध हैं जिसके चलते सूचनाओं एवं जानकारी का आदान प्रदान तुरंत हो पा रहा है एवं इससे देश के दूर दराज इलाकों में भी आर्थिक व्यवहार करने में बहुत आसानी हो गई है। जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं एवं इन खातों में आज 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा हो गई है, जो देश के गरीब नागरिकों की ओर से भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान के रूप में देखी जा सकती है। बुनियादी ढांचे को विकसित करने के अलावा नागरिकों को घरेलू स्तर की सामान्य सुविधाएं जैसे शौचालय, पीने का पानी, खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन एवं बिजली आदि की सुविधाएं भी सफलता पूर्वक उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी धाक पूरे विश्व में ही जमाई है। इस क्षेत्र में भारत पूरे विश्व के लिए एक पावर हाउस की भूमिका अदा करता हुआ दिखाई दे रहा है। अब तो स्टार्ट अप के क्षेत्र में भी भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारतीय युवाओं ने इन क्षेत्रों में अपना लोहा वैश्विक स्तर पर मनवा लिया है।

भारत डिजिटल आधारभूत ढांचे को विकसित करने में भी सफल रहा है, जिससे देश की विशाल आबादी को प्रदान की जाने वाली तमाम सेवाओं का डिजिटलीकरण करने में आसानी हुई है, जैसे मनी ट्रांसफर, कैश ट्रांसफर आदि। भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल व्यवहारों का प्रतिशत बहुत बढ़ा है। इससे दूर दराज के क्षेत्रों में निवास कर रहे नागरिकों को प्रदान की जा रही सरकारी सुविधाओं को डिजिटल ढांचें के माध्यम से पहुंचाने में बहुत आसानी हुई है। भारत की देखा देखी वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के नागरिकों को भी विभिन सेवाओं के डिजिटलीकरण का महत्व समझ में आया है। आज भारत टेक्नॉलाजी की दुनिया के कुछ सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया है। एपल, गूगल एवं एमेजोन जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की बात कही है।

बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही भारत के नागरिकों की रोजगार के लिए अब कृषि क्षेत्र पर निर्भरता धीरे धीरे कम हो रही है। अब सेवा के क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगे हैं एवं साथ ही विनिर्माण इकाईयों के स्थापित होने से उद्योग के क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना अब सरकार के लिए एक प्राथमिक कार्य की श्रेणी में आ गया है। भारतीय डॉक्टर, इंजीनीयर एवं प्रबंधन में विशेषज्ञता हासिल किये हुए युवाओं की विकसित देशों में भारी मांग है एवं इसके कारण कई भारतीय युवा अब रोजगार के लिए इन देशों की ओर भी रूख करने लगे है। फिर भी आज कुल मिलाकर 42.9 प्रतिशत नागरिक कृषि क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, 31.1 प्रतिशत नागरिक सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, (9.4 प्रतिशत नागरिक पब्लिक सेवा क्षेत्र में), 13.5 प्रतिशत नागरिक निर्माण (कन्स्ट्रक्शन) क्षेत्र में एवं 11.7 प्रतिशत नागरिक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं।

आज जब विश्व के कई देश आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कई गम्भीर समस्याओं से जूझ रहे हैं और वे इन समस्याओं को हल करने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहे हैं, इन गम्भीर परिस्थितियों के बीच भारतीय सनातन संस्कृति एवं परम्पराएं इन देशों के लिए आशा की किरण के रूप में दिखाई दे रही है। भारत ने न केवल आर्थिक क्षेत्र में विभिन्न गम्भीर समस्याओं को हल करने में सफलता पाई है बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं का अनुपालन करते हुए कई प्रकार की सामाजिक समस्याओं को भी सफलतापूर्वक हल किया है। विकसित देशों में पूंजीवाद को अपनाने के चलते इन देशों के नागरिकों में व्यक्तिवाद की भावना पनपी है। जिसके कारण भोगवाद अपने चरम स्तर पर पहुंच गया है एवं हर व्यक्ति में ह्लमैं और मेराह्न की भावना बलवती हुई है। समाज तो बहुत दूर हो ही गया है परंतु संयुक्त परिवार की परम्परा भी टूट गई है एवं व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों की सहायता करने को भी तैयार नहीं है। परिवार के बुजुर्ग सदस्य सरकार की सहायता पर निर्भर हैं। सामाजिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो गया है। इन देशों में दंपतियों के बीच तलाक की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। बहुत भारी संख्या में नन्हें बच्चे केवल अपनी माता की देखरेख में ही बड़े हो रहे हैं और उन्हें अपने पिता के बारे में तो जैसे जानकारी ही नहीं है। इससे इन बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव पड़ रहा है एवं वे समाज में आसानी से गलत राह पर चल पड़े हैं। कुल मिलाकर इन देशों में नागरिकों में हिंसा की प्रवृति बढ़ती जा रही है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति एवं संस्कारों के अनुसार, भारतीय नागरिकों में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्न की भावना का संचार इनके बचपन में ही किया जाता है जिससे भारतीय नागरिकों में ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्न के विचार प्रतिपादित होने लगते हैं। बचपन में ही भारतीय नागरिकों को पर्वत, नदियों, पेड़, पौधों, समस्त प्राणियों का आदर एवं पूजा करना सिखाया जाता है, जिससे भारतीय नागरिक अन्य देशों में जाकर शांतिप्रिय तरीके से प्रकृति एवं इन देशों में समस्त प्राणियों का सम्मान करते दिखाई देते हैं और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में अपना भरपूर योगदान देते हैं। आज, विश्व में 10 देशों के राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री भारतीय मूल के नागरिक ही बन गए हैं। इसके अलावा, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी भारतीय मूल के नागरिक बन गए हैं। अतः आज विश्व के कई देश अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु भारतीय सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं।

राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का लक्ष्य आखिर कब तक पूरा हो पायेगा?

अमूमन सभी दल और उनके नेता इसे लेकर चिंता जताते हैं, मगर विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन सकी है, जिसमें किसी अपराध में लिप्त रहे व्यक्ति को संसद या विधानसभा में पहुंचने से रोका जा सके। एसोएिशन आफ डेमोक्रेटिक रिसर्च की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पचीस फीसद मामले गंभीर अपराधों से जुड़े हुए हैं, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मामले शामिल हैं। ये ही अपराधी छवि वाले सांसद एवं विधायक एक बार फिर उम्मीदवार बनने में सफल होने वाले हैं। सवाल है कि देश की संसद तक में इस स्थिति के रहते अपराधमुक्त राजनीति का लक्ष्य कैसे प्राप्त हो सकेगा? निश्चित रूप से भारतीय लोकतंत्र की यह एक विद्रूपता एवं त्रासदी ही है कि किसी अपराधी का दोषी होने और सजायाफ्ता होने के बावजूद उसे कैसे उम्मीदवार बनाकर कर भोली-भाली जनता पर थोप दिया जाता है। ऐसे अपराधी किस्म के जनप्रतिनिधि क्या जनता की भलाई करेंगे एवं क्या विधायिका में बैठकर जनता के हित के कानून बना पायेंगे? आजादी के अमृतकाल की दुदुम्भी और शंखनाद से इतर जब राजनीति के अपराधीकरण पर हम नजर डालते हैं तो शर्म से सिर झुक जाता है। जो सदन कभी जनता के सवालों पर गूंजता था, एक से बढ़कर एक वक्ताओं के ऐतिहासिक एवं सार्थक भाषणों की संसद से लेकर सड़क तक चर्चा होती थी, लोकतंत्र की इस खूबी पर दुनिया को भी जलन होती थी

ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

आगामी पांच राज्यों में विधानसभा एवं अगले वर्ष लोकसभा चुनाव की आहट के साथ एक बार फिर अपराधी उम्मीदवारों को लेकर चिन्ता के स्वर उभर रहे हैं। राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का प्रवेश रोकने के लिए लंबे समय से बहसें चलती रही हैं। अमूमन सभी दल और उनके नेता इसे लेकर चिंता जताते हैं, मगर विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन सकी है, जिसमें किसी अपराध में लिप्त रहे व्यक्ति को संसद या विधानसभा में पहुंचने से रोका जा सके।

एसोएिशन आफ डेमोक्रेटिक रिसर्च की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पचीस फीसद मामले गंभीर अपराधों से जुड़े हुए हैं, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मामले शामिल हैं। ये ही अपराधी छवि वाले सांसद एवं विधायक एक बार फिर उम्मीदवार बनने में सफल होने वाले हैं। सवाल है कि देश की संसद तक में इस स्थिति के रहते अपराधमुक्त राजनीति का लक्ष्य कैसे प्राप्त हो सकेगा? निश्चित रूप से भारतीय लोकतंत्र की यह एक विद्रूपता एवं त्रासदी ही है कि किसी अपराधी का दोषी होने और सजायाफ्ता होने के बावजूद उसे कैसे उम्मीदवार बनाकर कर भोली-भाली जनता पर थोप दिया जाता है। ऐसे अपराधी किस्म के जनप्रतिनिधि क्या जनता की भलाई करेंगे एवं क्या विधायिका में बैठकर जनता के हित के कानून बना पायेंगे?

आजादी के अमृतकाल की दुदुम्भी और शंखनाद से इतर जब राजनीति के अपराधीकरण पर हम नजर डालते हैं तो शर्म से सिर झुक जाता है। जो सदन कभी जनता के सवालों पर गूंजता था, एक से बढ़कर एक वक्ताओं के ऐतिहासिक एवं सार्थक भाषणों की संसद से लेकर सड़क तक चर्चा होती थी, लोकतंत्र की इस खूबी पर दुनिया को भी जलन होती थी, आज वही लोकतंत्र, वही सदन दागी नेताओं की उपस्थिति और उसके खेल से शर्मसार है। भारतीय संसद के अबतक के इतिहास पर नजर डाले तो लगता है कि जिस तेजी से संसद और विधानसभाओं में दागी नेताओं की उपस्थिति बढ़ रही है, एक दिन ऐसा आएगा जब संसद में बेदाग नेता-मंत्रियों की तलाश अधूरी ही रह जायेगी। ऐसे अपराधी सांसदों एवं विधायकों के कारण सदनों में सत्रों के दौरान सार्थक बहसों की बजाय हंगामे होते हैं। इन्हीं कारणों से चिंताजनक स्थिति यह बनी है कि आज भारत में ही संसद के प्रति सम्मान, संसद में शालीन आचरण और पक्ष-विपक्ष के बीच स्वस्थ परंपराएं अब धूमिल हो रही हैं। संसद की कार्यवाही तो इसी ह्रास का संकेत करती है। देखना है कि संसद के आगामी विशेष सत्र में संविधान सभा से शुरू होने वाली 75 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा के समय कोई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत हो पाता है या नहीं?

एक सफल लोकतंत्र के जितने भी आयाम हैं क्या भारत उस पर खरा उतरा है? किसी भी लोकतंत्र की साख उसकी विधायिका पर ज्यादा निर्भर है। नेता के गुण-अवगुण और चरित्र लोकतंत्र को ज्यादा प्रभावित करते हैं। आजादी के बाद भारतीय विधायिका और उसके नेताओं की जनता के प्रति वफादारी और उत्तरदायित्व की तूती बोलती थी लेकिन अब वही विधायिका आपराधिक कुकृत्यों से कलंकित है। राजनीति में आपराधिक तत्वों का आधिपत्य है और संसद से लेकर विधानसभाएं अपराधी, दागी नेताओं से भरी हुई है। ऐसे में भला एक ईमानदार एवं आदर्श लोकतंत्र की कल्पना कैसे की जा सकती है? संसद और विधानसभाओं का भविष्य धुंधलाता जा रहा है। भले ही महिलाओं को संसदीय राजनीति के लिए अब तक 33 फीसदी आरक्षण का लाभ तो नहीं मिला हो लेकिन बड़ा सच यही है कि गुपचुप तरीके से सभी राजनीतिक दलों ने सदन में दागी नेताओं के लिए 33 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित कर रखी है। इसे आप दागियों के पैरों तले लोकतंत्र को कुचलना कहिये या फिर दागियों के प्रति लोकतंत्र की आस्था। यही हाल धनकुबेर नेताओं का भी है। अगर दागियों के लिए 33 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित है तो धनकुबेर नेताओं के लिए भी 80 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित हैं। जब ऐसे धनबल, बाहुबल एवं अपराध बल वाले जनप्रतिनिधि होंगे, ऐसे ही देश के कानून बनाने वाले होंगे तो सदन के अध्यक्ष के आसन के समक्ष मेज पर चढ़कर उनके ऊपर कागज फाड़कर फेंकने की घटनाएं आम होती जायेगी? फिर उस युवा को गलत कैसे कहा जाएगा, जो अपने कुलपति या प्राचार्य के कक्ष में घुसकर तोड़-फोड़ करता है या सड़कों पर हंगामें खड़ा करता है?

गौरतलब है कि मौजूदा कानूनी व्यवस्था के तहत अदालत की ओर से किसी अपराध का दोषी घोषित हो जाने और दो साल से ज्यादा की सजा पाने वालों को चुनाव लड़ने पर पाबंदी है, लेकिन यह अवधि छह साल बीत जाने के बाद वही व्यक्ति फिर से संसद या विधानसभा का चुनाव लड़ सकता और जीतने के बाद जनप्रतिनिधित्व कहला सकता है। आजादी के अमृतकाल में सर्वोच्च सदनों को अधिक पवित्र एवं पावन बनाने के लिये सांसदों को अधिक पवित्र और कानून का पालन करने वाला होना जरूरी है। चूंकि सांसद और विधायक आम जनता की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए एक बार नैतिक अपराध से जुड़ा पाए जाने के बाद उन्हें स्थायी रूप से चुनावी राजनीति के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाना चाहिए। अब इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमित्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध के लिए एक बार दोषी करार दे दिया जाता है तो उसके चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगा देना चाहिए। इस रपट को राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों के दखल को रोकने की दिशा में एक अहम विचार के र

संक्षिप्त खबरें

ग्राम पंचायत जगत पीपरी मे अमृत जल सरोवर की दीवार जमीन धसी

अमृत जल सरोवर का हाल में हुआ हैं निर्माण, सचिव और ग्राम प्रधान ने लाखो रूपए लगाकर कराया हैं अमृत जलसरोवर का निर्माण, फैजगंज बेहटा ग्राम पंचायत जगत पीपरी मे अमृत जल सरोवर का निर्माण ग्राम प्रधान और सचिव ने कराया हैं जिसकी दीवारे कभी भी गिर सकती हैं। दीवार की पैड़ी मे रेता लगाकर कराया गया हैं निर्माण कार्य ।अमृत जल सरोवर तक आने जाने वाले रास्ते को भी एक खेत मालिक ने धान लगा दिए हैं जल सरोवर की एसी हालत है कि उसमे गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। कोई भी देख भाल नहीं हैं रास्ता बंद होने से कोई भी आता जाता नहीं हैं जो निर्माण कार्य हुआ हैं उसमे नाम मात्र का मसाला लगाया गया हैं। लाखो रूपए का घोटाला किया गया हैं।

सुपोषित हुए बच्चों को दिया गया सुपोषण बल्ब

सतीश चंद्र ब्यूरो

बदायूँ: ।राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा मंगलवार 19 सितंबर को वर्चुअल माध्यम से प्रदेश की सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिका तथा विभाग के सभी अधिकारियों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम को जनपद बदायूं की सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा अपने लाभार्थियों के साथ यूट्यूब प्रसारण के माध्यम से प्रतिभाग किया गया। जिला स्तर पर इस कार्यक्रम को एनआईसी कलेक्ट्रेट के प्रसारण कक्ष में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, मुख्य सेविकाओं, बाल विकास परियोजना अधिकारियों तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके सिंह के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जनपद स्तरीय इस कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना शहर की दो गर्भवती महिलाओं राधा व अंशु की गोद भराई जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके सिंह द्वारा कराई गई। शहर परियोजना के ही सात माह के दो बच्चों अर्श व मुस्तफा का अन्नप्राशन सीडीपीओ शहर एवं सीडीपीओ कादर चौक द्वारा कराया गया। उझानी परियोजना के दो पूर्व कुपोषित बच्चों आकाश व विहान जोकि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रयासों एवं पोषण पुनर्वास केंद्र में देखभाल के उपरांत वर्तमान में सुपोषित हो गए हैं को फलों की टोकरी के साथ सुपोषण बल्ब उपहार में दिया गया। कार्यक्रम में अनेक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा समरीन शमा, रिंकी, राहिला, नीतू, गुंजन, फूला देवी आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया।

चित्रकूट में किसान की डंडे से वार कर हत्या

चित्रकूट जिले में मऊ थाना क्षेत्र के अहिरी गांव में सोमवार रात अज्ञात हमलावरों ने एक किसान के सिर पर डंडे से वार कर उनकी हत्या कर दी। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को दी। चित्रकूट जिले के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) चक्रपाणि त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की रात मऊ थाना क्षेत्र के अहिरी गांव में बाला पुरवा मार्ग में बने अपने निजी ट्यूबवेल (नलकूप) में किसान रामबालक (57) सो रहे थे तभी अज्ञात हमलावरों ने उनके सिर पर डंडे से कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह घर न लौटने पर परिजन ट्यूबवेल गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। त्रिपाठी ने बताया कि मऊ पुलिस को उनका शव खून से लथपथ हालत में बिस्तर पर पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। एएसपी ने बताया कि इस सिलसिले में मृतक के बेटे आदित्य शंकर की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। उनके मुताबिक, अब तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

निजी कॉलेज के लेक्चरर की धारदार हथियार से हत्या

जिले में लूटपाट के इरादे से घर में घुसे अज्ञात बदमाशों ने सोमवार की रात एक निजी कॉलेज के लेक्चरर की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी तथा दो महिलाओं और तीन बच्चों समेत सात लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार को बताया कि कटरा थाना क्षेत्र में रहने वाले आलोक कुमार गुप्ता एक निजी कॉलेज में लेक्चरर थे। सोमवार की रात उनके घर में बदमाश घुस गए। आहट मिलने पर आलोक जाग गए तो बदमाशों ने धारदार हथियारों से इन पर कई बार किये जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद बदमाशों ने आलोक कुमार की पत्नी खुशबू, पिता सुधीर गुप्ता तथा भाई प्रशांत तथा उसकी पत्नी रुचि समेत तीन बच्चों को भी धारदार हथियारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया जिन्हें गंभीर हालत में बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उप्र: महिला की मौत के मामले में संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित

अमेठी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मुंशीगंज थाना क्षेत्र में इलाज में कथित लापरवाही के चलते एक महिला की मौत के मामले में प्रशासन ने संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करते हुए ओपीडी, आपातकालीन समेत सारी सेवाओं पर रोक लगा दी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेठी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ अंशुमान सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि अस्पताल के लाइसेंस को जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर निलंबित किया गया है और उन्हें इस बात का मौका दिया गया है कि वार्ड में जो मरीज भर्ती है, उनका समुचित इलाज कर उनकी छुट्टी कर दी जाए। संजय गांधी अस्पताल का संचालन संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा किया जाता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इस ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं, जबकि पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी इसके सदस्य हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अमेठी के एसीएमओ डॉ राम प्रसाद के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया था जिसकी जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि दिव्या नामत महिला के इलाज में लापरवाही बरती गयी है। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद प्रशासन ने संजय गांधी अस्पताल के पंजीकरण को निलंबित कर दिया और ओपीडी सहित सभी सेवाओं पर रोक लगा दी। अस्पताल में बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं। संजय गांधी अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अवधेश शर्मा ने बताया कि अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है जिस कारण ओपीडी, आपातकालीन सेवा सहित अस्पताल की सारी सेवाएं बंद हो गयी है। शर्मा ने आरोप लगाया कि उनके पक्ष को नहीं सुना गया और राजनीतिक द्वेष की भावना से अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की इस एक पक्षीय कार्रवाई के खिलाफ वह अदालत का रुख करेंगे। इसके पहले रविवार को स्वा स्त्रव एवं चिकित्सा् शिक्षा महकमा संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मामले का संज्ञान लिया था। उन्होंने सोशल साइट ह्यएक्सह्ल पर कहा था, ह्लसीएमओ (मुख्य चिकित्सी अधिकारी) अमेठी ने मेरे निर्देश पर संजय गांधी अस्पताल, मुंशीगंज में डॉक्टरों की लापरवाही से महिला की मौत के मामले की तीन सदस्यीय समिति द्वारा तत्काल प्रारंभिक जांच कराई। पाठक ने कहा था, ह्लप्रारंभिक जांच में पाई गई कमियों के आधार पर अस्पताल प्रशासन को क्लीनिकल एक्ट (अधिनियम) के तहत स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया है। स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद गुण-दोष के आधार पर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उक्त अस्पताल का पंजीकरण निरस्त कर उसे सील किए जाने की कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने कहा था कि अस्पताल प्रशासन को नये मरीजों को भर्ती न करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया था कि इलाज में कथित लापरवाही के चलते एक महिला की मौत के मामले में संजय गांधी अस्पताल के मुख्यह कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुंशीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अखंड देव मिश्रा के मुताबिक, परिजनों की तहरीर पर संजय गांधी अस्पताल के सीईओ अवधेश शर्मा, जनरल सर्जन डॉ. मोहम्माद रजा, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. सिद्दीकी और फिजिशियन डॉ. शुभम द्विवेदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मिश्रा के अनुसार, शनिवार शाम अमेठी में 22 वर्षीय महिला का शव अस्पताल के सामने रखकर उसके परिजनों ने धरना दिया था। परिजनों का आरोप था कि डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से महिला की मौत हुई। मिश्रा ने बताया कि प्रशासनिक हस्तक्षेप और प्राथमिकी दर्ज होने के बाद परिजनों का धरना रविवार तड़के चार बजे समाप्त हुआ। ग्रामीणों के मुताबिक, मुंशीगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के राम शाहपुर गांव की रहने वाली दिव्या को पेट दर्द की शिकायत थी, जिसके चलते उसे इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल लेकर गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने दिव्या की पित्त की थैली में पथरी होने की बात कही और 14 सितंबर को उसे एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) देकर ऑपरेशन थियेटर ले गए। ग्रामीणों के अनुसार, ऑपरेशन से पहले ही दिव्या कोमा में चली गई और जब वह 30 घंटे तक होश में नहीं आई, तब उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। दिव्या के पति अनुज शुक्ला ने दावा किया कि उसकी पत्नी को अधिक मात्रा में एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) दिया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ी और अंततः मौत हो गई।

नौगावां क्षेत्र में तेंदुएं का कहर, बैंक कर्मचारी को किया घायल

अफवाह बताकर पल्ला झाड़ रहे वनीय अधिकारी, खौफ से सहमे है ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता

नौगांवा सादात। क्षेत्र मे तेंदुए का जोर रुकने का नाम नहीं ले रहा है नौगावा सादात से धनोरा को जाने वाली गंग नहर पर आए दिन तेंदुए का शोर मच रहा है लेकिन वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इसको अफवाह ही बता रहे हैं। सोमवार शाम करीब 6:45 पर गंग नहर से गुजर रहे प्रथमा बैंक खण्डसाल कला के कर्मचारी को तेंदुए ने हमला कर घायल कर दिया पीछे से आ रहे बाइक सवारों ने बड़ी मुश्किल से उसको बचाया। कर्मचारी का बिजनौर के अस्पताल में इलाज चल रहा है।यह है मामला थाना क्षेत्र के ग्राम खंडसाल कला और जआजरू के पुल के बीच का है। बिजनौर जिले के नहटौर रोड नन्हेड़ा निवासी संजीव कुमार 26 वर्ष तहसील नौगामा सादात क्षेत्र की प्रथम बैंक शाखा खण्डसाल कला में कर्मचारी हैं जो नित्य दिन अपने ही गांव से अप डाउन करते हैं।वह सोमवार बैंक का काम निपटाने के बाद खंडसाल कला से गंग नहर होते हुए अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही वह खण्साल कला और जाजरू पुल से गुजर रहे थे तभी नहर के किनारे उनकी नजर तेंदुए पर पड़ी उन्होंने सोचा कोई कुत्ता जा रहा है जैसे ही वह उसके नजदीक पहुंचे तभी तेंदुए ने हमला कर दिया वह सिर पर हेलमेट ओढ़े हुए थे और हमले से सड़क पर गिर पड़े पीछे से दो बाइक सवार यशपाल व नरेंद्र सिंह इस्पा मुराहट निवासी आ रहे थे उन्होंने नजारा देखकर शोर मचाया शोर सुनकर तेंदुआ भाग गया तब उन्होंने बैंक कर्मचारी संजीव कुमार को उठाया और नौगांवा सादात ग्राम बीलना के अस्पताल से दवाई दिला दी उसके बाद बैंक कर्मचारी जैसे तैसे अपने घर पहुंचा और परिजनों के साथ नितिन हॉस्पिटल बिजनौर में अपना इलाज कर रहा है। बैंक कर्मचारियों के हाथ की हड्डी और पसलियों में फैक्चर बताया जा रहा है। इस घटना से क्षेत्र में तेंदुए की दहशत फैल गई। आसपास के ग्रामीणों ने बताया यहां पर वन विभाग से कई बार पिंजरे की मांग की जा चुकी है लेकिन अभी तक वन विभाग ने पिंजरा लगाकर इसको पकड़ने की जहमत नहीं उठाई क्षेत्र की जनता में वन विभाग व प्रशासन के खिलाफ रोस व्याप्त है।

जाहरवीर बाबा के मठ से उखड़कर सरकारी सौर ऊर्जा लाइट ग्रामीण महिला ने अपने निजी आवास पर लगाई , पुलिस को दी तहरीर

प्रात: किरण संवाददाता

थाना फैजगंज बेहटा - क्षेत्र के गांव टोडर पुर में काफी समय पहले सरकार की ओर से जनहित की सुविधा के वास्ते जाहर वीर बाबा के मठ पर एक सौर ऊर्जा की लाइट लगवाई गई थी । कुछ दिनों पहले गांव की ही एक विधवा महिला राज बेटी की नियत में खोट आ गई और रातों - रात चोरी छुपे राज बेटी ने जाहर वीर बाबा के मठ पर चमचमाती हुई सरकारी सौर ऊर्जा की लाइट उखाड़ कर अपने निजी आवास में लगवा ली इस पूरे मामले की भनक जब राज बेटी के परिवार के ही दीपेंद्र पुत्र विजय पाल के कानों तक पहुंची तो दीपेंद्र ने इस समूचे मामले का मौखिक विरोध राज बेटी से किया तो राज बेटी आग - बबूला हो गई और शिकायत कर्ता दीपेंद्र को खरी - खोटी सुनते हुए उसे झूठे मुकदमे में फंसवाने की धमकी देते हुए हाथापाई करने का आमादा हो गई । पीड़ित दीपेंद्र ने इस जनहित से जुड़े समूचे मामले का एक शिकायती प्रार्थना - पत्र विधवा महिला राज बेटी के खिलाफ संबंधित पुलिस को दिया है । यहां गौरतलब है कि जहां एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश भर के मंदिरों व शिवालयों को सजने - संभरने और पुनरूत्थान के लिए पैसा पानी की तरह बहा रही है , वहीं दूसरी ओर गांव के जिम्मेदारों व संबंधित सरकारी मुलाजिमों की अनदेखी कर गांव का कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थान से सरकारी संपत्ति चोरी छुपे अपने घर लेकर चला जायेगा ।

चलती वैन से कूदकर भागे कैदी की तलाश में रातभर खाक छानती रहीं पुलिस टीमें

प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर। मुंसिफी कोर्ट में पेशी के बाद जोया अमरोहा रोड से पुलिस कस्टडी के बीच चलती वैन से कूदकर भागा कैदी अभी पकड़ से दूर है। तलाश में एसओजी व सर्विलांस समेत पांच थानों की टीमें खाक छान रही हैं। पड़ोसी जिलों की पुलिस को भी उसका फोटो भेजा गया है। फरार कैदी की गिरफ्तारी पर आज पुलिस स्तर पर इनाम भी घोषित किया जा सकता है। वहीं, मामले में हेड कांस्टेबल विवेक कुमार की तहरीर पर फरार वाजिद समेत निलंबित तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ थाना अमरोहा देहात में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।जानकारी के मुताबिक रहरा थाना पुलिस ने बीती नौ जुलाई को बाइक चोर गैंग का खुलासा कर क्षेत्र के गांव गंगवार निवासी वाजिद का चालान किया था। आरोपी वाजिद के खिलाफ रहरा, डिडौली व हसनपुर कोतवाली में धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, चोरी व हत्या के प्रयास से जुड़े आठ मुकदमे दर्ज हैं। सोमवार को एक पुराने मामले में आरोपी वाजिद की हसनपुर मुंसिफी कोर्ट में पेशी थी लिहाजा उसे मुरादाबाद जेल से कैदी वाहन में 30-35 अन्य कैदियों के साथ पहले अमरोहा कचहरी लाया गया यहां से हेड कांस्टेबल सरताज अली, कांस्टेबल शुभम कटारिया कैदी वाहन से उसे हसनपुर मुंसिफी कोर्ट ले गए थे।कैदी वैन को चालक जयशंकर सिंह चला रहा था।पेशी के बाद दोपहर चार बजे अमरोहा कचहरी लौटते समय जोया रोड पर पोस्टमार्टम हाउस के पास वाजिद चलती वैन से कूदकर भाग गया था।मामले में वैन को बाहर से लॉक न करने की लापरवाही सामने आने पर एसपी ने तीन पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया था।सीओ सतीश चंद्र पांडे ने बताया कि मामले में हेड कांस्टेबल विवेक कुमार की तहरीर के आधार पर फरार वाजिद समेत निलंबित पुलिस कर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।वहीं, पुलिस कस्टडी से भागे कैदी वाजिद की तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। सर्च ऑपरेशन के बीच फरार वाजिद के घर व रिश्तेदारी में पहरा बढ़ा दिया गया है।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में की साफ-सफाई, झाड़ू लगाकर स्वच्छता का दिया संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत कलक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने स्वयं फावड़ा से घास की कटिंग व झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इतना ही नहीं डीएम ने अधिकारियों संग अपने कार्यालय में भी साफ सफाई की। जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। इसके साथ ही डीएम ने अधिकारियों से अपने अपने कार्यालयों में रोजाना साफ सफाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि अपने आसपास रोजाना साफ सफाई करने से वातावरण के साथ साथ मन भी स्वच्छ रहता है।डीएम राजेश कुमार त्यागी ने बताया कि मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के दृष्टिगत कचरा मुक्त भारत कार्यक्रम के तहतकलेक्ट्रेट परिसर में विशेष साफ सफाई अभियान चलाया गया। डीएम ने स्वयं कलेक्ट्रेट परिसर में फावड़ा चलाकर साफ सफाई कर स्वच्छता के प्रति अधिकारियों कर्मचारियों को प्रेरित किया। इसी के साथ उन्होंने स्वयं अपने कार्यालय व कलक्ट्रेट परिसर के संयुक्त कार्यालयों में पहुंचकर मेज, आलमारी व उपकरण को कपड़े से साफ कर पटल सहायकों को प्रतिदिन कार्यालय की साफ सफाई करने के प्रति प्रेरित किया।कलक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी ने स्वयं फावड़ा से घास की कटिंग और झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा है। आप जहां पर निवास कर रहे हैं, जहां पर काम कर रहे हैं वहां पर साफ सफाई रखना हम सब का दायित्व है। साफ सफाई वाले स्थलों में रहने से एक तो पॉजिटिव ऊर्जा मिलती है, दूसरी हम अनेक प्रकार की संक्रामक बीमारियों से भी छुटकारा पा सकते हैं। साफ सफाई से प्रदूषण कम होगा कीटाणु नहीं पैदा होंगे। वातावरण स्वच्छ रहेगा और स्वच्छ वातावरण का निर्माण होगा। साफ सफाई से स्थल स्वच्छ व सुंदर दिखाई देगा।

महिला आरक्षण विधेयक में पिछड़ों, आदिवासियों और दलितों को क्या मिलेगा : सपा

लखनऊ, एजेंसी

महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किये जाने की अटकलों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) ने मंगलवार को जानना चाहा कि इसमें पिछड़ी जातियों, आदिवासियों और दलितों को कितना आरक्षण मिलेगा। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, जहां तक इस (महिला आरक्षण) विधेयक का सवाल है, हमारा रुख यह है कि इस विधेयक के तहत पिछड़ों को कितना आरक्षण मिलेगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा जब यह विधेयक पेश किया गया था तो हमने इसका विरोध किया था और आज जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे ला रही है, तो हम (उनसे) पूरी तरह सहमत नहीं हैं। चौधरी ने कहा, हम महिलाओं के साथ न्याय चाहते हैं और उनके लिए आरक्षण भी चाहते हैं। लेकिन पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों के लिए कितना आरक्षण होगा? उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक में यह बताया जाना चाहिए कि अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी), दलित, अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) समुदाय की महिलाओं को दिए जाने वाले आरक्षण का कोटा क्या होगा। चौधरी ने यह भी बताया कि इस संबंध में फैसला दिल्ली में लिया जाएगा, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और डिंपल यादव दिल्ली में हैं। वर्ष 2009 में तत्कालीन सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने (प्रस्तावित) महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हुए इसे कठिन संघर्षों के माध्यम से लोकसभा तक पहुंचने वाले नेताओं के खिलाफ एक साजिश करार दिया था। उस वक्त सपा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही थी। सिंह के बयान के समर्थन में तत्कालीन जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) नेता शरद यादव ने तर्क दिया था कि अगर विधेयक आम सहमति के बिना पारित किया गया तो यह जबरन जहर देने के समान होगा। इस बीच, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने सोमवार को कहा था कि मंत्रिमंडल ने महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दे दी है, लेकिन उन्होंने एक घंटे के भीतर ही अपना यह पोस्ट सोशल मीडिया मंच एक्स से हटा लिया था। मंत्रिमंडल की बैठक में क्या चर्चा हुई, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि इसमें महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी गई है। पटेल ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था, सिर्फ (नरेन्द्र) मोदी सरकार के पास महिला आरक्षण की मांग को पूरा करने का नैतिक साहस है, जो मंत्रिमंडल की मंजूरी से साबित हो गया है। नरेन्द्र मोदी जी को बधाई और मोदी सरकार को बधाई। हालांकि, बाद में उन्होंने यह पोस्ट हटा लिया। पटेल, केन्द्र सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री हैं। सरकारी सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि मंत्रिमंडल ने विधेयक को मंजूरी दे दी है और उसे संसद में पेश किए जाने की संभावना है।

जौनपुर की शान और पहचान बनेगी राणा प्रताप की प्रतिमा

जौनपुर, एजेंसी

राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थित पार्क में बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की स्थापित होने वाली वाली गन मेटल की भब्य मूर्ति के लिए मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया गया। लोगो ने उनके जीवन गाथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्र प्रेम को युवाओ को अपने जीवन में उतारना चाहिए। समिति के सदस्यों ने बताया कि पार्क में स्थापित होने वाली गन मेटल की भब्य मूर्ति की कुल ऊचाई जमीन से 19 फिट होगी। छह फिट के चबूतरा पर तेरह फिट की ऊँची मूर्ति स्थापित की जाएगी। गन मेटल की मूर्ति की लागत लगभग चालीस लाख रुपया बताया जा रहा है। राजस्थान के जयपुर धूप संगमरमर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के प्रसिद्ध कलाकारो द्वारा बनाई जा रही महाराणा प्रताप की भब्य मूर्ति का चबूतरा मकराना के प्रसिद्ध मारवल पत्थर व दक्षिण भारत का काला ग्रेनाइट का रहेगा। दिन में दस बजे से ही सिविल इंजिनियर जनार्दन श्रीवास्तव की टीम ने स्थान का चयन किया। एक घंटे बाद समिति के सदस्यों द्वारा चयनित स्थान पर विधि विधान से पूजन अर्चन कराया गया। विद्वान ब्राह्मण ओम प्रकाश शुक्ल ने मंत्रोच्चारण किया।

हर्षोल्लास के साथ निकाली गई श्री गणेश शोभायात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर ।गणेश चतुर्थी पर हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा निकाली गई ।शोभा यात्रा का शुभारंभ विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने भगवान गणेश की आरती के साथ किया। शोभायात्रा श्री गणेश सेवा समिति के तत्वाधान में निकाली गई। जिसका जगह जगह स्वागत किया गया ।गौरतलब है कि श्री गणेश सेवा समिति के तत्वाधान में गणेश शोभायात्रा गणपति बप्पा मोरया,अगले बरस तू जल्दी आ जय घोष के साथ निकाली गई। समिति ने नगर में भव्य रूप से यात्रा का आयोजन किया ।यात्रा नगर में स्थित झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग पर भ्रमण करती हुई वापस शिवाला मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई ।यात्रा में सम्मिलित गजराज जी की सवारी, गणेश जी का भव्य रथ, अयोध्या का भव्य राम मंदिर, शिव परिवार, राम दरबार, भगवान गणेश की झांकी, बाबा केदारनाथ की झांकियां नगर वासियों का मन मोह रही थी। शोभा यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस क्षेत्राधिकारी श्वेताभ भास्कर, प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार, पीएसी बल तथा भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ।शोभा यात्रा में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजपाल सैनी, प्रतीक गोयल, वरुण अग्रवाल, नीरज कुमार, विशाल अग्रवाल, शुभम शर्मा, शिखर अग्रवाल, सार्थक गुप्ता, मनीष अग्रवाल, विकास अग्रवाल निक्की, अशोक कुमार, मोहित अग्रवाल, रिशु अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, सचिन गुप्ता,नितिन बंसल समेत भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण स्वीकृति पत्रों का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता,मनोज शर्मा

रहरा। ब्लाक खंड गंगेश्वरी के सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण स्वीकृति पत्रो का वितरण किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया ।इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के दिव्यांग व्यक्ति को 32 स्वीकृति पत्र दिए गए पांच देवीय आपदा स्वीकृति पत्र प्रधानमंत्री आवास में 6 अल्पसंख्या दो सामान्य आवास के स्वीकृति पत्रों का गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़क बंशी द्वारा वितरण किए गए ।इस अवसर पर एडीओ आईएसबी राजकुमार एडीओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार ग्राम विकास अधिकारी कपिल यादव ग्राम विकास अधिकारी विधित यादव ग्राम विकास अधिकारी दीपक कुमार अवध बिहारी दिनेश सैनी राहुल मावी पंकज कुमार संदीप कुमार सचिन कुमार ग्राम प्रधान पति नन्हे सिंह समरपाल सिंह लेखपाल आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने पर विचार करे सरकार: मायावती

लखनऊ, एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया और कहा कि सरकार को आबादी को ध्यामन में रखकर महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने पर विचार करना चाहिए। सरकार ने संसद के निचले सदन, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक ह्यनारीशक्ति वंदन विधेयकह्ल मंगलवार को लोकसभा में पेश किया। बसपा प्रमुख ने यहां पत्रकारों से कहा, ह्यह्यहमारी पार्टी को उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस बार यह महिला आरक्षण विधेयक जरूर पारित हो जाएगा, जो लंबे अरसे से लटका हुआ है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लइस संदर्भ में मैंने अपनी पार्टी की ओर से एक बार नहीं, बल्कि कई बार संसद में कहा कि लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उनकी आबादी को ध्यान में रखते हुए 33 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। सरकार को इस बारे में विचार करना चाहिए। मायावती ने कहा कि इस विधेयक में सीट निर्धारित करने के मापदंडों में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा उनकी पार्टी महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पारित कराने में मदद करेगी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष के शोर-शराबे के बीच ह्यसंविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया। नए संसद भवन में पेश होने वाला यह पहला विधेयक है। मेघवाल ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक महिला सशक्तीकरण से संबंधित विधेयक है और इसके कानून बन जाने के बाद 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सदस्यों की मौजूदा संख्या 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी और विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित हो जाएंगी।

महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए : सपा प्रमुख यादव

लखनऊ, एजेंसी

महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किये जाने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए। इससे पहले सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, जहां तक इस (महिला आरक्षण) विधेयक का सवाल है, हमारा रुख यह है कि इस विधेयक के तहत पिछड़ों को कितना आरक्षण मिलेगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा जब यह विधेयक पेश किया गया था तो हमने इसका विरोध किया था और आज जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे ला रही है, तो हम (उनसे) पूरी तरह सहमत नहीं हैं। चौधरी ने कहा, हम महिलाओं के साथ न्याय चाहते हैं और उनके लिए आरक्षण भी चाहते हैं। लेकिन पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों के लिए कितना आरक्षण होगा? उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक में यह बताया जाना चाहिए कि अन्य पिछड़ी जाति, दलित, अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) समुदाय की महिलाओं को दिए जाने व

संक्षिप्त खबरें

विश्वकर्मा पूजा सह दीक्षांत समारोह का आयोजन

मुंगेर। गत रविवार के दिन छोटी दौलतपुर स्थित आईटीआई कॉलेज में विश्वकर्मा पूजा कर दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया इसमें पूजा उपरांत सत्र 2021-23 के लिए पास आउट विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मैडल प्रदान किया गया इस अवसर पर नरेश प्रसाद सिंह गणेश मोदी प्राचार्य अरुण प्रकाश मल्ल सहित कालेज कर्मी मौजूद थे।

तेली, तमोली ,दांगी को अति पिछड़ी जाति से बाहर करने की साजिश : विनय कुमार गुड्डू

मुंगेर ।जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त अति पिछड़ों की एकजुट को छिन्न भिन्न करने की सोच के तहत तेली ,तमोली एवं दांगी जाति के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित राजनीतिक साजिश के इशारे पर विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी के द्वारा विरोध करने पर बिहार तेली साहू सभा के प्रदेश युवा अध्यक्ष विनय कुमार गुड्डू ने प्लीज विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि बिहार भर में अति पिछड़े जाति को आपस में लड़ने एवं फूट डालने की मंशा से साजिश रचा जा रहा है ' उन्होंने कहा कि जब सरकार के लोग ही बिहार सरकार के वर्ष 2015 ईस्वी में लिए गए निर्णय के खिलाफ सरकार को चुनौती दे रहे हैं ' विनय कुमार गुड्डू ने कहा कि अति पिछड़ों की सामूहिक एकजुट को खंडित करने का प्रयास किया जा रहा है । जबकि राजद ,कांग्रेस के समर्थन की सरकार के मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार ने तेली , तमोली और दांगी जाति के सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़े पन को ध्यान में रखकर अति पिछड़े वर्ग में शामिल करने का निर्णय लिया था ' प्रदेश युवा अध्यक्ष श्री गुड्डू ने कहा कि यथाशीघ्र बिहार सरकार से मिलकर समाज हित में आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

10 लीटर देसी महुआ शराब सहित शराब कारोबारी गिरफ्तार

संग्रामपुर (मुंगर)। मंगलवार को संग्रामपुर तारापुर मुख्य मार्ग चंद्रपुरा मोड़ के समीप वाहन चेकिंग के दौरान 10 लीटर देसी महुआ शराब सहित शराब कारोबारी थाना क्षेत्र के सरकटिया गांव निवासी रंजीत दास को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसके विरुद्ध मध निषेध अधिनियम कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में मुंगेर भेज दिया गया। वही शराब पीकर शोर शराबा कर रहे थाना क्षेत्र के कमरगामा गांव के दयानंद पासवान एवं बलिया गांव के शंकर कुमार सिंह को शराब के नशे में गिरफ्तार कर थाना लाया गया जिसे ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद सक्षम दंडाधिकारी के पास भेज दिया गया। उक्त जानकारी संग्रामपुर थाना अध्यक्ष रंजन कुमार ने दी। मंगलवार को संग्रामपुर तारापुर मुख्य मार्ग चंद्रपुरा मोड़ के समीप वाहन चेकिंग के दौरान 10 लीटर देसी महुआ शराब सहित शराब कारोबारी थाना क्षेत्र के सरकटिया गांव निवासी रंजीत दास को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसके विरुद्ध मध निषेध अधिनियम कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में मुंगेर भेज दिया गया।

एक महिला वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

संग्रामपुर । थाना क्षेत्र के बलिया गांव से छापेमारी कर संग्रामपुर पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार बलिया गांव निवासी सोनी देवी पति सचित साह के खिलाफ एक कांड में न्यायालय से वारंट निर्गत था। जिसे संग्रामपुर थाना पुलिस ने बीती रात छापेमारी कर घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जिला नियोजनालय के प्रांगण में जॉब कैंप का किया जाएगा आयोजन

मुंगेर। श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय मुंगेर के प्रांगण में आगामी 22 सितंबर 2023 को जॉब कैंप का आयोजन किया गया है। इस दिन 11:00 बजे दिन से 4:00 बजे शाम तक इच्छुक अभ्यर्थी जॉब कैंप में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन जमा करा सकते हैं तथा साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। जॉब कैंप में भाग लेने वाले आवेदक जिला नियोजन कार्यालय में आकर एनसीएस पोर्टल पर निबंध आवश्य कर ले। इससे उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसकी जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी मुंगेर मोहम्मद तौसीफ क्याम ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है उन्होंने बताया कि स्वभानत्रा माइक्रोफाइनांस प्राइवेट लिमिटेड ने फील्ड ऑफिसर, रिलेशन ऑफिसर, कलेक्शन एवं रिलेशनशिप ऑफीसर एसएमई पद पर योग अभ्यर्थी का चयन करेंगे। इसके लिए स्वभानत्रा माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड ने स्वभानत्रा फील्ड ऑफिसर के लिए 100 पद के विरुद्ध 12वीं पास और 20 से 28 वर्ष के बीच उम्र वाले अभ्यर्थी को 10200 रुपया मानदेय के साथ पीएफ एवं ईएसआईसी के साथ बिहार में काम करने के इच्छुक उम्मीदवार से आवेदन आमंत्रित किया है। रिलेशन ऑफिसर कलेक्शन के लिए कुल 20 पदों के विरुद्ध 12वीं पास या ग्रेजुएट उम्मीदवार जिनका उम्र 20 वर्ष से 28 वर्ष के बीच हो जिनका मानदेय 10200 रुपए के साथ पीएफ एवं ईएसआईसी के लिए चयन किया जाएगा।

गुरू शिष्य के रिश्ते को किया शर्मसार

विद्यालय प्रांगण में लगे सीसीटीवी कैमरे के जांच में आयी सत्यता के बाद विद्यालय प्रबंधन हुआ शर्मसार

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में अपराधियों के कारनामों का चर्चा का विषय बना हुआ तो वही क्षेत्र में दुष्कर्म जैसी वारदात की सूचना सामने आती रही हैं। इसी कड़ी में गुरू शिष्य के पवित्र रिस्ते को शर्मसार किये जाने का मामला पुनः सामने आया है। बताया जा रहा है कि शिक्षा के मंदिर में गुरू स्वरूप कलयुगी शिक्षक ने अपने ही शिष्या स्वरूप छात्रा के साथ छेड़छाड़ किये जाने का मामला सामने आते ही शिक्षा के पवित्र मंदिर में एक चर्चा का विषय बना हुआ है। वही घटना को लेकर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक प्राइवेट स्कूलों में एक जानेमाने सेंट जोसेफ स्कूल प्रांगण में नामांकित नाबालिग छात्रा के साथ विद्यालय के ही दो शिक्षकों ने छेड़खानी मामले में स्थानीय थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार दोनों शिक्षकों के विरुद्ध उक्त स्कूल की एक छात्रा के साथ छेड़खानी करने और दुष्कर्म प्रयास की कोशिश किये जाने का आरोप छात्रा के अभिभावकों द्वारा मामला दर्ज कराया है। वही पुलिस जांच के मुताबिक दोनों टीचरों की गंदी करतूत स्कूल प्रांगण में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी थी, जिसके आधार पर दोनों शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वही आरोपी शिक्षक के विरुद्ध पुलिस ने पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि हवस के दरिंदों का शिकार बनी 14 वर्षीय पीड़ित छात्रा स्थानीय सेंट जोसेफ स्कूल की 9वीं कक्षा में की छात्रा है, जो घटना के बाद से काफी डिप्रेशन में चली गयी थी। वह किसी से बातचीत भी नहीं कर रही थी, पिता ने जब उससे इस संबंध में बात की तब उसने अपनी आपबीती घटना से अवगत कराने के साथ बताई। जिसके बाद पिता ने उक्त आरोपी शिक्षकों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगायी थी। वही पीड़िता छात्रा के पिता के थाना में आवेदन दिये जाने के बाद हरकत में आई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई के तहत दोनों शिक्षकों की गिरफ्तारी के लिए स्कूल प्रांगण पहुंचे जहां पुलिस ने स्कूल प्रांगण में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच प्रक्रिया शुरू करने के साथ साथ दोनों शिक्षक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है, फिलहाल आगे की कार्रवाई में पुलिस जुट गयी है। गिरफ्तार शिक्षकों में एक स्पोर्टस का टीचर मुकेश कुमार है तो दूसरा फिजिकल ट्रेनर प्रिंस यादव बताया जा रहा है। वही लालमटिया थाना परिक्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में बतौर शिक्षक पद पर नियुक्त हैं, जबकि दोनों शिक्षक विश्वविद्यालय के साहेबगंज इलाके के रहने वाले है। मुकेश कुमार तो जिला बास्केट बॉल संघ का सचिव पद पर कार्यरत है।

वही घटना को लेकर मिली जानकारी के तहत विगत 27 अगस्त की बतायी जा रही है जब स्कूल के दो टीचर ने नाबालिग छात्रा को एक कमरे में बुलाया और छेड़खानी करने लगे। पीड़िता ने अपने पिता को बताया कि दोनों टीचर दुष्कर्म की कोशिश करने लगे थे। किसी तरह वह कमरे से निकल भागी और डर के कारण किसी से इस घटना की चर्चा नहीं की। वही स्कूल प्रशासन ने जब सीसीटीवी फूटेज की जांच की तो बच्ची द्वारा लगाये गये शिक्षक के विरुद्ध आरोप सत्यता सामने आई थी, जिसके बाद आरोपी शिक्षकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया शुरू करने की कवायद में जुट गई है। वही पुलिस ने दोनों शिक्षक को मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

टाप टेन में शामिल कुख्यात अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे : एसडीपीओ

पुलिस टीम को अपराधी गिरफ्त में आने से मिली बड़ी सफलता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला के टाप 10 मे शामिल कुख्यात अपराधी पंकज यादव उम्र 39 वर्ष पिता रामोतार यादव साकिन लकडाकोल थाना पीरपैंती जो विगत एक दशक से अधिक समय से अपराध कर गिरफ्तारी से बचते चले आ रहे थे, जो भागलपुर जिला के पुलिस अपराध पंजी में दर्ज अपराधियों की सूची में टाप 10 कुख्यात अपराधी के रूप में शामिल हैं।

इनके विरुद्ध पीरपैंती थाना में लूट, डकैती, हत्या, आर्म्स एक्ट के लगभग कुल 14 मामले दर्ज है और वही उक्त अपराधी पंकज यादव के विरुद्ध सीमावर्ती राज्यों के कई थानो में भी अपराध के कई मामले दर्ज है, जिस में काफी समय से फिरार चल रहें हैं । वही वर्तमान में अपराधी पंकज यादव ने पीरपैंती थाना क्षेत्र के ग्राम शेरमारी से एक बुजुर्ग के पास से एक लाख रुपया नगद, एक मोबाइल, अन्य कागजात लूट की वारदात को अंजाम दिये जाने के मामले में फिरार चल रहे थे, जो एक सकीय रूप में अपने अपराधीक वारदात को अंजाम दे चल रहा था। जिनके गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतू वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कहलगांव के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम गठित की गई थी। उक्त आशय की जानकारी एसडीपीओ कहलगांव कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी दी। इसी क्रम में एसडीपीओ कहलगांव ने कहा कि गठित एसआईटी टीम में शामिल पुलिस कर्मियों में कहलगांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक पीरपैंती अंचल, कहलगांव थानाध्यक्ष श्रीकांत भारती, पीरपैंती थानाध्यक्ष राज कुमार प्रसाद, पीरपैंती एलटीएफ प्रभारी नीलमणी कुमार, उक्त कांड के अनुसंधानकर्ता पुअनि कन्हैया कुमार, विक्रम कुमार,प्रशिक्षु पुअनि बबलू कुमार, अरविंद कुमार, पुअनि सुप्रिया कुमारी एंव सशस्त्र बल सि. 1094 मनोज सिंह, सि. 1788 रवि रंजन कुमार, सि. 1797 लाल बहादुर कुमार सि. 825 पंकज कुमार शामिल है। जिन्होंने अपने अपने कुशल नेतृत्व में अपराधी की गिरफ्तारी को सफलता पूर्वक कार्य निर्वाह किया है, जो काफी सराहनीय है।

मंदिर मस्जिद के नाम पर देश में जहर फैलाकर अपनी रोटी सेक रही मोदी सरकार : मंजर खान

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । केंद्र की सत्ता में बैठी मोदी सरकार ने देश को बर्बाद कर रख दिया है। अहिंसा, उत्पीड़न, असमानता जैसी स्थिति भारत की वर्तमान पहचान बन गयी है। देश में हर ओर अराजकता का दौर है। उक्त बातें राष्ट्रीय जनता दल के नेता मंजर खान ने एक प्रेस बयान जारी कर कही है। उन्होंने कहा कि गरीबों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों, शोषितों, वंचितों, अल्पसंख्यकों को स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार बाबा साहेब के संविधान के कारण मिला है। आज महिलाओं को जीने का, पढ़ने का अधिकार समेत सभी अधिकार बाबा साहेब की वजह से मिला है लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार संविधान को ही समाप्त करना चाह रही है। भाजपा अपने नौ साल में सत्ता रहकर अपने सबका साथ सबका विकास के वादों को भूलकर हिन्दू मुस्लिम, मंदिर मस्जिद के मुद्दों को उठाकर देश में जहर फैलाने का काम कर रही है। आज देश के सभी संस्थाओं को कौड़ी के भाव में दो गुजराती बेच रहा है और दो गुजरती अडानी और अम्बानी खरीद रहा है जिसके कारण आज बेरोजगारी चरम पर है। लगातार लिए गये एक से बढकर एक गलत नीति की वजह से अप्रत्याशित महंगाई से देश की जनता में हाहाकार मचा हुआ है। लोगों के अंदर धर्म और विद्वेष की जहर का संचार किया जा रहा है ताकि इनकी राजनीतिक रोटी चलती रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार सरकार जो विकासात्मक कार्यों में लगी है, उसमें विघ्न पैदा कर रही है। देश की एकता और अखंडता पूरी तरह से खतरे में दिख रही है। 2024 इस फूट डालो राज करो वाली मोदीरुपी एनडीए सरकार की विदाई पूरी तरह से तय है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत भाजयुमो ने लगाया रक्तदान शिविर

पूर्णिया । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निदेर्शानुसार "सेवा पखवाड़ा" कार्यक्रम देश में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जा रहा है। जिसके निमित्त भाजयुमो पूर्णिया जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय, राजेन्द्र नगर, मधुबनी पूर्णिया में रक्तदान शिविर लगाया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा की इस सेवा पखवाड़ा को जिले के विभिन्न मंडलों तक लेकर जायेंगे। जिस तरह मोदी जी पंक्ति के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को केंद्रीय योजना का लाभ पहुंचाते हैं उसी तरह यह सेवा पखवाड़ा भाजयुमो के सेवा भाव को प्रदर्शित करेगा। प्रधान सेवक के नेतृत्व में युवा देश की दशा और दिशा को बदल कर रखेगा और आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर सदर विधायक विजय खेमका, भाजपा पूर्णिया जिलाध्यक्ष राकेश कुमार, भाजपा नेता राजेश यादव, विनोद कुमार समेत अन्य ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्त्ता बंधु उपस्थित रहे।

पुल पर मवेशी बांधने से छात्र-छात्राओं को हो रही परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। प्रखंड के पोड़िया कुआंगढी में बेलहरनी नदी पर बने पुल पर गांव के ही दबंग लोगों द्वारा दर्जनों भैंस-गाय बांधते हैं। इससे पुल पार करने वाले आम लोगों को भारी परेशानी झेलना पड़ता है,जबकि स्कूल आने -जाने वाले छात्र छात्राओं को भी गाय भैस की डर बनी रहती है।स्थानीय दर्जनों ग्रामीणों ने नाम नही छापने के शर्त पर बताया कि अगर प्रशासन ध्यान नही देगें तो किसी दिन बहुत बड़ा घटना घट सकती है।

कहते हैं ग्रामीण : एक ग्रामीण ने बताया की थाना और अंचल को भी इस संबंध में आवेदन दिया गया था, लेकिन अबतक किसी भी पशुपालकों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही हुई है।

कहते हैं अंचल अधिकारी : अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम ने कहा की जल्द ही मवेशी पालको को नोटिस देकर बुलाया जायेगा। नोटिस से पशुपालकों के द्वारा पुल पर से मवेशी को नहीं हटते हैं तो उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार की दी गयी सम्मान पूर्वक विदाई

नये पुलिस उपाधीक्षक संदीप गोल्डी का किया गया सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

धमदाहा / पूर्णिया । धमदाहा वासियों के द्वारा मुझे जो मान-सम्मान-प्रतिष्ठा मिला उसकी जितनी भी कल्पना करें वह काम होगा। सरकारी सेवा के दौरान लोगों का स्थानांतरण एवं पदस्थापित एक जगह से दुसरे जगह सरकारी नियमानुसार होते रहता है। धमदाहा के लोग सरल निश्चल व्यक्तित्व के धनी है। इसके लिए मैं धमदाहा अनुमंडल वासियो का शुक्रगुजार और आभार व्यक्त करता हूँ सदा मेरे दिलों में रहेंगे। उक्त बातें विदाई समारोह में तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार ने संबोधित किया। नव पदस्थापित पुलिस अधीक्षक संदीप गोल्डी के आगमन पर सम्मान व तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार का विदाई समारोह धूमधाम से किया गया। विदाई समारोह का आयोजन धमदाहा अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार के अध्यक्षता में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार अतिविशिष्ट अतिथि नव पदस्थापित पुलिस उपाधीक्षक संदीप गोल्डी थे। समारोह को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार ने कहा पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार सरल स्वभाव मृदुभाषी खिलता हुआ चेहरा धनी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कहा किसी भी स्थिति परिस्थिति में किसी कार्य को बड़ी सरला से निपटा लेते थे। सरकारी सेवा में लोगों को आना-जाना लगा रहता है लेकिन अपने दायित्व का निर्वाह करना सबसे कठिन कार्य होता है। उन्होंने कहा रमेश कुमार के साथ बहुत कम समय में बहुत अधिक कार्य करने का अनुभव हुआ तरह अपने दायित्व एवं कार्य को सदा हंसते हुए मुस्कुराते हुए कर्तव्यनिष्ठा करते रहे यही मेरा शुभकामना है। नव पदस्थापित पुलिस उपाधीक्षक से आशा रखता हूं कि अपने कार्य एवं कर्तव्य के निष्ठा के प्रति धमदाहा में अमन चैन सौहार्दपूर्ण वातावरण को कायम रखने में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दे। अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी आशुतोष कुमार मिश्रा ने कहा सरकारी सेवा में आना एवं सेवा के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना किसी भी अधिकारी के लिए महत्वपूर्ण मायने नही होता है अपने काबिलियत को लोगों के बीच निखरना यह सबसे महत्वपूर्ण है। बहुत कम समय साथ में काम करने का मौका मिला लेकिन इतने दिनों में जो अनुभव मुझे प्राप्त हुआ है उनकी जितनी तारीफ करें वह काम होगा अपने सरल स्वभाव व्यक्ति के धनी थे जहां भी जाएंगे इसी तरह से यह अपने कार्य को निष्पादन करते रहेंगे। मधेपुरा पुरानी प्रखंड के पंचायत समिति सदस्य दिनेश कुमार ने उनकी काफी चर्चा किया नगर पंचायत धमदाहा के मुख्य पार्षद, उपमुख पार्षद, जदयू प्रखंड अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि सहित गण्यमान्य लोगों ने तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार की भूरि भुरि प्रशंसा किए। धमदाहा थानाध्यक्ष कुमार अभिनव एवं भवानीपुर के अंचलाधिकारी धमदाहा अंचालाधिकारी रवि पासवान बीडीओ प्रकाश कुमार पंचायत राज पदाधिकारी चंदन कुमार पूर्णिया जिला के पुलिस संगठन के कोषाध्यक्ष सुष्मिता कुमारी ने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों के काफी प्रशंसा किए। मौके पर धमदाहा भवानीपुर मीरगंज रुपौली बी कोठी टीकापट्टी सहित सभी थाना के पुलिस थानाध्यक्ष मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देश की गद्दी पर बिठाने का जदयू नेताओं ने लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ बनमनखी । बनमनखी नगर परिषद जदयू कार्यालय परिसर में कार्यक्रम का प्रारूप जदयू के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार के निर्देश पर जाति आधारित गणना के विरोधी भाजपा के खिलाफ पोल खोल अभियान के तहत काला दिवस मनाया गया। काला झंडा और काला बिल्ला लगाकर जदयू के सेंकडों कार्यकताओं ने विरोध-प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया। जिसकी अध्यक्षता नगर परिषद जदयू के अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता ने किया। काला दिवस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्णिया जदयू के जिला प्रवक्ता प्रदीप कुमार मेहता ने कहा कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार गरीबों और युवाओ का घोर विरोधी है। उन्हे देश के युवाओ को पिछले नौ वर्षो सिर्फ ठगने का काम किया है और गरीबों के वेरोजगारी से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा वाले धार्मिक उन्माद फैलाकर समाज तोड़ने का काम करने पर विश्वास करती है। इधर जदयू के वरिष्ठ नेता सह जदयू के दलित प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश पासवान ने कहा कि भाजपा भगाओ-देश बचाओ का नारा देते हुए कहा मोदी सरकार हटाओ-लोकतंत्र बचाओ इतना ही नहीं उन्होने कहा भाजपा गरीब मजदूर शोषित वंचित समाज और बाबासाहेब भीम राव अम्बेदकर के द्वारा लिखे गए संविधान का घोर विरोधी है और उसे बदलना चाहते है।

भाजपा सरकार कभी भी हम दलितों को आगे बढाना नहीं चाहता है ये सिर्फ अमीरों और पूंजीपतियों की पार्टी है उन्हे देश लोकतंत्र से कोई मतलब नहीं है। इधर नगर परिषद जदयू के प्रवक्ता अशोक पोद्दार ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार मध्यमवर्गीय और व्यावसायियों का घोर विरोधी है। हम छोटे -छोटे व्यवसायियों जीएसटी और सीएसटी के माध्यम से हम सभी छोटे व्यवसायिक को लूटने का काम किया है महगाई और वेरोजगारी चरम सीमा पर है। फिर इधर नगर परिषद पार्षद सह जदयू के नगर परिषद उपाध्यक्ष शिव नारायण साह ने कहा कि मोदी सरकार को देश के विकास और रोजगार उसे कोई मतलब नही है उसे अपना हर जगहों पर फोटो लगवाने में मस्त रहते है इसलिए हम सभी जदयू के समर्पित कार्यकर्ताओ ने ठाना है देश से भाजपा को भगाना है देश के गद्दी पर नीतीश कुमार को बैठाना है।काला दिवस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जदयू के जिला प्रवक्ता प्रदीप कुमार मेहता, जदयू के वरिष्ठ नेता सह जदयू दलित प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश पासवान, मुकेश चौधरी इत्यादि लोग मौजूद थे।

केंद्रीय गृह सह सहकारिता मंत्री का सदर विधायक विजय खेमका ने किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । भारत नेपाल सीमा जोगबनी में स्थित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट पर बीजीएफ आवासीय नव निर्मित भवन के उद्घाटन आगमन पर पूर्णिया सदर विधायक विजय खेमका ने देश के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सदर विधायक ने सीमांत क्षेत्र पूर्णिया के विकास के लिए एक मांग पत्र भी सौंपा। ८

ात्र में विधायक ने बिहार सकरार की निष्क्रियता से लंबित पूर्णिया चुनापुर हवाई अड्डा को दरभंगा पैटर्न पर शीघ्र चालू करने का आग्रह किया। वहीं पूर्णिया में एसएसबी कैम्प निर्माण के साथ साथ पूर्णिया से पटना तथा मुंबई, चेन्नई दिल्ली की रेल गाड़ी चलाने की मांग की। विधायक खेमका ने केन्द्रीय मंत्री से प्राचीन पूर्णिया के रास्ते एक राजधानी ट्रेन का परिचालन तथा बन्दे भारत ट्रेन सुविधा पूर्णिया प्रमंडल वासी को देने की बात कही है। विधायक ने कहा जोगबनी इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट स्थित 27 करोड़ की लागत से बने आवासीय भवन तथा बथनाहा 56 वीं वाहनी मुख्यालय में 35 करोड़ रुपए की लागत से नव निर्मित भवन का उद्घाटन केन्द्रीय मंत्री अमित साह जी ने किया। सदर विधायक ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश विकास की ओर अग्रसर है तथा भारत का सम्मान आज विश्व में काफी बढ़ा है। एक और देश की सीमाएं सुरक्षित हुई है तो सीमाओं पर जावानों की सुविधाएं बढाई गयी है।

भारत की जनता का अटूट विश्वास मोदी जी पर है। सीमांत क्षेत्र पूर्णिया कोसी मिथिला अंग सहित बिहार के चालीसों सीट सहित लोकसभा चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी तथा पुनः देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनेंगे।

वार्डो में व्यापक स्तर जारी है फॉगिंग सह जागरूकता अभियान : डीएम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में आकस्मिक डेंगू रोग एवं मौसम जनित अन्य रोगों से बचाव हेतु किए जा रहे प्रयासों अंतर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान संबंधित पदाधिकारी को दिए गए निदेशानुसार नगर निगम द्वारा क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न वार्डो में व्यापक स्तर पर फॉगिंग अभियान का लगातार संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में समाचार लिखे जाने तक वार्ड नंबर 28, 50, 33, 03, 19, 22, 25, 45, 31, 35, 18, 27, 02, 17, 34, 36, 45, क्षेत्र इलाके में व्यापक स्तर पर फोगिंग कार्य का संचालन किया गया हैं। वही नगर निगम द्वारा संचालित जागरूकता रथ के माध्यम से भी विभिन्न वार्डों में डेंगू से बचाव हेतु अपेक्षित कार्यों के संबंध में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वही रोग बचाव को लेकर जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को भी डेंगू से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों सहित आसपास के इलाके में संबंधित एमओआईसी से समन्वय स्थापित कर लगातार फोगिंग कार्य के संचालन का दिशा निदेश दिया गया है। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा उक्त पारित आदेश का सतत पर्यवेक्षण कर रिपोर्ट समर्पित किया जाना है। वही उक्त डेंगू रोग को लेकर जिलाधिकारी ने नगर निगम, नगर पंचायत, नगर परिसद, प्रखंड क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर तरीके से चुस्त दुरूस्त करने का दिशा निदेश दिया गया है।किसी भी स्तर पर लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा, तदनुसार लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारी व कर्मचारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कारवाई की बात कही है।

एक युवक का पेड़ से लटका मिला शव

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)।शाहकुंड थाना परिक्षेत्र स्थित शाहकुंड पहाड़ के सटे शीतला स्थान मंदिर के समीप एक पेड़ से एक 25 वर्षीय युवक का शव झूलता हुआ बरामद किया है। वही शव की मिलने की सूचना पर आसपास के इलाके में रह रहे ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची शाहकुंड थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा व उनकी पुलिस टीम पहुंच कर मृतक युवक के शव को पेड़ से नीचे उतार कर अपने कब्जे में ले मृतक युवक के शव की पहचान व जांच प्रताल में जुट गई। वही पुलिस ने मृतक युवक की पहचान बेलथू पंचायत गांव के मुसहरी महतो के 25 बर्षीय पुत्र धर्मवीर कुमार के रूप में हुई है। वही घटना को लेकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है कि मृतक युवक को अपराधियों द्वारा हत्या को अंजाम दे, साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य को लेकर आत्महत्या का रूप दे शव को पेड़ से लटका दिया गया है। वही मृतक युवक के शव को देखने के लिए आसपास के गांव भीड़ लग गया है। वहीं शाहकुंड पुलिस घटनास्थल व आसपास के इलाके की शिनाख्त जांच के साथ साथ आवश्यक कागजी कार्रवाई प्रक्रिया पूरी कर मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया है। वहीं पुलिस हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने हेतू दोनों पहलुओं पर बारीकी से जांच करने में जुटी हुई है।

अवैध हथियार कारोबारी 03 पिस्टल एवं 20 कारतूस के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले में हथियार तस्करों का बोलबाला है पुलिस के आंखों में धूल झोंक कर इन दोनों हथियार के कारोबारी हथियार की तस्करी कर रहा है। गत रविवार के दिन मुफस्सिल थाना पुलिस ने सदर प्रखंड कार्यालय के समीप वाहन चेकिंग के दौरान एक हथियार कारोबारी को गिरफ्तार किया। उसके पास से तीन पिस्टल व 20 कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर मिजार्पुर बरदह गांव के रहने वाला है जो अवैध हथियारों की डिलीवरी दूसरे कारोबारी को देने जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए अवैध हथियार के कारोबारी अवैध हथियार मामले में जेल जा चुका है। पुलिस अधीक्षक जगरनाथ रेड्डी जलाल रेड्डी ने बताया कि मुफस्सिल थाना अध्यक्ष दलजीत झा को सूचना मिली थी कि एक हथियार कारोबारी भारी मात्रा में अवैध हथियार लेकर बारात हद से निकला है जो हथियारों की डिलीवरी देने जा रहा है इस सूचना के आधार पर पुलिस ने सदर प्रखंड कार्यालय के समीप सीता कुंड मुंगेर मार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान वाहन चेकिंग करके पुलिस को देखकर एक युवा के ऑटो गाड़ी से कूद कर भागने लगा। एसपी ने बताया कि पुलिस उसे खरीद कर पकड़ा और तलाशी लिया गया तलाशी के दौरान कारोबारी के पास से तीन पिस्टल 20 कारतूस मिला है। पुलिस ने तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार हथियार कारोबारी ने पुलिस को बताया कि वह बड़ा आधार गांव से हथियार 20000 में खरीदना है और उसे दूसरे जगह पर 25 से 30000 में बेच देता है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी पहले भी 2014 में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है।

सात दिवसीय लिपिक के कार्य कुशलता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर समाहरणालय म

करीना के साथ रोमांटिक सीन करने में नर्वस थे विजय

करीना कपूर खान, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत स्टारर फिल्म 'जाने जान' जल्द ही रिलीज होने वाली है। ऐसे में तीनों एक्टर्स इन दिनों अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। वहीं हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान विजय ने बताया कि वह करीना के साथ रोमांटिक सीन के दौरान बेहद नर्वस हो रहे थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह उन सीन्स को कैसे करें। दरअसल, विजय हाल ही में शहनाज गिल के चैट शो में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे करीना से साथ काम करने के एक्सपीरियंस को लेकर सवाल किया गया, इसपर एक्टर ने बताया कि करीना कपूर एक शानदार एक्ट्रेस हैं। वह जभी भी जयदीप अहलावत या उनकी ज्यादा तारीफ करती हैं तो दोनों शर्मा जाते हैं। विजय ने आगे कहा– 'हमने हम हमेशा से उनकी फिल्में देखते आए हैं। उनकी परफॉर्मेंस पर सीटियां बजाई हैं, उनकी खूबसूरती के दीवाने रहे हैं। जब वह शख्स आपके काम की तारीफ करता है, जिसे आप हमेशा से पसंद करते हैंज्तो ऐसे में थोड़ा अजीब सा लगता है। लेकिन आप उन तारीफों को भी एंजॉय करते हैं।'

करीना के साथ रोमांटिक सीन करने में नर्वस था

बातचीत के दौरान शहनाज गिल ने कहा कि करीना कपूर हमेशा से कई लोगों का क्रश रही हैं। उनके साथ रोमांटिक सीन्स करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा? इस पर विजय ने कहा– फिल्म में एक सीन है, जिसमें वह मुझे बेहद रोमांटिक अदाओं के साथ देखते हुए गाना रही हैं। जैसे ही वह सीन आया, मेरे तो पसीने छूट गए। उस सीन को करते वक्त मैं नर्वस हो गया था। मेरे लिए उस सीन को शूट करना वाकई मुश्किल था। शहनाज ने कहा करीना बेहद हॉट हैं। इस विजय बोले– वह बेहद करिश्माई भी हैं। जब वह परफॉर्म करती हैं, तो बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके पास बहुत खास अदाएं हैं।

जेलर की रिकॉर्डतोड़ सक्सेस के बाद टेंशन में रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की हालिया रिलीज जेलर ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है। हर तरफ जेलर के नाम का डंका बज रहा है। लगातार दो फ्लॉप के बाद एक बार फिर थलाइवा का मैजिक देखने को मिला। फैंस के साथ–साथ रजनीकांत भी जेलर की रिकॉर्डतोड़ सफलता से काफी खुश हैं। पर उनकी यह खुशी ज्यादा दिन नहीं टिक सकी। अब रजनीकांत डर गए हैं। हर पल डर का साया उनका पीछा करता है। आखिर ऐसा क्या हुआ? रजनीकांत ने हाल ही इस बारे में जेलर की सक्सेस मीट में बात की। रजनीकांत ने जेलर की तुलना अपनी ही क्लासिक हिट गैंगस्टर ड्रामा बाशा से की, जो 1995 में आई थी। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। उसी तरह जेलर ने भी कहर ढाया हुआ है। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन गई है।

तमिल सिनेमा में रिकॉर्ड बनाने वालीं रजनीकांत की फिल्में

वहीं दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तमिल फिल्म रजनीकांत की ही 2.0 है। रजनीकांत ने इसी पर बात की कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के साथ कैसे सफलता का बेंचमार्क पार करते जा रहे हैं।

डर गया हूं, टेंशन में हूं

रजनीकांत ने जेलर की सक्सेस मीट पर कहा कि फिल्म की इतनी जबरदस्त सक्सेस के बाद उनकी खुशी सिर्फ पांच दिनों तक ही बरकरार रही। अब वह हमेशा इस डर के साये में हैं कि इससे बड़ी या इसके बराबर की सफलता वह भविष्य में कैसे हासिल करेंगे। रजनीकांत ने कहा, क्या भविष्य के मेरे प्रोजेक्ट्स को इतनी ही सक्सेस या इससे बड़ी सक्सेस मिलेगी? मैं सच में बहुत डर गया हूं।

दिल्ली के सुल्तान के लिए मैंने 200 से ज्यादा आउटफिट पहनें

एक्ट्रेस मौनी रॉय, जो अपनी पहली स्ट्रीमिंग सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें एक बेहद स्टाइलिश किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। अपने किरदार के लिए उन्हें 200 आउटफिट्स और अपने बालों के साथ कई सारे एक्सपेरिमेंट करने पड़े। मौनी क्लासिक, खूबसूरत ड्रेस और हेयर–स्टाइल के साथ रेट्रो वाइब अपनाती नजर आएंगी। सुल्तान ऑफ दिल्ली अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर बेस्ड है। यह स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई एक लार्जर दैन लाइफ मास एंटरटेनर है। इसमें अनुप्रिया गोयनका, हरलीन सेठी और महरीन पीरजादा के साथ ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, अनुभवी अभिनेता विनय पाठक और निशांत दहिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपने लुक और किरदार के बारे में बात करते हुए मौनी ने कहा, हर एक लड़की को सजने–संवरने और एकदम अलग दिखने में मजा आता है। सुल्तान ऑफ दिल्ली में मुझे नयनतारा के रूप में हर एपिसोड में अपनी स्टाइल और कलर स्कीम का बदलने का मौका मिला। किरदार के लिए परफेक्ट लुक ढूंढना बेहद मुश्किल काम है और मैंने 200 से ज्यादा आउटफिट्स पहनीं है और अपने बालों के साथ भी कई एक्सपेरिमेंट किए है। उन्होंने आगे कहा, 10 से ज्यादा टेस्ट–लुक आजमाने के बाद, आखिरकार हमें वह मिल गया जो हम चाहते थे। नयनतारा अपने तरीके से कहानी में काफी ग्लैमर और चमक लाती हैं। यह पहली बार है जब मैं 60 के दशक का लुक अपना रही हूं और दर्शकों को मेरा यह पक्ष दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

गर्लफ्रेंड संग जन्नत–ए–कश्मीर में छुट्टी मना रहे हैं ईशान खट्टर

ईशान खट्टर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे हैंडसम एक्टर्स में से एक हैं। उनके लाखों में फैंस हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि ईशान ने जान्हवी कपूर के साथ फिल्म धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। एक्टर की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो ईशान अपनी लव लाइफ में काफी अनलकी रहे हैं। पहले ऐसी अटकलें थीं कि ईशान पहले जान्हवी को डेट कर रहे थे। हालांकि उन दोनों ने कभी भी रिश्ते में होने की बात नहीं मानी, लेकिन यह बताया गया कि उन्होंने जल्द ही रिश्ता तोड़ दिया। बाद में, ईशान ने अनन्या पांडे को डेट करना शुरू कर दिया, लेकिन वे भी अलग हो गए। ईशान की मौजूदा लव लाइफ के बारे में बात करें, तो कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि एक्टर लाइफ में आगे बढ़ गए हैं और उन्हें मलेशियाई मॉडल चांदनी बेंज में अपना प्यार मिल गया है। हालांकि दोनों ने इस बारे में खुलकर बात नहीं की है, लेकिन उनके हालिया इंस्टा पोस्ट ने अटकलों के सही होने का संकेत दिया है। 17 सितंबर, 2023 को अपने इंस्टाग्राम पर ईशान खट्टर ने कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें ट्यूलियन झील की खोज के दौरान पहाड़ों से ढकी जगह पर समय बिताते हुए देखा गया। तस्वीरें शेयर करते हुए ईशान ने बताया कि उनके पास कौन से काम थे, जैसे कि चढ़ाई, लंबी पैदल यात्रा और ट्रैकिंग। ईशान ने लिखा, 13 से अधिक घंटे की कठिन चढ़ाई और लंबी पैदल यात्रा करते हुए मेरी मौत हो गई। लेकिन अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलती क्योंकि जिंदगी बार–बार जन्नत–ए–कश्मीर दोहराती है।

दूसरी ओर, ईशान खट्टर की कथित गर्लफ्रेंड चांदनी बेंज ने इंस्टा हैंडल पर एक रील डाली, जिसमें वो घोड़े की सवारी करते हुए दिखाई दे रही हैं। वीडियो में लिखा है, ट्यूलियन झील के रास्ते में। वीडियो में, हम चांदनी को जगह पर पोज देते हुए ट्रैकिंग करते हुए देख सकते हैं, जैसा हमने ईशान की तस्वीरों में देखा है।

शहनाज गिल ने कनाडा में अटैंड किया टोरंटो फिल्म फेस्टिवल

हाल ही में शहनाज गिल ने कनाडा में टोरंटो फिल्म फेस्टिवल अटैंड किया। इस फेस्टिवल में शहनाज अपनी अपकमिंग फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग की पूरी कास्ट के साथ शामिल हुईं। इस दौरान उनकी फिल्म का प्रीमियर भी हुआ। फेस्टिवल के दौरान शहनाज ने अपने फैंस से पंजाबी में बातचीत भी की। इससे जुड़े वीडियोज सोशल मीडिया पर आए हैं।

मैं हैप्पीनेस हूं और मैं हर जगह हूं

वीडियो में शहनाज गिल स्टेज पर बैठी हुई हैं और पंजाबी में बातचीत कर रही हैं। वीडियो में शहनाज कह रही हैं– मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई और रिया कपूर और अनिल कपूर के प्रोडक्शन में बन रही किसी फिल्म में काम करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस पर फैंस लगातार दूर से ही आई लव यू शहनाज बोल रहे हैं। आगे शहनाज ने कहा– तुझे मुझे प्यार करना ही पड़ेगा, क्योंकि मैं हैप्पीनेस हूं और मैं हर जगह हूं। शहनाज ने ये भी कहा कि वो अपने फैंस को किसी और के साथ बांट नहीं सकतीं। एक वीडियो में शहनाज स्टेज पर खड़ी हैं और ऑडियंस से एक–एक करके उनके मोबाइल फोन लेकर उनके साथ सेल्फी क्लिक करती दिखाई दे रही हैं। शहनाज ने रेड कार्पेट पर वॉक करते हुए अपने एक फैन को ऑटोग्राफ भी दिया।

फिल्म में लीड रोल में दिखेंगी भूमि पेडनेकर, कुशा कपिला

फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में शहनाज गिल के साथ भूमि पेडनेकर, शिबानी बेदी, डॉली सिंह, कुशा कपिला और अनिल कपूर नजर आएंगे। फिल्म को रिया कपूर और अनिल कपूर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रिया कपूर के पति करण बूलानी फिल्म के डायरेक्टर हैं। फिल्म का स्क्रीनप्ले राधिका आनंद और प्रशस्ति सिंह ने लिखा है।

मीका ने बताई आकांक्षा से शादी ना करने की वजह

सिंगर मीका सिंह ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने आकांक्षा पुरी से शादी क्यों नहीं की। दरअसल, मीका ने पिछले साल रियलिटी शो स्वयंवर- मीका दी वोटी में आकांक्षा पुरी को अपनी लाइफ पार्टनर के तौर पर चुना था। हालांकि, स्वयंवर के बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए।

दोस्त लंबे समय से शादी का प्रेशर बना रहे थे

इंटरव्यू में मीका ने हाल ही में अपने और आकांक्षा के इस फैसले के बारे में बात की। मीका ने आगे बताया कि वह सच में शादी करना चाहते थे। इतना ही नहीं उनके दोस्त भी लंबे समय से उनपर शादी का प्रेशर बना रहे थे। इसलिए उन्होंने स्वयंवर- मीका दी वोटी का हिस्सा बनने का फैसला किया।

हम एक साथ रहने के लिए नहीं बने

मीका ने आगे कहा– आकांक्षा को अपने लाइफ पार्टनर के तौर पर चुनने के बाद, मुझे अहसास हुआ कि हम एक–दूसरे के साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। मैं एक गायक, म्यूजिक कंपोजर हूं और वो एक एक्ट्रेस हैं। मैं अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट्स के चक्कर में दुनिया भर में ट्रेवल करता रहता हूं। जबकि वह अपने प्रोजेक्ट्स के कारण एक जगह ही रहती हैं।

हमारा काम बहुत अलग है

उन्होंने कहा– 'मुझे लगा कि अगर वह एक सिंगर भी होतीं, तो हम साथ में कोलैबोरेशन कर सकते थे। हम एक साथ ट्रेवल कर सकते थे। लेकिन क्योंकि वह एक एक्ट्रेस हैं और हमारा काम एक–दूसरे से बहुत अलग है, इसलिए हमने शादी करने के बजाए दोस्त बने रहने का फैसला किया।' बातचीत के दौरान मीका से सवाल किया गया कि क्या उनका शो स्क्रिप्टेड था? इस पर सिंगर ने कहा– शो कोई दिखावा नहीं था, न ही आकांक्षा की एंट्री को पहले से प्लान किया गया था।

लाइफ पार्टनर की तलाश है

शादी के प्लान के बारे में मीका ने कहा– 'मैंने अब चीजों को किस्मत पर छोड़ दिया है। शादी एक बड़ा फैसला है। मैं अपने लिए अच्छे लाइफ पार्टनर की तलाश कर रहा हूं। उसके आने को लेकर एक्साइटेड भी हूं। लेकिन मैं जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहता। इसलिए यह जरूरी है कि मैं अपना समय लूं।'

देश के आयात में 12 प्रतिशत गिरावट, कुल निर्यात भी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में भारत के कुल आयात में 12 प्रतिशत की कमी आई है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वाणिज्यिक आयात के 10 केंद्रों में से सिर्फ रूस और स्विट्जरलैंड से आयात बढ़ा है। भारत की रूस के कच्चे तेल पर निर्भरता बीते डेढ़ वर्ष में बढ़ गई है। इससे रूस से होने वाले आयात में वृद्धि हुई है। देश में अप्रैल-अगस्त के दौरान सालाना आधार पर वस्तुओं का आयात 86.56 प्रतिशत बढ़कर 25.69 अरब डॉलर हो गया। इस क्रम में भारत को होने वाले कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 9.45 प्रतिशत हो गई जबकि यह बीते साल की आलोच्य अवधि में 4.45 प्रतिशत थी। अप्रैल-अगस्त के दौरान मूल्य के संदर्भ में देखा जाए तो रूस दूसरा सबसे बड़ा आयातक था। इसके बाद चीन था।

स्विट्जरलैंड से आयात बढ़ने का प्रमुख कारण सोने की मांग में इजाफा होना था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक जुलाई से

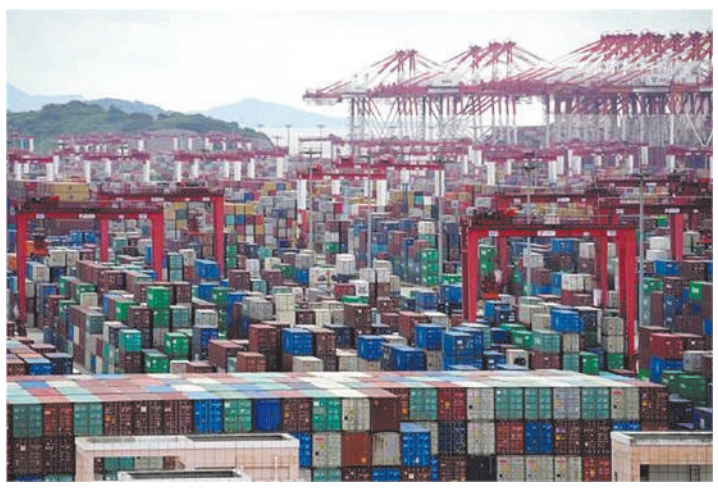

सोने के कुल आयात में बढ़ोतरी हुई। इसका प्रमुख कारण त्योहारी मौसम का शुरू होना था। स्विट्जरलैंड से आमतौर पर सोने का आयात होता है। अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत के कुल आयात में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी बढ़कर 3.08 प्रतिशत हो गई थी जबकि एक साल पहले की आलोच्य अवधि में 2.16 प्रतिशत थी। जुलाई से अगस्त के दौरान अलग-अलग देशों के कारोबार का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

अप्रैल-जून की अवधि में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में छूट मिलने के कारण 171 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस अवधि में सोने के आयात में 30 फीसदी का इजाफा हुआ था जिससे इससे अवधि में स्विट्जरलैंड से होने वाले आयात में इजाफा हुआ। भारत के आयात में गिरावट आई है। शीर्ष 10 आयात साझेदारों में चीन (-4.37 प्रतिशत), यूएसए (-17.61 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (-23.43 प्रतिशत), सऊदी अरब (-28.44 प्रतिशत), इराक (-34.77 प्रतिशत), इंडोनेशिया (-32.5 प्रतिशत), सिंगापुर (-8.93 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (-0.83 प्रतिशत) हैं। भारत के कुल वाणिज्यिक आयात में शीर्ष 10 देशों की हिस्सेदारी 59.3 प्रतिशत रही। भारत के शीर्ष 10 निर्यात साझेदारों में यूएसए, यूएई, चीन, सिंगापुर, बांग्लादेश और जर्मनी को होने वाले निर्यात में गिरावट हुई। इससे भारत के कुल निर्यात में 12 प्रतिशत की गिरावट आई। इस क्रम में 10 में से चार बाजारों नीदरलैंड, यूके, सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में इजाफा हुआ। इन दस देशों की भारत के कुल निर्यात में हिस्सेदारी 49 फीसदी है। इस साल की शुरुआत से ही भारत के वाणिज्यिक निर्यात में गिरावट के प्रमाण मिले हैं। इसका कारण प्रमुख बाजारों के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति की सख्ती और महंगाई के कारण मांग का कम होना था। इससे इन देशों की ब्राह्य मांग पर असर पड़ा था।

भारत के बीते एक दशक से सबसे बड़े निर्यात मार्केट अमेरिका को होने वाला निर्यात का मूल्य 10.24 प्रतिशत गिरकर 31.55 अरब डॉलर हो गया। भारत का कुल निर्यात गिरकर 17.9 प्रतिशत आ गया जबकि एक साल पहले यह 18.24 प्रतिशत था। भारत के सबसे बड़े कारोबारी साझेदार और चौथे सबसे बड़े निर्यात साझेदार चीन से निर्यात 7.62 प्रतिशत गिरकर 6.3 अरब डॉलर हो गया।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए पर, 16 माह का उच्चस्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि जारी रहने के बीच गोल्ड ईटीएफ (गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए का निवेश आया है, जो इसका 16 माह का उच्चस्तर है। अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने से आर्थिक वृद्धि की रफ्तार प्रभावित हुई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही इस श्रेणी में सालाना आधार पर प्रवाह 1,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। समीक्षाधीन अवधि में गोल्ड ईटीएफ में प्रवाह के अलावा इसका संपत्ति आधार और निवेशक खातों (फोलियो) की संख्या में भी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड ईटीएफ में अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। इससे पहले जुलाई में इसमें 456 करोड़ रुपये का निवेश मिला था। इससे पहले, गोल्ड ईटीएफ में लगातार तीन तिमाहियों की बिकवाली के बाद अप्रैल-जून की अवधि के दौरान 298 करोड़ रुपए का निवेश देखा गया था। मार्च तिमाही में इस श्रेणी से 1,243 करोड़ रुपए, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ रुपए और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी। अप्रैल, 2022 के बाद से अगस्त, 2023 में गोल्ड ईटीएफ में सबसे अधिक मासिक प्रवाह देखा गया। अप्रैल, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इस श्रेणी में 1,100 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था।

एलआईसी एजेंट्स और कर्मचारियों के लिए वित्त मंत्रालय की घोषणा, अब मिलेंगे ग्रेच्युटी और फैमिली पेंशन जैसे कई फायदे

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के एजेंटों और कर्मचारियों के लाभ के लिए कई कल्याणकारी सुधारों की घोषणा की। मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से खुलासा किया कि उसने एलआईसी एजेंटों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए ग्रेच्युटी सीमा, पारिवारिक पेंशन, बीमा कवरेज और अन्य चीजों के संबंध में कुछ बदलावों को मंजूरी दे दी है।

मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि ये सुधार एलआईसी (एजेंट) विनियम, 2017 में संशोधन, ग्रेच्युटी सीमा में वृद्धि और पारिवारिक पेंशन की समान दर सहित अन्य से संबंधित हैं। कल्याण सुधारों में एलआईसी एजेंटों के लिए ग्रेच्युटी सीमा में संशोधन शामिल है। स्वीकृत बदलावों के तहत वित्त मंत्रालय ने बीमा कंपनी के एजेंटों के लिए ग्रेच्युटी की सीमा 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी है।

एलआईसी एजेंटों की कार्य स्थितियों और लाभों में पर्याप्त सुधार लाने में मदद के लिए मंत्रालय द्वारा यह बदलाव अपनाया गया है।

मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एक अन्य बदलाव में एजेंटों को वित्तीय स्थिरता सुरक्षित रखने में मदद करना शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुनर्नियुक्त एजेंट नवीनीकरण कमीशन के लिए पात्र होंगे।

वर्तमान में एलआईसी एजेंटों को पुरानी एजेंसी के तहत पूरे किए गए किसी भी व्यवसाय पर कमीशन नवीनीकृत करने की अनुमति नहीं है। बीमाकर्ता के एजेंटों के लिए टर्म इंश्योरेंस कवरेज में एक बड़ा बदलाव पेश किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एलआईसी एजेंटों के लिए टर्म इंश्योरेंस कवर मौजूदा सीमा 3,000-10,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000-1,50,000 रुपए कर दिया गया है।

मंत्रालय को उम्मीद है कि वह मृत एजेंटों के परिवारों को बेहतर कवरेज और लाभ प्रदान करने में मदद करेगा, जिससे उन्हें अधिक महत्वपूर्ण कल्याण लाभ की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वित्त मंत्रालय ने एलआईसी कर्मचारियों के परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए पारिवारिक पेंशन के लिए 30 प्रतिशत की एक समान दर निर्धारित की है। मंत्रालय ने आगे कहा कि ये कल्याणकारी उपाय एलआईसी से जुड़े 13 लाख से अधिक एजेंटों और 1 लाख से अधिक नियमित कर्मचारियों की मदद के लिए पेश किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इन लोगों ने भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और देश में बीमा पैठ बढ़ाने में मदद की है।

सरकार का भरा खजाना, डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया 23.5 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के आंकड़े आ गए हैं और इस बार अच्छी बढ़ोतरी से सरकार का खजाना भर गया है। 1 अप्रैल 2023 से 16 सितंबर 2023 के दौरान देश का डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 23.5 फीसदी बढ़कर 8.65 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। साल दर साल आधार पर जहां डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 23.5 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है वहीं एडवांस टैक्स कलेक्शन भी 20.7 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी के बाद 3,55,481 करोड़ रुपए पर आ गया है।

1 अप्रैल 2023 से 16 सितंबर के दौरान प्रोविजनल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 8,65,117 करोड़ रुपए का रहा जिसमें पिछले साल के मुकाबले 23.5 फीसदी की शानदार ग्रोथ रही। पिछले साल की समान अवधि में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 7,00,416 करोड़ रुपए पर रहा था। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार ने 16 सितंबर 2023 तक 1,21,944 करोड़ रुपए का रिफंड

जारी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष के पहले 6 महीने के दौरान कॉरपोरेशन टैक्स 4,16,217 करोड़ रुपए का रहा जबकि पर्सनल इनकम टैक्स जिसमें सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स भी शामिल है, 4,47,291 करोड़ रुपए का रहा।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने इस आंकड़े को जारी करते हुए बताया कि डायरेक्ट टैक्स का ग्रॉस कलेक्शन (रिफंड एडजस्ट करने से पहले) 9,87,061 करोड़ रुपए का था जिसे पिछले साल के मुकाबले देखा जाए तो ये 8,34,469 करोड़ रुपए पर रहा था। इस तरह इसमें 18.29 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष की 16 सितंबर तक प्रोविजनल एडवांस टैक्स कलेक्शन 3,55,481 करोड़ रुपए का रहा है जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान 2,94,433 करोड़ रुपए पर रहा था। इस तरह इसमें 20.7 फीसदी का इजाफा देखा गया है। लगातार बढ़ता डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन और एडवांस टैक्स कलेक्शन इस बात का सबूत है कि सरकार की टैक्स चोरी को रोकने की कोशिशें रंग ला रही हैं और टैक्स कलेक्शन प्रोसेस में एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग इसमें मददगार साबित हो रहा है।

जुपिटर लाइफलाइन का शेयर 34 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नयी दिल्ली, एजेंसी। जुपिटर लाइफलाइन हॉस्पिटल लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को बाजार में शानदार शुरुआत की और 735 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 34 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई बीएसई पर शेयरों ने निर्गम मूल्य से 30.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 960 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 39.90 प्रतिशत उछलकर 1,028.30 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर उसने 32.38 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 973 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,714.62 करोड़ रुपये रहा। जुपिटर लाइफलाइन हॉस्पिटल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 63.72 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 695-735 रुपये प्रति शेयर रखा गया है।

जियो एयर फाइबर लॉन्च, बिना किसी वायर कनेक्शन के मिलेगी धमाकेदार इंटरनेट स्पीड

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज गणेश चतुर्थी के अवसर पर जियो एयर फाइबर को लॉन्च किया। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की 46वीं AGM मीटिंग में ऐलान किया था कि जियो एयर फाइबर को गणेश चतुर्थी के मौके पर लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि जियो एयर फाइबर ब्रॉडबैंड का एक नया वर्जन होगा जिसमें यूजर्स को बिना किसी तार के इंटरनेट सर्विस मिलने वाली है। जियो एयर फाइबर वायरलेस डोंगल की तरह काम करेगा जिसमें यूजर्स को 1.5 Gbps तक की हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा मिलेगी। अभी ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने में आपको फाइबर लाइन के जरिए इंटरनेट की सुविधा दी जाती है लेकिन जियो एयर फाइबर में किसी भी तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसको आप बेहद आसानी से इंस्टाल करा सकते हैं। जियो एयर फाइबर एक पोर्टेबल डिवाइस होगा इसलिए आप इसे अपने घर में एक जगह से दूसरी जगह पर कहीं भी शिफ्ट कर सकते हैं। इसमें यूजर्स को 5त्न इंटरनेट हाइ स्पीड की सर्विस मिलेगी। एजीएम मीटिंग के दौरान मुकेश अंबानी ने कहा था कि जियो एयर फाइबर से उन जगहों में इंटरनेट को पहुंचाना बेहद आसान हो जाएगा जहां पर वायर की कनेक्टिविटी संभव नहीं है। कंपनी को उम्मीद है कि जियो एयर फाइबर के जरिए करीब 20 करोड़ घरों और दूसरी जगहों पर इंटरनेट की पहुंच बनेगी। जियो एयर फाइबर में यूजर्स को सिम लगाने के लिए पोर्ट मिलेगा। कंपनी इसमें 5त्न एंटीना का इस्तेमाल करेगी जिससे यूजर्स को 1.5GB तक की हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। फिलहाल अभी कंपनी ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि इसे किस प्राइस रेंज में लॉन्च किया जाएगा।

मुंबई के डेवलपर के खिलाफ केस दर्ज, एसबीआई और अन्य 15 बैंकों से 38 सौ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली ष्ट्रक्क्ष्ठ- एसबीआई की स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच-ढ्ढ के डिप्टी जनरल मैनेजर की शिकायत के आधार पर गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत के अनुसार, एसबीआई और अन्य कंसोर्टियम सदस्य बैंकों की ओर से यूनिटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड को लगभग 3,800 करोड़ रुपये की क्रेडिट/ऋण सुविधाएं, फंड-आधारित और गैर-फंड आधारित मंजूर की गईं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और 15 बैंकों के साथ 3,800 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुंबई स्थित यूनिटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड (यूआईएल), उसके मुख्य प्रबंध

निदेशक (सीएमडी), तीन निदेशकों और अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

एसबीआई की स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच-ढ्ढ के डिप्टी जनरल मैनेजर की शिकायत के आधार पर गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत के अनुसार, एसबीआई और अन्य कंसोर्टियम सदस्य बैंकों की ओर से यूनिटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड को लगभग 3,800 करोड़ रुपये की क्रेडिट/ऋण सुविधाएं, फंड-आधारित और गैर-फंड आधारित मंजूर की गईं। प्राथमिकी में कहा गया है, %उक्त कंपनी ने फर्जी एलसी ट्रेड मॉडल के माध्यम से किए गए फर्जी लेनदेन, डेटा में हेराफेरी करके अनुचित समायोजन प्रविष्टियों, गैर-कंसोर्टियम खातों के माध्यम से धन का विपथन, संबंधित पक्षों के माध्यम से धन का विचलन और अस्पष्ट रूप से अधिक भुगतान, एसबीआई और अन्य कंसोर्टियम बैंकों के धन का गबन किया और इस तरह इन बैंकों को धोखा दिया।%

एफआईआर में यूआईएल, उसके सीएमडी किशोर अवरसेकर, वाइस चेयरमैन और प्रमोटर गारंटर अभिजीत आवरसेकर, कार्यकारी निदेशक आशीष अवारसेकर, पूर्णकालिक निदेशक प्रमोटर पुष्पा अवरसेकर, अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों के नाम हैं।

इसमें कहा गया है कि प्रथम दृष्टया शिकायत में भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी और 420 तथा भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13 (2), 420 (1) (डी) के तहत आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक कदाचार के अपराधों का खुलासा होता है।

शेयर बाजार बंद, नहीं होगा कोई कारोबार

नई दिल्ली, । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर बंद रहेगा। आज स्टॉक मार्केट में किसी प्रकार का कोई कारोबार नहीं होगा। इस कारण निवेशक किसी भी तरह का ट्रेड नहीं ले पाएंगे। बीएसई की वेबसाइट पर मौजूद शेयर बाजार की छुट्टियों की लिस्ट के मुताबिक,मंगलवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर दोनों एक्सचेंज पर कारोबर बंद रहेगा। इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और एसएलबी सेगमेंट में मंगलवार को बाजार बंद रहेगा। एक्सचेंज की वेबसाइट पर दी गई छुट्टियों की लिस्ट के मुताबिक, आज करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में भी कारोबार बंद रहेगा। इसके अलावा कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट और इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसीप्ट (श्वत्रक्र) में भी कारोबार गणेश चतुर्थी के कारण प्रभावित रहेगा।

एक महीने बढ़ी ITR दाखिल करने की तारीख, अब 30 नवंबर तक फाइल कर सकते हैं रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी- आयकर विभाग ने आज धर्मार्थ ट्रस्टों, धार्मिक संस्थानों और पेशेवर निकायों के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। आयकर विभाग ने रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख को एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दिया है।

आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख के अलावा आयकर विभाग ने, किसी फंड, ट्रस्ट, संस्थान या किसी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान या चिकित्सा संस्थान द्वारा फॉर्म 10बी/10बीबी में 2022-23 के लिए ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की नियत तारीख

को एक महीने बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2023 तक कर दिया है।

आकलन वर्ष 2023-24 के लिए फॉर्म आईटीआर-7 में आय का रिटर्न जमा करने की नियत तारीख, जो 31.10.2023 है, 30.11.2023 तक बढ़ा दी गई है आयकर विभाग अलग-अलग व्यक्तियों और संस्थानों के लिए अलग-अलग आईटीआर फॉर्म की पेशकश करता है। ऐसे में ढ्ढञ्जक्र 7 यानी आईटीआर फॉर्म 7, धर्मार्थ और धार्मिक गतिविधियों में शामिल संस्थानों, अनुसंधान; और पेशेवर निकाय द्वारा दाखिल किया जाता है। वैसे तो 30 जुलाई तक सभी नौकरीपेशा लोगों के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख थी लेकिन अगर आप अपना रिटर्न फाइल करना भूल गए है तो आप अभी भी पेनल्टी देकर अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं। देर से रिटर्न दाखिल करने पर उन लोगों को 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा जिनकी कुल आय 5,000,00 रुपये से अधिक है। वहीं, 5 लाख रुपये तक की कुल आय वालों के लिए जुर्माना 1,000 रुपये है। अगर आप 31 दिसंबर 2023 के बाद आईटीआर दाखिल करते हैं तो आपको 10,000 रुपये का जुर्माना देना होगा।

भारत में दोगुना निवेश करेगी फॉक्सकॉन, चीन-अमेरिका के बीच तनाव से घरेलू बाजार में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली भारत में फॉक्सकॉन का विस्तार इस बात की ओर इशारा करता है कि कैसे चीन को कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति खोने का खतरा है। आईफोन बनाने वाली ताइवानी कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी भारत में निवेश और रोजगार को बढ़ाकर दोगुना करने की तैयारी में है। ऐसा चीन और अमेरिका में बढ़ती तनातनी के कारण हो रहा है। भारत में फॉक्सकॉन के प्रतिनिधि वी ली ने लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि कंपनी भारत में कारोबार को दोगुना करेगी।

ली ने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

देते हुए लिखा, भारत में रोजगार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और व्यापार के आकार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। हम अगले साल जन्मदिन का बड़ा उपहार देने के लिए अधिक मेहनत करेंगे। कंपनी की निवेश योजनाओं में बंगलूरू में 300 एकड़ की साइट शामिल है। उस प्लांट में आईफोन के असेंबलिग होने की संभावना है। इससे लगभग 100,000 लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है।

भारत में फॉक्सकॉन का विस्तार इस बात की ओर इशारा करता है कि कैसे चीन को कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति खोने का खतरा है। एपल और अन्य अमेरिकी ब्रांड यह चाह रहे हैं कि उनके चीनी आपूर्तिकर्ता भारत और वियतनाम जैसे वैकल्पिक स्थानों पर अब कारोबार शुरू करें। लियू ने कहा कि कंपनी देश में और विस्तार करने के शुरुआती चरण में है।

अश्विन की वनडे में वापसी, रोहित बोले- उन्हें कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए सोमवार को भारतीय टीम में शामिल किया गया और अगर अक्षर पटेल आईसीसी की समय सीमा तक फिट नहीं हो पाते तो उन्हें या वाशिंगटन सुंदर को क्रिकेट विश्वकप टीम में भी जगह मिल सकती है। अंतिम वनडे के लिए अश्विन और सुंदर के अलावा उन खिलाड़ियों को चुना गया है जो विश्व कप में खेलेंगे।

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने कहा कि अगर अक्षर सही समय तक फिट नहीं हो पाते हैं तो अश्विन और सुंदर में से किसी एक को विश्व कप टीम में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अश्विन और वाशिंगटन के रूप में हमारे पास दो विकल्प हैं। हम अक्षर की चोट की स्थिति का पता लगने के बाद ही कोई फैसला करेंगे। यदि जरूरत पड़ी तो हम किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने के बारे में सोचेंगे लेकिन अभी इस पर कयास लगाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमें उम्मीद है कि अक्षर फिट हो जाएंगे।

अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने

इस महीने के शुरू में विश्व कप के लिए जब 15 सदस्यीय टीम का चयन किया था तो उसमें एक भी ऑफ स्पिनर नहीं रखने पर सवाल उठाए गए थे। सोमवार को टीम की घोषणा के बाद कप्तान रोहित से पूछा गया कि अगर अश्विन विश्व कप के लिए योजना का हिस्सा थे तो फिर उन्हें एशिया कप के लिए टीम में क्यों नहीं रखा गया। इस पर भारतीय कप्तान ने कहा कि अश्विन को कुछ साबित नहीं करना है और उन्हें जरूरत पड़ने पर सीधे टीम में शामिल किया जा सकता है।

अश्विन को 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने पिछले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में खेली गई श्रृंखला के लिए साढ़े 4 साल बाद वनडे टीम में वापसी की थी लेकिन इसके बाद उन्हें फिर से बाहर कर दिया गया था। चोटों से जूझने वाले श्रेयस अय्यर को तीनों मैचों के लिए टीम में लिया गया है। वह पीठ में जकड़न के कारण एशिया कप में केवल दो मैच खेल पाए थे।

वनडे सीरीज का शैड्यूल

22 सितंबर ~ पहला वनडे मोहाली में
24 सितंबर ~ दूसरा वनडे इंदौर में
27 सितंबर ~ तीसरा वनडे राजकोट में

पहले 2 वनडे के लिए भारतीय टीम- केएल राहुल (कप्तान), रविंद्र जडेजा (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वाशिंगटन सुंदर, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

कोहली ने कथित तौर पर कनाडा के मशहूर गायक शुभ से तोड़ा 'नाता', विवादास्पद पोस्ट के बाद बनाई दूरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली ने कथित तौर पर कनाडा के मशहूर गायक शुभ को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। कोहली का यह कदम देश से जुड़े खालिस्तान अलगाववादी मुद्दों के मद्देनजर गायक द्वारा भारत का एक विवादास्पद नक्शा पोस्ट करने के बाद आया है। गायक पर संदिग्ध लोगों के इस समूह का समर्थन करने का आरोप लगाया गया है जिससे भारतीय नागरिक गुस्से में हैं।

कुछ समय पहले शुभ की अविश्वसनीय संगीत प्रतिभा के लिए विराट कोहली ने सराहना की थी। उन्होंने खुले तौर पर 26 वर्षीय गायक के प्रति अपना समर्थन दिखाते हुए कहा था कि वह गायक के कौशल से आश्चर्यचकित हैं। हालांकि उनकी हालिया पोस्ट के बाद स्टार क्रिकेटर के सच्चे देशभक्तिपूर्ण पक्ष को देखते हुए चीजें बहुत तेजी से बदली हुई लग रही थीं। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शुभ के लिए अपनी सराहना पोस्ट में कहा था, अभी मेरे पसंदीदा कलाकार शुभ और मेरे सदाबहार डांसर ने इस गाने पर जो किया वह प्यार है। वास्तव में मंत्रमुग्ध कर देने वाला।कोहली के हालिया टूर्नामेंट और बल्लेबाजी प्रदर्शन के बारे में बात करें तो भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने किसी और के खिलाफ नहीं बल्कि चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 122* रन की यादगार पारी खेली। गौरतलब है कि यह कोहली के वनडे करियर का 47वां शतक था। इतना ही नहीं बल्लेबाजी के उस्ताद ने केएल राहुल के साथ 200 रन की साझेदारी करके भारत को 356 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में मेन इन ग्रीन ने रन चेज़ के भारी दबाव के आगे घुटने टेक दिए और एकतरफा तरीके से मैच हार गए।

इंटरनेशनल रेसलर बोली- बड़ी साजिश का शिकार हुई

मलिक ने कहा- वीडियो में दिख रहे लड़का-लड़की रिलेशनशिप में, मेरा इससे संबंध नहीं

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा की इंटरनेशनल रेसलर ने वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। उन्होंने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो का खंडन किया है। रेसलर ने कहा है कि वह किसी बड़ी साजिश का शिकार हुई है। लोग उन पर गंदे कमेंट कर रहे हैं, लेकिन उसका इस वीडियो से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने समाज को बिना सच्चाई जाने किसी भी नतीजे पर न पहुंचने की विनती की है।

मुझे बदनाम करने की कोशिश की गई

मैं अंशु मालिक आप सब से एक बेहद जरूरी बात शेयर करना चाहती हूं। पिछले कुछ दिनों से मेरे नाम से एक फेक वीडियो वायरल किया जा रहा था। मैं आप सबको बता दूं कि मैं उस वीडियो में नहीं हूं। मुझे सरासर बदनाम करने की कोशिश की गई है। यह एक बहुत बड़ी साजिश रची गई है। उस वीडियो में जो लड़का है वह हरियाणा का है और लड़की हिमाचल प्रदेश की है।

वीडियो में दिख रहे लड़का-लड़की रिलेशन में

दोनों आज भी रिलेशनशिप में है। दोनों ने अपने बयान पुलिस को दे दिए हैं। पुलिस ने उन बयानों को सोशल मीडिया पर अपलोड भी किया है। जिस लड़के ने उन दोनों की वीडियो के साथ मेरा नाम जोड़कर वायरल किया था, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म पुलिस के सामने कबूल किया है। पुलिस ने उन बयानों को भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया है।

मैं और मेरा परिवार मेंटल ट्रॉमा से गुजर रहा

मैंने अपनी बेगुनाही के सारे सबूत दे दिए हैं। जो वीडियो मेरी नहीं है, उसे मेरी बता कर लोग बहुत गंदे कमेंट कर कर रहे हैं। क्या उन लोगों ने एक बार भी नहीं सोचा कि मुझ पर और मेरे परिवार पर क्या बीत रही होगी। मैं और मेरा परिवार किस मेंटल ट्रॉमा से गुजरा होगा। जिन्होंने बिना सच जान मुझे समाज के सामने दोषी करार कर दिया। उसे लड़की को दोषी साबित कर दिया, जिसका इस पूरे प्रकरण से कोई लेना-देना भी नहीं है।

मेरे अवॉर्ड को भी गालियां दे रहे लोग

मैंने आज तक जो भी मेडल और अवॉर्ड जीते हैं, लोग उन्हें भी गालियां दे रहे हैं। मैं और मेरे परिवार ने यह उपलब्धियां बहुत मेहनत से हासिल की हैं। मेरा एक सपना था कि मैं देश को गौरवान्वित करने में अपना सहयोग कर सकूं। मेरे मां-बाप ने शुरुआत से ही मुझे यही प्रेरणा दी है की बेटा देश के लिए कुछ करके मरना है, ऐसे तो दुनिया मरती है। कुछ अच्छा करेगी तो लोग याद करेंगे। मेरे मां-बाप ने अपनी नौकरी तक छोड़कर अपनी बेटी के सपने पूरे करने के लिए दिन-रात मेहनत की है।

भारतीय राइफल निशानेबाज निश्चल ने रियो विश्व कप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा निशानेबाज निश्चल ने रियो डी जेनेरियो में आईएसएसएफ विश्वकप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता। उन्होंने सोमवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत को उसका दूसरा पदक दिलाया। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका सीनियर स्तर पर पहला विश्वकप था। निश्चल ने फाइनल में 458.0 अंक बनाए और वह नार्वे की स्टार निशानेबाज जेनेट हेग डुएस्टेड के बाद दूसरे स्थान पर रही।

डुएस्टेड एयर राइफल में मौजूदा यूरोपीय चैंपियन है तथा उनके नाम पर पांच स्वर्ण पदक सहित आईएसएसएफ विश्वकप में कुल 12 पदक दर्ज हैं। वह तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। निश्चल ने पूरे दिन भर शानदार प्रदर्शन किया तथा इस बीच महिला 3 पोजीशन के क्वालिफिकेशन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'यह विश्व कप में मेरा पहला फाइनल था और मैं पदक जीतने में सफल रही, इसलिए इस प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं।

निश्चल ने एलिमिनेशन राउंड में 587 अंक बनाकर क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाई। उनके

अलावा पिछला क्वालिफिकेशन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अंजुम मोदगिल और आयुषी पोदार भी क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाने में सफल रही। क्वालिफिकेशन में निश्चल ने 542 अंक बनाए, जिनमें प्रोन पोजीशन में बनाए गए 'परफेक्ट% 200 अंक भी शामिल हैं। इस तरह से उन्होंने अंजुम का पिछले साल काहिरा में प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 अंक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा।

अंजुम ने 586 अंक बनाए और वह 10वें नंबर पर रहकर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। आयुषी 580 अंकों के साथ 35वें स्थान पर रही। फाइनल में कई शीर्ष खिलाड़ियों ने जगह बनाई थी जिनमें डुएस्टेड के अलावा चीन की विश्व चैंपियन वानरू मियाओ, डेनमार्क की 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन स्टेफ़नी ग्रुंडसोई, इटली की ओलंपियन सोफिया सेकेरेलो और पोलैंड की एनेटा स्टैंकिविज़ शामिल थी। निश्चल पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने शुरू से ही बेहतरीन प्रदर्शन करके डुएस्टेड को आखिर तक कड़ी चुनौती दी। नार्वे की निशानेबाज ने हालांकि अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल करके 461.5 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वह हरियाणा की निशानेबाज से 3.5 अंक आगे रही।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन गुरप्रीत सिंह भी एक अन्य पदक स्पर्धा में भाग ले रहे थे। वह हालांकि पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 574 अंक बनाकर 15वें स्थान पर रहे। इस तरह से भारत के 16 सदस्यीय दल ने रियो विश्वकप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। इलावेनिल वलारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत में मोटो जीपी रेस के लिए कुछ प्रतिभागियों और अधिकारियों को अब भी वीजा का इंतजार

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारत में होने वाली पहली मोटो जीपी में हिस्सा लेने वाले कुछ राइडर और टीम अधिकारियों को इस सप्ताहांत होने वाली रेस के लिए अब भी वीजा का इंतजार है जिसमें छह बार के चैंपियन मार्क मारक्वेज भी शामिल हैं। रेपसोल होंडा टीम से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की है कि उनके राइडर मारक्वेज और जोआन मीर के भारत आने में वीजा मुद्दों के कारण विलंब हो रहा है। स्पेन के इन दोनों राइडर को बुधवार को मानेसर में होंडा इंडिया फेक्टरी का दौरा करना था लेकिन अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, 'वीजा मुद्दों के कारण राइडर अब तक भारत नहीं पहुंचे हैं। इसलिए कल के कार्यक्रम को रद्द करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। डोर्ना स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के आयोजक और अधिकार धारक हैं। फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के स्थानीय प्रमोटर हैं। मोटो जीपी टीमों के सामने आ रही वीजा समस्याओं के बारे में जानकारी लेने के लिए हालांकि इन दोनों से ही संपर्क नहीं हो पाया है।

'रेस.कॉम' के अनुसार वीजा में विलंब के कारण टीमों से जुड़े बेहद कम कर्मचारी भारत पहुंच पाए हैं। फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री के बंद होने के बाद भारत पहली बार मोटरस्पोर्ट में इस स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रहा है। वित्तीय, कर और नौकरशाही से जुड़े मुद्दों के कारण 2013 सत्र के बाद फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री को कैलेंडर से हटा दिया गया था।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज की महिलाओं को लेकर अपमानजनक फेसबुक पोस्ट हुई वायरल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट के उभरते सितारे तंजीम हसन साकिब ने भारत के खिलाफ एशिया कप 2023 के दौरान शानदार डेब्यू किया और अपने शानदार प्रदर्शन के लिए खूब तारीफें बटोरीं। प्रसिद्ध खिलाड़ियों रोहित शर्मा और तिलक वर्मा सहित महत्वपूर्ण विकेट हासिल करने की उनकी क्षमता ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी अपार प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि साकिब की महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियों से भरे पुराना फेसबुक पोस्ट फिर से सामने आ गया है जिससे सोशल मीडिया पर व्यापक आक्रोश फैल गया। विशेष रूप से विवादास्पद पोस्ट में साकिब ने लिखा, यदि पत्नी काम करती है, तो पति के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। यदि पत्नी काम करती है तो बच्चे के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। यदि पत्नी काम करती है तो उसकी सुंदरता खराब हो जाती है। यदि पत्नी काम करती है तो पति के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। परिवार बर्बाद हो जाता है। अगर पत्नी काम करती है तो पर्दा हट जाता है। अगर पत्नी काम करती है, तो समाज बर्बाद हो जाता है।

शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली टीम एशिया कप 2023 में नए जोश के साथ उतरी थी, लेकिन महाद्वीपीय टूर्नामेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे नहीं बढ़ सकी। ग्रुप चरण में वे केवल अफगानिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर सके। एक मैच जीतकर वे एशिया कप सुपर 4 में पहुंच गए लेकिन पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों के सामने उनकी कमजोरी उजागर हो गई।

भारतीय हॉकी टीम को रहेगी विश्व नंबर 1 बनने की तलाश

हांगझाऊ (एजेंसी)। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर विश्व कप हासिल करने तक पिछली एक सदी के दौरान अधिकांश समय हॉकी के शिखर पर रहने के बावजूद भारतीय टीम की विश्व की नंबर एक टीम बनने की हसरत फिलहाल पूरी नहीं हो सकी है। एक जमाने में हॉकी में भारत का डंका बजता था और उसके सामने प्रतिद्वंदी टीम का टिक पाना बेहद मुश्किल समझा जाता था मगर समय के साथ पश्चिम के देशों ने भी हाकी में खुद को स्थापित किया।

इस बीच रैंकिंग प्रणाली 2003 में अस्तित्व में आई। नई रैंकिंग प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी टीम की रैंकिंग में उतार-चढ़ाव आया है। 2003 में हॉकी रैंकिंग प्रणाली शुरू होने पर पुरुष टीम छठे स्थान पर थी। उसी साल भारत ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता। लेकिन जल्द ही भारत की फॉर्म में गिरावट आई और वे टूर्नामेंट से शुरू में ही बाहर हो गए।

भारतीय टीम 2005 में आठ देशों की राबो ट्रॉफी में सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि 2005 में ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी आखिरी स्थान पर रही। टूर्नामेंट जीतने के लिए संघर्ष कर रही भारतीय टीम ने इसके बावजूद शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखा क्योंकि हॉकी रैंकिंग प्रणाली चार साल के चक्र के परिणामों पर विचार करती थी।

2007 चैंपियंस चैलेंज में कांस्य पदक से भी भारत को मदद मिली मगर भारतीय हॉकी की फॉर्म में गिरावट जल्द ही रैंकिंग में दिखाई देने लगी।

भारतीय टीम 2006 हॉकी विश्व कप में अपने सात में से पांच मैच हार गई और टूर्नामेंट में 11वें स्थान पर रही। टीम 80 वर्षों में पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और बीजिंग 2008 में उसे बाहर रहना पड़ा। निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत 2008 में पहली बार हॉकी रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन भारत ने 2010 में विश्व कप की मेजबानी की थी लेकिन पूल चरण में केवल एक बार जीत हासिल की और आठवें स्थान पर जगह बनाई। इससे भारत 12वें स्थान पर खिसक गया, जो अब तक की उनकी सबसे खराब हॉकी रैंक है।

अगले दशक में भारत के प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार देखा गया। भारत ने 2014 एशियाई खेलों और 2017 एशिया कप के साथ-साथ चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (2011, 2016 और 2018) जीती। भारत चैंपियंस ट्रॉफी, कॉमनवेल्थ गेम्स और हॉकी वर्ल्ड लीग में भी पदक विजेता रहा। हॉकी रैंकिंग में लगातार सुधार दिखाई दिया और 2020 में जब पुरानी रैंकिंग प्रणाली को बदला गया तो भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद 2021 में भारतीय पुरुष हाकी टीम अपनी सर्वोच्च रैंकिंग 'तीन' पर पहुंच गई। यह 41 वर्षों में उनका पहला ओलंपिक पदक था। तब से भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021, एफआईएच प्रो लीग 2021-22 और एशिया कप 2022 में तीसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता और फिर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दोबारा हासिल करने में सफल रहे। 2023 में टीम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

विश्व कप से पहले खेल के समय और आराम के बीच संतुलन चाहते हैं दीपक चाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा कि आने वाले दिनों में टीम प्रबंधन के लिए पर्याप्त खेल समय के माध्यम से अपने तेज गेंदबाजों की लय बनाए रखना और आईसीसी से पहले उन्हें तरोताजा रखना महत्वपूर्ण होगा।

घरेलू मैदान पर विश्व कप से पहले भारत का अंतिम मुकाबला 22 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। इसके बाद वे इंग्लैंड (30 सितंबर) और नीदरलैंड्स (3 अक्टूबर) के खिलाफ विश्व कप अभ्यास मैच खेलेंगे। इसके बाद भारत 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा।

चाहर ने कहा, मुझे लगता है कि दोनों (खेल का समय और आराम) महत्वपूर्ण हैं। खिलाड़ियों को आराम दिया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्हें मैच खेलने का मौका भी मिलना चाहिए। लय महत्वपूर्ण है। यह एक खिलाड़ी के लिए बहुत अच्छा

है जब वह अच्छी लय में हो और आपको ऐसा करना चाहिए। इसे आगे बढ़ाएं। हमारे पास ये 2-3 मैच हैं जिनसे हमें अच्छा अभ्यास मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया हमारे लिए एक अच्छा प्रतिद्वंद्वी है और हमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। यह उन्हें तरोताजा रखने और उनकी लय बनाए रखने के बारे में है। यह प्रबंधन का कॉल होना चाहिए।

चाहर ने एशिया कप में रिकॉर्ड तोड़ने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की भी सराहना की और कहा कि भारतीय तेज आक्रमण अच्छी स्थिति में होने से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में मेन इन ब्लू की संभावनाओं में मदद मिलेगी। भारत ने रविवार को अपना आठवां एशिया कप खिताब हासिल किया जब सिराज के 7 ओवर में 6/21 के स्पैल ने श्रीलंका को केवल 15.2 ओवर में 50 रन पर रोक दिया जिसे भारत ने 6.1 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया।

उन्होंने कहा, मैं मैच देख रहा था, अभ्यास कर रहा था। उसने शानदार गेंदबाजी की। वह पिछले एक साल से शानदार गेंदबाजी कर रहा है, इसीलिए वह हमारा नंबर एक गेंदबाज है। हमने लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है इसलिए यह अच्छा है कि हम एशिया कप जीते। इससे हमें विश्व कप में काफी बढ़ावा मिलेगा। एशिया कप में जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए चाहर ने कहा कि बुमराह अच्छी लय में दिख रहे हैं और भारतीय गेंदबाजी अच्छी स्थिति में होने से विश्व कप की संभावना बढ़ जाती है। बुमराह ने चार मैचों में 17.75 की औसत और 4.17 की इकोनॉमी रेट से चार विकेट लिए उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2/30 रहा।चाहर ने कहा, क्रिकेट में विकेट हमारे नियंत्रण में नहीं होते हैं। यह मायने रखता है कि आप कैसी गेंदबाजी करते हैं। कभी-कभी, आप अच्छी गेंदबाजी नहीं करते हैं लेकिन आपको विकेट मिल जाते हैं, लेकिन कभी-कभी आप अच्छी गेंदबाजी करने के बावजूद भी विकेट नहीं ले पाते हैं। मुझे लगता है कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अच्छी लय में हैं। विश्व कप में हमारे पास अच्छे मौके हैं क्योंकि हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी वास्तव में शानदार प्रदर्शन कर रही है।

विश्व कप में भारत की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए तेज गेंदबाज ने कहा कि भारत के पास बेहतरीन मौके हैं और उसे घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। चाहर ने कहा, टूर्नामेंट में भारत की अच्छी संभावनाएं हैं। पिछली बार जब यह भारत में आयोजित किया गया था तो हमने जीत हासिल की थी। खिलाड़ी परिस्थितियों और पिचों को अच्छी तरह से जानते हैं और घरेलू लाभ का आनंद लेते हैं। मैं शीर्ष चार टीमों की भविष्यवाणी नहीं कर सकता क्योंकि सभी टीमें अच्छी हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दौरान चोटों के बाद टीम इंडिया में वापसी के लिए प्रयास जारी रखते हुए उनके लिए आगे क्या है, इस पर चाहर ने कहा, %मैं अब फिट हूं। मुझे जो भी टूर्नामेंट खेलने को मिलेंगे, जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैं उनमें अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। एक खिलाड़ी के रूप में मैं बस इतना ही नियंत्रित कर सकता हूं। हम खिलाड़ी के रूप में कुछ और तय नहीं कर सकते। मेरी मानसिकता मुझे मिलने वाले हर मौके में अच्छा प्रदर्शन करने की है।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा चुनाव से पहले जमीनी हकीकत से भाजपा को रूबरू करा रहा संघ

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पार्टी को जमीनी हकीकत से रूबरू कराने के लिए सरकार और संगठन के साथ लखनऊ में मंथन कर रहा है। इसमें सरकार और पार्टी के सभी संगठनों से तालमेल बेहतर रहे, चुनावी माहौल के हिसाब से इसकी भूमिका पर भी चर्चा हो रही है। संघ के आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विश्व हिंदू परिषद, सहकार भारती, सेवा भारती, शैक्षिक महासंघ सहित अन्य संगठनों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा की विचारधारा वाले अलग-अलग संगठनों में वैचारिक समन्वय स्थापित करना है। बैठक में इसकी भी चर्चा की जाएगी कि सरकार और संगठन में आपस में कोई मतभेद न हो। दोनों आपसी तालमेल से चले जिससे कि एक तरफ राज्य को सफल तरीके से चलाया जा सके, तो दूसरी तरफ पार्टी को मजबूत बनाने का काम किया जा सके और चुनावी जमीन तैयार किया जाए। संघ के सूत्र बताते हैं कि बैठक में संघ के सर-कार्यवाहक अरुण कुमार, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी शामिल होंगे। संघ की ओर से हो रही बैठक काफी महत्वपूर्ण है। चुनाव से पहले सारे कील कांटे दुरुस्त कर वह मैदान में उतरना चाह रहे हैं।

गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पलटा, भयंकर आग की चपेट में, सिलेंडर फटे, बड़ा हादसा टला

हमीरपुर, एजेंसी। जिला हमीरपुर से सुजानपुर होते हुए जिला मंडी के संधोल के लिए जा रहा एलपीजी गैस सिलेंडर से भरा ट्रक जंगल बैरी के पास पलट गया देखते ही देखते ट्रक में भरे गए सिलेंडर फटने शुरू हो गए आग की तेज लपटों के साथ धुएं के गुब्बार हवा में उठने लगे। गनीमत तो यह रही कि रिहायशी इलाका काफी दूरी पर था। सूचना मिलते ही सुजानपुर प्रशासन की ओर से फायर ब्रिगेड की दो वाहनों को वहां भेजा गया जिन्होंने आग पर काबू पाया। ट्रक पूरी तरह से जल चुका है हालांकि एक दर्जन सिलेंडर इस हादसे में फटे हैं। जिस जगह यह हादसा हुआ वहां बिजली का मेंन लाइन पोल भी था जो इसकी चपेट में आ गया और टूट गया विद्युत बोर्ड ने भी तुरंत बिजली को बंद कर दिया। आग लगते ही सिलेंडर फटने के साथ क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था। हालांकि इस हादसे में चालक और परिचालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बड़ी मुश्किल से ट्रक में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला। मौके पर पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची। दोनों तरफ से रोड को रोक दिया गया। एसडीएम राकेश कुमार शर्मा का कहना है कि इस हादसे में किसी के हातात होने की कोई सूचना नहीं है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड को अलर्ट कर दिया था और मौके पर भेजा गया था। बिजली विभाग के एसडीओ गोपाल भाटिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बिजली की सप्लाई को बंद कर दिया गया। एसएचओ ललित महंत ने बताया कि पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई । आग पर काबू पा लिया गया है। रोड को भी खोल दिया गया।

नूंह हिंसा में बुरे फंसे कांग्रेस विधायक मामन खान, और ज्यादा बढ़ने वाली हैं मुश्किलें

नूंह, एजेंसी। नूंह में 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा पर हमले के बाद भड़की हिंसा के मामले में गिरफ्तार किए गए कांग्रेस विधायक मामन खान की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ने वाली हैं। भीड़ को उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए फिरोजपुर झिरका के विधायक का नाम डेढ़ दर्जन से अधिक एफआईआर में शामिल करने की तैयारी है। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक तहकीकात आगे बढ़ने के साथ हिंसा में मामन की और भूमिका सामने आ रही है। कम से कम 20 एफआईआर में मामन का नाम शामिल किया जा सकता है। मामन खान को 31 जुलाई को बढ़कली चौक पर हिंसा भड़काने के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ में जुटी है। एक अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि मामन खान जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अधिकतर सवालों के जवाब में वह कहते हैं, मुझे नहीं पता, मुझे याद नहीं है। राजस्थान से गिरफ्तार किए जाने से पहले मामन खान ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर करके अंतरिम राहत की मांग की थी। अब तक मामन खान का नाम 4 एफआईआर में शामिल किया गया है। इनमें एक केस भाजपा नेता से जुड़े तेल मिल में आग लगाने का भी है। मामन के खिलाफ सभी 4 एफआईआर नूंह के नगीना पुलिस थाने में दर्ज है। एफआईआर नंबर 137 एक अगस्त को भाजपा नेता शिवकुमार आर्य ने नगीना पुलिस थाने में दर्ज कराया था। उन्होंने शिकायत में कहा था कि जब उन्हें बडकली चौक पर भीड़ एकत्रित होने की सूचना मिली तो उन्होंने मिल बंद कर दिया था। करीब 3 बजे भीड़ ने शटर खोल दिया, कैश लूट लिया और मिल में आग लगा दी, जिससे करीब 1.25 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

चित्तौड़गढ़ में दलित के सिर पर जूता रखवा कर माफी मंगवाई, जुबान फिसलने पर तालिबानी सजा

चित्तौड़गढ़ , एजेंसी। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के बेगू उपखंड दुगार में एक वृद्ध व्यक्ति से सिर पर जूते रखवा कर सार्वजनिक तौर पर माफी मंगवाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो वायरल हुआ है। दलित संगठनों में रोष है। दलित संगठनों की ओर से पुलिस अधीक्षक के समक्ष परिवाद पेश कर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, लाइव हिंदुस्तान वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

मामले के मुताबिक दुगार ग्राम में बुजुर्ग की बगड़ावत पढ़ने के दौरान जुबान फिसल गई। इसको लेकर दुगार के समाज विशेष के लोगों ने 16 सितंबर की शाम गांव की पंचायत बुलाकर पीड़ित बुजुर्ग को बुलाया और डरा धमका कर गलती के लिए सिर पर जूते रख कर माफी मांगने को मजबूर किया। मामला उस समय और भी गंभीर हो गया जब भीलवाड़ा जिले के सूलिया गांव से एक व्यक्ति ने उसे फोन पर बुरी तरह से अपमानित करते हुए परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। धमकी के बाद से परिवार के लोग बुरी तरह से भयभीत है। इस घटना की निंदा करते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राज्य के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक एवं मानवाधिकार आयोग को भी परिवाद की प्रति भेजी गई। भारतीय दलित साहित्य अकादमी के जिला अध्यक्ष मदन ओजस्वी ने कहा कि राजसमंद जिले के एक व्यक्ति ने पीड़ित व्यक्ति को फोन पर इतना आतंकित कर दिया कि पूरा परिवार खौफ के माहौल में जी रहा है। उसने पूरे समाज को न केवल अपमानित किया बल्कि देखने लेने की धमकी भी दी। ऐसे में उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। दलित संरक्षक प्रोफेसर निर्मल देसाई ने बताया कि 16 सितंबर की शाम यह घटना हुई लेकिन परिवार डर के मारे घर से बाहर नहीं निकल रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दलित संगठनों के लोग आगे आए।

प्रदेश की प्रगति में प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी अहम

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को हैदराबाद के मैरियट कन्वेंशन सेंटर में प्रवासी राजस्थानी समुदाय और हितधारकों से संवाद किया। इस दौरान वैज्ञानिक, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति, चार्टर्ड अकाउंटेंट, विद्यार्थी, प्रवासी राजस्थानी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञों और हितधारकों ने अपने सुझाव दिए।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान को देश का नम्बर 1 राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। आज राजस्थान विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की प्रगति की गति को 10 गुना बढ़ाने और अपने सपनों के राजस्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा मिशन-2030 की शुरूआत की गई है। इसके तहत विजन-2030 डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा। इसमें 2 करोड़ लोगों से बहुमूल्य सुझाव और विचार लेकर उन्हें डॉक्यूमेंट में शामिल किया जा रहा है। प्रदेश की प्रगति में प्रदेशवासियों के साथ-साथ प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से ऑनलाइन एवं अन्य माध्यम से डॉक्यूमेंट हेतु सुझाव देने के लिए अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान से निकले उद्योगपतियों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीडी बिरला एवं जमनालाल बजाज जैसे प्रवासी राजस्थानियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई। प्रवासी राजस्थानियों का अपने प्रदेश से भावनात्मक जुड़ाव हमेशा बना रहता है। आपदाओं के समय में प्रवासी राजस्थानियों ने हमेशा आगे बढ़कर मदद की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में प्रथम कार्यकाल में प्रवासी राजस्थानियों को व्यवस्थित तरीके से राजस्थान से जोड़ने के लिए राजस्थान फाउंडेशन की स्थापना की गई। आज उस संस्था के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों का राजस्थान से संबंध और अधिक मजबूत हुआ है।

गहलोत ने कहा कि 2023-24 के अंत तक राजस्थान की जीडीपी 15 लाख करोड़ रुपए हो जाएगी। 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक तक ले जाने का हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि क्रूड ऑयल उत्पादन में राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है। प्रदेश में बन रही रिफाइनरी एवं पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स से वृहद् स्तर पर रोजगार सृजित होगा। 11.04 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ राजस्थान उत्तर भारत में प्रथम स्थान पर है।गहलोत ने कहा कि अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। राजस्थान में उत्कृष्ट मूलभूत ढांचा तैयार हुआ है।

डीडीए दिवाली से पहले लाएगा 3000 प्रीमियम घरों की योजना, इस बार ईडब्ल्यूएस से लेकर पेंटहाउस तक सबकुछ

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) दिवाली से पहले 3,000 प्रीमियम घरों वाली अपनी अगली आवास योजना लेकर आएगा। यह फ्लैट ड्रॉ के माध्यम से दिए जाएंगे और इसमें द्वारका, लोक नायक पुरम, वसंत कुंज आदि में पेंटहाउस, सुपर एचआईजी, एचआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल हैं। डीडीए अधिकारियों ने कहा कि इनमें से कई संपत्तियां वर्तमान में निर्माणाधीन हैं।

डीडीए के एक अधिकारी ने कहा कि यह एक विशेष योजना होगी जिसमें ज्यादातर प्रीमियम संपत्तियों की पेशकश की जाएगी। उदाहरण के लिए द्वारका के सेक्टर 19बी में निर्माणाधीन पेंटहाउस और सुपर एचआईजी इस योजना का हिस्सा होंगे। इसमें द्वारका सेक्टर 14 और लोक नायक पुरम में निर्माणाधीन एमआईजी और ईडब्ल्यूएस फ्लैट भी पेश किए जाएंगे। उन्होंने कहा, लोक नायक पुरम में निर्माण पूरा होने वाला है और केवल फायर एनओसी सर्टिफिकेट मिलना बाकी है।

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में, डीडीए ने लगभग 40,000 बिना बिके फ्लैटों को शामिल करते हुए इनकी बिक्री में तेजी लाने के तरीकों का पता लगाने के लिए एक रियल एस्टेट कंसल्टेंट (सलाहकार) को नियुक्त किया था। सलाहकार फर्म बिक्री को बढ़ाने के लिए एक रणनीति सुझाएगी और प्राधिकरण अध्ययन के आधार पर एक सर्वे करेगा और अपनी योजनाओं में बदलावों को शामिल करेगा।

अधिकारी ने कहा कि हालांकि पूरे सर्वे में समय लगेगा, लेकिन हम उम्मीद कर रहे हैं कि सलाहकार एक महीने में अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंप देगा, जिसके आधार पर योजना शुरू की जाएगी। चूंकि हमें किसी भी योजना के लॉन्च के बाद आवेदन आमंत्रित करने, लॉटरी निकालने और फ्लैट आवंटित करने में तीन-चार महीने लगते हैं, इसलिए इस अवधि के दौरान प्राप्त सुझावों का अध्ययन और मूल्यांकन किया जाएगा और बदलावों को शामिल किया जाएगा।

फ्लैटों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्राधिकरण द्वारा पहले से ही उठाए गए उपायों में इस प्रतिबंध को खत्म करना शामिल है कि जिस व्यक्ति के पास पहले से ही दिल्ली में 67 वर्ग मीटर से अधिक का डीडीए फ्लैट या प्लॉट है, वह नई योजनाओं के लिए पात्र नहीं है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी आकार के आसपास के फ्लैटों को आपस में मिलाने की भी अनुमति दे सकते हैं। फर्श, सन-फेसिंग, कॉर्नर फ्लैट आदि जैसे कारकों के आधार पर तरजीही स्थान शुल्क पेश करने की भी योजना बनाई गई है।

राहुल गांधी- खड़गे 23 सितंबर को जयपुर में पीसीसी के नए भवन का करेंगे शिलान्यास

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवीन भवन के शिलान्यास के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का 23 सितम्बर को जयपुर आने के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी के लिए सोमवार को जयपुर में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्भाग प्रभारी उपाध्यक्ष, जिला प्रभारी महासचिव एवं जिलाध्यक्षों की संयुक्त बैठक हुई।

बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी उपस्थित प्रभारी पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों को अवगत करवाया कि 23 सितम्बर को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवीन भवन के शिलान्यास कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा किया जाना है। शिलान्यास कार्यक्रम के बाद राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बूथ अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारियों का संयुक्त सम्मेलन भी आयोजित होगा।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार सम्मेलन में संगठन के पदाधिकारी जिसमें जिलाए ब्लॉक, मण्डल एवं बूथ के अध्यक्षगण तथा कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण शामिल हों इसके लिये प्रभारी पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष रूपरेखा तैयार कर बूथ अध्यक्षों की सूची 20 सितम्बर तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजेंगे। सम्मेलन में प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष एवं बूथ अध्यक्षों को पार्टी द्वारा जारी पहचान पत्र भी दिये जाएंगे।

चीन के अस्पष्ट नियमों, अमेरिका के साथ तनाव से व्यापार प्रभावित: अमेरिकी कंपनियां का सर्वेक्षण

बीजिंग, एजेंसी। शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सर्वेक्षण के अनुसार निवेश के लिए विदेशी गंतव्य के तौर पर चीन की साख में निरंतर गिरावट आ रही है। हालांकि सर्वेक्षण में शामिल 325 कंपनियों में से दो-तिहाई ने कहा कि उनकी चीन को लेकर रणनीति को बदलने की तत्काल कोई योजना नहीं है।

सर्वेक्षण में शामिल पांच में से एक से अधिक कंपनियों ने कहा कि वे इस साल चीन में अपना निवेश कम कर रही हैं, जिसकी मुख्य वजह अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में अनिश्चितता और चीन में धीमी वृद्धि का अनुमान है।

कुल मिलाकर सर्वेक्षण से पता चला कि पिछले साल की तुलना में धारणा और अधिक खराब हुई है। तब चीन की कोविड-19 वैश्विक महामारी को लेकर चीन की कड़ी नीतियों का असर इन कंपनियों पर पड़ा था।

सर्वेक्षण में सामने आया कि इस तरह के व्यवधान प्रमुख वजह थे, जिनका हवाला कंपनियों ने चीन के बाहर अपने परिचालन का विस्तार करने केलिए दिया। सर्वेक्षण में शामिल 52 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे चीन में अपने पांच साल के व्यापार दृष्टिकोण को लेकर आशावादी हैं।

शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 1999 में वार्षिक सर्वेक्षण शुरू करने के बाद से यह आंकड़ा अभी तक के सबसे नीचले स्तर पर है। करीब 10 में से नौ कंपनियों ने बढ़ती लागत को भी एक बड़ी चुनौती बताया।

कंपनियों ने भू-राजनीतिक तनाव को एक बड़ी चिंता बताया। उन्होंने कहा कि इसके बाद आर्थिक मंदी आई, जिसने वैश्विक महामारी के बाद एक मजबूत उछाल की उम्मीदों को विफल कर दिया।

अमेरिकी कंपनियां चीन के अधिकारियों से विभिन्न नियमों को स्पष्ट करने का आग्रह भी कर रही हैं। उनका कहना है कि नियमों में बदलाव के कारण 'ग्रे एरिया' कंपनियों में इस बात को लेकर अनिश्चित उत्पन्न हो जाती है कि किस चीज की अनुमति है और क्या गैरकानूनी हो सकता है।

नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का दावा, पिता और चाचा को राजनीति से बाहर करने की कोशिशें विफल रहीं

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में नए प्रधान न्यायाधीश के शपथ लेने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी एवं पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ नेता मरियम नवाज ने कहा कि उनके पिता को देश की राजनीति से बाहर निकालने के प्रयास बुरी तरह विफल रहे और उन्होंने उम्मीद जताई कि न्यायपालिका अब न्याय करेगी। न्यायामूर्ति काजी फैज ने रविवार को पाकिस्तान के 29वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम ने दावा कि उनके पिता नवाज और चाचा शहबाज शरीफ को राजनीति से बाहर करने के प्रयास बुरी तरह विफल रहे हैं। मरियम को कई मौकों पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) उमर अता बंदियाल की खुलकर आलोचना करते हुए देखा गया था। इतना ही नहीं, उन्होंने उन पर पक्षपात करने और कुछ मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) को अनुचित लाभ देने का भी आरोप लगाया था। मरियम के हवाले से कहा, ''न्याय का पैमाना अब सभी नागरिकों के लिए संतुलित होगा और पीएमएल-एन प्रमुख समेत अन्य पार्टी नेताओं को 'प्रोजेक्ट इमरान के कार्यकर्ताओं के अन्याय से छुटकारा मिलेगा।

नवाज के छोटे भाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी नए प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति के बाद न्याय की उम्मीद जतायी। ''एक बयान में पूर्व प्रधानमंत्री ने नए प्रधान न्यायाधीश को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि पाकिस्तान की न्यायपालिका की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नवाज शरीफ चार साल बाद 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौट रहे हैं और यहां उन्हें कई मुकदमों में अदालती सुनवाई का सामना करना पड़ेगा। लाहौर उच्च न्यायालय से इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति मिलने के बाद 73 वर्षीय नवाज नवंबर 2019 में लंदन चले गए थे।

ऐसे में उनके लौटने के साथ तोशाखाना मामले में उनके खिलाफ सुनवाई बहाल हो सकती है। इस मामले में एक अदालत ने 2020 में उन्हें भगौड़ा घोषित कर दिया था। उन पर केवल 15 फीसदी कीमत का भुगतान करके तोशाखाना से महंगी कारें प्राप्त करने का भी आरोप है। नवाज को 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामलों में दोषी ठहराया गया था। वर्ष 2019 में 'चिकित्सा के आधारज पर लंदन जाने की अनुमति दिए जाने से पहले वह लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल के कारावास की सजा काट रहे थे।

यूएन प्रमुख ये बोले–यहां कोई मेला नहीं है : संयुक्त राष्ट्र महासभा में बाइडन के अलावा शीर्ष नेता नहीं पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में से अधिकतर नेता अनुपस्थित रहने वाले हैं। सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल हो रहे हैं। इसे लेकर जब यूएन प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि यहां कोई मेला नहीं चल रहा है! विभिन्न गंभीर वैश्विक मुद्दों पर सरकारों द्वारा लिए गए फैसले, किसी नेता विशेष की उपस्थिति से ज्यादा अहम हैं। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन में से सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में शिरकत कर रहे हैं। 78वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए रविवार को बाइडन न्यूयॉर्क पहुंच गए। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों उच्च स्तरीय बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं। रूस की तरफ से उनके विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, चीन की तरफ से उपराष्ट्रपति हान झंग, ब्रिटेन से उप-प्रधानमंत्री ओलिवर डाउडेन और फ्रांस से यूरोप और विदेश मामलों की मंत्री कैथरीन कोलोना संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। जब अधिकतर शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यहां कोई मेला नहीं चल रहा है। यह एक राजनीतिक निकाय है, जिसमें सरकारों का प्रतिनिधित्व किया जाता है। यह मायने नहीं रखता कि किसी देश का प्रतिनिधित्व किसके द्वारा किया जा रहा है। गुटेरेस ने कहा कि मुझे चिंता इस बात की है कि जो देश यहां हैं, वह सतत विकास लक्ष्य की प्रतिबद्धताओं को मानने के लिए तैयार हो।

चीन का रियल एस्टेट खतरे में, संपत्ति निवेश में लगातार गिरावट जारी

बीजिंग/न्यूयॉर्क, एजेंसी। चीन के रियल एस्टेट क्षेत्र की परेशानियां देश की आर्थिक संभावनाओं पर खतरे में डाल रही हैं क्योंकि संपत्ति निवेश में गिरावट जारी है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को रिपोर्ट में बताया कि चीन के आसपास निर्माण स्थल कम व्यस्त दिखाई दे रहे हैं और अपार्टमेंट टावरों का निर्माण अपार्टमेंट की कीमतों में गिरावट के कारण लड़खड़ा गया है। चीन भर के 70 बड़े और मध्यम आकार के शहरों में नए अपार्टमेंट की कीमतों के लिए शुक्रवार को जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए, गोल्डमैन सैक्स ने गणना की कि अगस्त में कीमतों में 2.9 प्रतिशत की मौसमी समायोजित वार्षिक दर से गिरावट

आई, जबकि जुलाई में यह 2.6 प्रतिशत थी।

इसके अलावा, डेटा से पता चलता है कि नए अपार्टमेंट की कीमत में गिरावट की गति और सीमा काफी कम है, हालांकि, स्थानीय सरकारों ने डेवलपर्स पर कीमतों में कटौती न करने के लिए भारी दबाव डाला है। तियानजिन अनुसंधान फर्म बेइके रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार चीन भर के 100 शहरों में मौजूदा घरों की कीमतें दो साल पहले के अपने चरम से अगस्त की शुरुआत तक औसतन 14 प्रतिशत गिर गईं। किराये में 5 फीसदी की गिरावट आई है। इसके अलावा, चीन का बैंकिंग सेक्टर डिफॉल्टरों से लिए गए कर्ज की अदायगी से भी जूझ रहा है क्योंकि बैंकों ने प्रॉपर्टी डेवलपर्स को जो कर्ज दिया था, वह डिफॉल्ट हो चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, डिफॉल्टरों से ऋण की तत्काल अदायगी के पीछे मुख्य बाधा स्थानीय सरकारों और उनके वित्तीय सहयोगियों को दिए गए ऋण की भागीदारी है। केंद्रीय बैंक, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने गुरुवार को घोषणा की कि वह बैंकों को छोटे भंडार अलग रखने और अधिक ऋण देना शुरू करने के लिए स्वतंत्र कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम को व्यापक रूप से बांड के एक बड़े बैच को समायोजित करने के उद्देश्य से देखा गया था, जिसे स्थानीय और प्रांतीय सरकारें अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के भुगतान के लिए जारी करेंगी। नोमुरा ने कहा कि अगस्त में खुदरा बिक्री एक साल पहले की तुलना में 4.6 प्रतिशत अधिक थी, क्योंकि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने खुदरा बिक्री को बढ़ा दिया था। बता दें कि चीन में इस समय प्रॉपर्टी संकट के दौर से गुजर रही है। समय से परियोजनाओं के पूरा न होने के कारण घर खरीदार निरश हैं। अधूरी परियोजनाओं में अब वे पैसा लगाना बंद कर दिए हैं।

नेशनल पार्टी न्यूजीलैंड के स्कूलों में पठन-पाठन के तरीके को बदलना चाहती है

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूज़ीलैंड वासी देश की घटती साक्षरता का एक सरल समाधान चाहते होंगे, लेकिन पठन-पाठन जटिल है। संरचित साक्षरता शुरू करने का राष्ट्रीय प्रस्ताव सही दिशा में एक कदम है। लेकिन यह आवश्यक है कि पाठ्यक्रम दिशानिर्देश शिक्षकों के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करें, साथ ही शिक्षकों को अपनी शिक्षण प्रथाओं को चल रहे शोध के अनुसार अनुकूलित करने में मदद दें। न्यूजीलैंड के चुनाव में यदि नेशनल पार्टी विजयी रही तो उसने देश की पूरी शिक्षा प्रणाली और पठन पाठन की शैली को बदलने की कसम खाई है। इस शिक्षा परिवर्तन में सभी वर्ष 0-6 कक्षाओं में ''संरचित साक्षरता'' के शिक्षण की आवश्यकता की प्रतिज्ञा शामिल है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई लोगों के लिए यह घोषणा स्वागतयोग्य है। यह पठन-पाठन के एक स्पष्ट और व्यवस्थित रूप की ओर बढ़ने का संकेत देता है जिसकी शिक्षक, शोधकर्ता और माता-पिता लंबे समय से मांग कर रहे थे। न्यूज़ीलैंड को निश्चित रूप से अपनी साक्षरता दर बढ़ाने की आवश्यकता है। 15-वर्षीय बच्चों में से केवल 60 प्रतिशत ही पढ़ने के सबसे बुनियादी स्तर से ऊपर पहुंच पा रहे हैं, जिसका अर्थ है कि 40 प्रतिशत पढ़ने और लिखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोध से पता चलता है कि साक्षरता में क्या काम होता है, इस पर ध्यान केंद्रित करना सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ स्कूलों ने पहले से ही विभिन्न प्रकार के संरचित साक्षरता कार्यक्रम लागू किए हैं, अकसर अपने दम पर। शिक्षा मंत्रालय ने अधिक स्पष्ट पठन निर्देश के लिए संसाधन उपलब्ध कराना भी शुरू कर दिया है, और अपनी शिक्षा रणनीति में संरचित साक्षरता के तत्वों को शामिल किया है। लेकिन यहीं पर हमें सावधानी से चलने और सहयोगात्मक ढंग से काम करने की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129